निर्गम परिणाम रूपरेखा 2019-20

खंड II

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	लागू नहीं	59	1
2	जल शक्ति मंत्रालय	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	60	17
3	श्रम और रोजगार मंत्रालय	लागू नहीं	62	51
4	विधि और न्याय मंत्रालय	विधि और न्याय विभाग	63	67
5	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	लागू नहीं	66	69
6	अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय	लागू नहीं	68	94
7	नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	लागू नहीं	69	98
8	पंचायती राज मंत्रालय	लागू नहीं	70	101
9	कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय	कार्मिक प्रशिक्षण विभाग	72	104
10	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	लागू नहीं	74	109
1 1	योजना मंत्रालय	लागू नहीं	75	117
12	विद्युत मंत्रालय	लागू नहीं	76	120
13	रेल मंत्रालय	लागू नहीं	82	122
14	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	83	126
15	ग्रामीण विकास मंत्रालय	ग्रामीण विकास विभाग	84	132
16	ग्रामीण विकास मंत्रालय	भूमि संसाधन विभाग	85	135
17	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	86	137
18	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	87	147
19	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग	88	149
20	शिपिंग	लागू नहीं	89	156
21	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग	91	162
22	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग	92	182

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
23	अंतरिक्ष विभाग	अंतरिक्ष विभाग	93	195
24	इस्पात मंत्रालय	लागू नहीं	95	196
25	वस्त्र मंत्रालय	लागू नहीं	96	198
26	पर्यटन मंत्रालय	लागू नहीं	97	239
27	आदिवासी मामले मंत्रालय	लागू नहीं	98	248
28	महिला और बाल विकास मंत्रालय	लागू नहीं	99	256
29	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	लागू नहीं	100	270

सूचना और प्रसारण मंत्रालय **मांग सं.** 59

1. फिल्म (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
165	1. फिल्म समारोहों का आयोजन और उनमें भागीदारी में बढ़ोतरी	1.1. जिनअंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, बाल फिल्म समारोहों मेंभाग लिया गया उनकी संख्या	अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भागीदारी: 3-5	1. भारतीय सिनेमा की विरासत का परिरक्षण अनुसंधान और उसे बढ़ावा देना	1.1. अंतरराष्ट्रीय समारोहो में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधियों की संख्या	30
		1.2. आयोजितफिल्म समारोहों, फिल्म बाजारों की संख्या	भारत/विदेशों में फिल्म समारोह का आयोजन: 20 फिल्म बाजार का आयोजन:1			
	2. विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और वृत्तचित्रों का निर्माण	2.1. निर्मित वृत्तचित्र फिल्मों की संख्या	फिल्म डिवीजन:110	2. प्रसार: सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना क) क्षेत्रीय वृत्तचित्रों विरासत फिल्मों के प्रदर्शन की संख्या में वृद्धि ख) बच्चों के लिए फिल्मों का प्रदर्शन	2.1. वृत्तचित्र, क्षेत्रीय फिल्मों के प्रदर्शन की संख्या	2375 प्रदर्शन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		2.2. निर्मित/डब की गई और सबटाइटल युक्त फीचर फिल्मों और लघु फिल्मों की संख्या	फीचरफिल्मेः6 लघु फिल्मेः 2 डब की गई फिल्में: 12 सब-टाइटल फिल्मेः 10		2.2. फिल्मों के प्रदर्शन में उपस्थित बच्चों की संख्या	617300 बच्चे
	क. राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन					
	1. फिल्मों के संरक्षण के लिए डिजिटिकरण और क्षमता निर्माण	1.1. निवारक संरक्षण के तहत कवर फिल्मों की संख्या (फीचर फिल्मों/ लघु फिल्मों सहित)	फिल्म रीलः 52500	1. भावी पीढ़ी के लिए भारतीय सिनेमा की समृद्ध विरासत का परिरक्षण, संरक्षण डिजिटिकरण और पुनरुद्धार करना	1.1. परिरक्षित और डिजिकृत की गई फिल्मों की संख्या	1600
		1.2. डिजिटिकरण के तहत कवर फिल्मों की संख्या क. फीचर फिल्मेः ख. लघु फिल्मेः	800 800			
		1.3. आयोजित की जाने वाली प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	3			
		1.4. प्रशिक्षित किए जाने वाले कर्मिकों की संख्या	180			
	***ख*. राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय (एनएफएआई)**					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	1. फिल्म संबंधी सामग्री का अभिलेखाकरण और डिजिटिकरण	1.1. डिजिटिकरण के तहत कवर फिल्मों की संख्या फीचर फिल्मेः लघु फिल्मेः	 800 800	1. फिल्म संबंधी सामग्री का प्रसार	1.1. आयोजित फिल्म प्रदर्शन की संख्या	500
	2. अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित करना	2.1. आयोजित फिल्म समारोहों / फिल्मशो / पाठ्यक्रमों की संख्या	3		1.2. फिल्म प्रदर्शन में अनुमानित उपस्थिति	45000
		2.2. फिल्मपाठ्यक्रमों में नामांकित लोगों की संख्या	180			
	ग. केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीएफबीसी)					
	1. सेंसर प्रमाण-पत्र जारी करना	1.1. जारी सेंसर प्रमाण पत्रों की संख्या	35000	1. बेहतर प्रमाणन कार्यक्षमता	1.1. प्रमाणित फिल्मों का प्रतिशत	100%
		1.2. वेबसाइट पर पंजीकृत निर्माताओं की संख्या	9300			
	घ. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड					
	1. भारतीय भाषाओं, में फिल्मों का निर्माण और	1.1. भारतीय भाषाओं में निर्मित फिल्मों की	1	1. नए फिल्म निर्माताओं के सहायतार्थ	1.1. भारतीय भाषाओं में फिल्म का निर्माण और	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	सहनिर्माण अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के लिए एक एकल खिड़की सुविधा प्रणाली के रूप में कार्य	संख्या		भारतीय भाषाओं में फिल्मों का निर्माण फिल्म निर्माण के लिए भारत को स्थान के रूप में बनाना	सहनिर्माण तथा प्रसार	
		1.2. भारत में फिल्मबनाने के लिए दी गई अनुमतियों की संख्या	30			
	ड्र एफटीआईआई के लिए सहायता अनुदान (अवसंरचना विकास कार्यक्रम)					
	1. निर्माण औरभवनों का आधुनिकीकरण	1.1. पूरे किए गए सिविल निर्माण/उन्नयन परियोजनाओं की संख्या	3	1. संस्थान के लिए राजस्व अर्जितकरने हेतु अतिरिक्त स्थान के सृजन द्वारा छात्रों के लिए अनुकुलत सुविधाओं हेतु अवंसरचना विकास और उपकरणों की खरीद इसमें सभागार, ज्ञान केन्द्र, छात्रावास और स्टूडियो का निर्माण शामिल है।	1.1. वास्तविक निर्माण के पूरा होने की प्रतिशतता	सभागार और ज्ञानकेन्द्र का निर्माणः 75% कार्य छात्रावास और 2 स्टूडियोः 75% कार्य
		1.2. आधुनिकीकरण परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत	50%			
	2. अल्पावधि पाठ्यक्रम का आयोजन	2.1. गुणवत्ता सिनेमा साक्षरता के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम एवं कार्यशालाओं की संख्या	अल्पावधि पाठ्यक्रमों की संख्याः 40-50		1.2. पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित लोगो की संख्या	अल्पावधिः 500 एसकेआईएफटीः 1200-1500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		2.2. अल्पावधि पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं में प्रवेश लेने वाले लोगों की संख्या	1000		1.3 ईडीएम विभाग और फिल्म और एनीमेशन के लिए उपकरणों की खरीद का प्रतिशत	ईडीएम: 80% फिल्म और एनिमेशन: 60%
	3. निर्माण और खरीद (एसआरएफटीआई, कोलकाता)	3.1 पूरे किए गए सिविल निर्माण / उन्नत परियोजनाओं की संख्या	5			
		3.2 परियोजनाओं का प्रतिशत पूरा करना / उपकरण और मशीनरी की खरीद	60%			

* *लक्ष्य इस संकेतक के लिए जवाबदेह नहीं हैं।*

2. प्रसार भारती (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
473	**क. *दूरदर्शन***					
	1. नए कार्यक्रमों का निर्माणः क) विभिन्न सरकारी योजनाओं और कुशल कृषि तकनीको के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए	डीडी किसान 1.1. नए इन्टरएक्टिव कार्यक्रमों की संख्या तथा अवधि	डीडी किसानः वर्ष के दौरान नई विषय वस्तु वाले लगभग 2210 घण्टे	1. क) समूचे भारत में ट्रांसमीशन के कवरेज क्षेत्र मेंख) श्रोताओंकेबीचसरकारी स्कीमोंकेबारेमेंजागरूकताबढ़ाना	1.1. दर्शकों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	डीडी किसानः दर्शकों की संख्या में 7% वृद्धि (84 लाख से 90 लाख)
	ख) तत्कालीन क्षेत्रीय संस्कृति और इतिहास के लोकाचार का प्रतिनिधित्व करने के उदेश्य से कार्यक्रम तैयार करना।	1.2 डीडी अरुणप्रभाः फरवरी 2019 में प्रारंभ किया गया नए निर्मित इन्टरएक्टिव कार्यक्रमों के घण्टों की संख्या	डीडी अरुणप्रभाः बर्ष के दौरान नए इन्टरऐक्टिव कार्यक्रम के लगभग 894 घंटे	2. पूर्वात्तर क्षेत्रों में कवरेज को बढाना	2.1. जनसंख्या का अनुमानित कवरेज	कुल जनसंख्या का 3.1%
	2. डिजिटाइजेशन, आधुनिकीकरण, डीटीएटच और उपग्रह उपकरण	2.1. डिजिटीकृत ट्रांसमीटरों की संख्या (मीवे और शावे)	* (टावरों को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रारंभिक कार्य किया जा रहा है)	3. ट्रांसमिशन के कवरेज क्षेत्र को बढ़ाना	3.1. डिजिटल क्षेत्रीय ट्रांसमिशन के कवरेज क्षेत्र में बढ़ोतरी का प्रतिशत	*
		2.2. उन्नत ट्रांसमीटरों की संख्या	3			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		2.3. नए उपकरणों के साथ उन्नत स्टूडियो की संख्या	3	4. दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रसारण की गुणवत्ता और विश्वसतीयता में सुधार करना	4.1. जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों मे उच्च शक्ति प्राप्त ट्रांसमीटरों की संख्या में वृद्धि	3
		2.4. सीमा क्षेत्र मे पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	4			
		2.5. उन्नत / जोडे गए अर्थ स्टेशनों की संख्या	15			
		2.6. संचालित एचडीटीवी स्टूडियों की संख्या	3			
	ख. आकाशवाणी					
	1. मी.वे. और शा.वे. ट्रांसमीटरों का डिजिटिकरण	**1.1.** डिजीटिकृत मीवे ट्रांसमीटरों की संख्या	* (स्वीकृत ट्रांसमीटरों को पहले ही डिजीटिकृत किया जा चुका है)	1. पूरे भारत में कवरेज बढ़ाना सीमावर्ती क्षेत्रों और ग्रामीण जनसंख्या पर विशेष जोर	1.1. डिजिटल मी.वे. ट्रांसमिशन के कवरेज क्षेत्र में प्रतिशत वृद्धि (डीआरएम)	50%
		1.2. प्रतिस्थापित/ उन्नत शार्टवेव ट्रांसमीटरों की संख्या	* (शार्ट वेव ट्रांसमीटरों को पहले ही उन्नत किया जा चुका है।)		**1.2.** एफएम क्षेत्रीय ट्रांसमिशन के कवरेज क्षेत्र मे प्रतिशत वृद्धि	7%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	2. एफएम ट्रांसमीटर-विस्तार / ओर प्रतिस्थापन	2.1. उन्नत और जोड़े गए एफएम ट्रांसमीटर की संख्या	उन्नतः6 जोड़े गएः 18	3. दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए गुणवत्ता और प्रसारण विश्वसनीयता में सुधार	3.1 रेडियो कार्यक्रमों की अनुमानित पहुंच	46%
	3. स्टूडियो का डिजिटिकरण	3.1. डिजीकृत स्टूडियों की संस्था	29		3.2 कुल लक्षित जनसंख्या की तुलना में जनसंख्या (कार्यक्रमों के माध्यम से) की अनुमानित कवरेज	62%
		3.2. सृजित अभिलेखीय सुविधाओं की संख्या	1		3.3 कार्यक्रम निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता- शोर अनुपात का औसत सिगनल	86 डीबी (6 डीबी द्वारा एस/एन की वृद्धि
	4. नेटवर्क और 4. 4. कनेक्टिविटी का डिजिटिकरण	4.1. उन्नत और जोड़े गए 4.1 4.1 अर्थ स्टेशनों की संख्या	* (वर्ष के दौरान कोई धनराशि आंवटित नहीं की गई)			
		4.2. डिजिटलीकृत स्टूडियो ट्रांसमीटर की संख्या	* (वर्ष के दौरान कोई धनराशि आंवटित नहीं की गई)	4. सीमा क्षेत्रों के कवरेज में वृद्धि	4.1 इंडो-नेपाल सीमा में कवर की गई दूरी में प्रतिशत वृद्धि	39%
	5. सीमा क्षेत्र के कवरेज को मजबूत करना	5.1. पूरी की गई सीमा क्षेत्र परियोजनाओं की संख्या	8	5. लाइव स्ट्रीमिंग के साथ ऑडियो चैनलों में वृद्धि	4.1 लाइव स्ट्रीमिंग के साथ ऑडियो चैनलों में प्रतिशत वृद्धि	200%
	6. आईटी पहल के तहत ऑडियो स्ट्रीमिंग	6.1. लाइव स्ट्रीमिंग के साथ ऑडियो चैनलों की	33	6. लंबित कार्यों को पूरा करना	6.1 पूरा किए गए कार्यों का प्रतिशत	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		संख्या				
	7. प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि	7.1. उन्नयन परियोजनाओं की संख्या	1	7. लंबित कार्यों को पूरा करना	7.1. आकाशवाणी ट्रांसमीटरों के लिए उन्नत टेलीमेट्री प्रणाली के लिए पूरा किए गए कार्यों का %	100%
	8. आर एण्डडी को मजबूत करना	8.1. आकाशवाणी ट्रांसमीटरों के लिए अग्रिम टेलीमेटरी सिस्टम के साथ स्थानों की संख्या	1			

** लक्ष्य इस संकेतक के लिए जवाबदेह नहीं हैं।*

3. प्रसारण गतिविधियों का सुदृढ़ीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
24.0	*(क) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया केंद्र का सुदृढ़ीकरण (सीएस)*					
	1. सामग्री अधिग्रहण क्षमता में वृद्धि	1.1. योजना में शामिल चैनलों की संख्या	100	1. कानूनी ढांचे के अनुपालन के लिए टीवी चैनलों की निगरानी	1.1. बनाए गए उल्लंघन रिपोर्टों की संख्या	*
	2. डीटीएच चैनल के लिए सामग्री अधिग्रहण क्षमता का समन्वय योजना	2.1. योजना में शामिल डीटीएच चैनलों की संख्या	**			
	(ख) भारत में सहायक सामुदायिक रेडियो आंदोलन (सीएस)					
	1. जागरूकता कार्यशालाओं, क्षेत्रीय सम्मेलनों और राष्ट्रीय सम्मेलनों का संचालन	1.1. जागरूकता कार्यशालाओं, क्षेत्रीय सम्मेलनों और राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजनों की संख्या	जागरूकता कार्यशालाएं: 821 क्षेत्रीय कार्यशालाएं: 2 राष्ट्रीय सम्मेलन: 1	1. परिष्कृत नवीन विचारों और सीआर क्षेत्र को मजबूत बनाने के अभ्यास	1.1. क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लागू किए गए नवीन विचारों की संख्या	3
		1.2. राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सम्मेलनों में भागीदार परिचालन सीआरएस इंचार्ज की संख्या	251			
		1.3. सीआर जागरूकता कार्यशालाओं में भाग लेने वाले संगठनों (इंचार्ज) की संख्या	320			
		1.4. कार्यशालाओं में शामिल हुए संभावित आवेदकों की संख्या	320			
	2. नए और मौजूदा सामुदायिक रेडियो स्टेशन के लिए प्रदान किए गए अनुदान।	2.1. सीआरएस की अनुमति के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	40	2. सामग्री विकास में सीआरएस और सामुदायिक भागीदारी की बढ़ी हुई क्षमता	2.1. अनुदानों से निर्मित कार्यक्रमों के घंटों की संख्या	64 घंटे
		2.2. उपकरणों की खरीद के लिए नए और मौजूदा सीआरएस को जारी अनुदानों की संख्या	16			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	3. सीआरएस के बारे में परिष्कृत ज्ञान	3.1. सीआरएस को स्थापितकरने के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	40			
	4. विषयगत क्षेत्रों में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का क्षमता निर्माण करना	4.1. क्षमता निर्माण कार्य में शामिल सीआरएस प्रशिक्षुओं की संख्या	251			
	5. परिचालित सीआर स्टेशनों के लिए समीक्षा गहन समीक्षा किए गए परिचालन सीआरएस की संख्या	5.1. गहन समीक्षा किए गए परिचालित सीआरएस की संख्या	60			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

*** संकेतक मांग आधारित हैं।*

4. सूचना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
227	(क) विकास संचार और सूचना प्रसार (डीसीआईडी)					
	(i) जन सशक्तिकरण					
	1. सरकारी कार्यक्रमों के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए ऑडियो स्पॉट, वीडियो यूनिट का संचालन करना	1.1. रेडियो स्पॉट की संख्या[1]	69.593	1. सूचना के व्यवस्थित प्रसार के माध्यम से सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना	1.1. जनसंख्या के बीच जागरूकता स्तर जैसा कि अभियानों के मूल्यांकन द्वारा मापा गया	*
		1.2 वर्गीकृत प्रदर्शन की संख्या (प्रविष्टि हजार में)	4.657			
		1.3. आउटडोर प्रचार प्रदर्शन की संख्या (हजार में प्रदर्शित)	8.67			
		1.4. आयोजित प्रदर्शनियों की संख्या (दिनों में)	11205			
		1.5. मुद्रित प्रचार में सृजित नौकरियों की संख्या	181.1			

* *इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

[1] *रेडियो स्पॉट में डिस्प्ले यूनिट में टीवी में 1 इनसर्शन, रेडियो में 3 इनसर्शन, डिजिटल सिनेमा में 10 इनसर्शन, 1000 एसएमएस और इंटरनेट पर 2500 इंप्रेशन शामिल होंगे।*

	(ii) मीडिया आउटरीच कार्यक्रम					
	1. सरकारी कार्यक्रमों (पीआईबी) के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए आडियो स्पॉट, वीडियो यूनिट का संचालन करना	1.1. आयोजित की गई राष्ट्रीय क्षेत्रीय सम्मेलनों, गोष्ठियों की संख्या	राष्ट्रीय: 1 क्षेत्रीय: 2 गोष्ठी: 60	1. सूचना के व्यवस्थित प्रसार के माध्यम से सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना	1.1. सम्मेलन में भाग लेने तथा इससे लाभ लेने वाले पत्रकारों की संख्या	3800
		1.2. संचालित प्रेस भ्रमणों की संख्या	5	2. सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और उससे संबंधित सफलता की कहानियों का प्रदर्शन	2.1. अलग-अलग राज्यों में विशेष रूप से जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद से जुड़े क्षेत्रों में प्रेस भ्रमण में भाग लेने वाले पत्रकारों की संख्या	
		1.3. समारोहों की संख्या जहां प्रचार आयोजित किया गया	1	3. मीडिया कवरेज पोस्ट प्रेस भ्रमण और सम्मेलनों में वृद्धि		50
	(iii) सजीव कला और संस्कृति					
	1. पंचायत स्तर पर जागरूकता के लिए लाइव कार्यक्रमों की प्रस्तुति (बीओसी)	1.1. जागरूकता के लिए आयोजित किए गए लाइव कार्यक्रमों की संख्या	लाइव कार्यक्रम: 4180 थियेट्रिकल: 8	1. सूचना के सुव्यवस्थित प्रसार के माध्यम से सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना	1.1. जागरूकता पैदा करना	*

		1.2. गतिविधियों के माध्यम से कवर किए गए जिलों की संख्या	450			
		1.3. विशेष अवसरों पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों की संख्या	1570			
	(iv) विशेष आउटरीच कार्यक्रम (डीएफपी)					
	1. विशेष आउटरीच कार्यक्रम (बीओसी)	1.1. सीधे सूचना संवाद अभियान	3957			
		1.2. विशेष अवसरों के लिए अभियान	3843			
	(v) सोशल मीडिया सेल					
	1. सरकार के कार्यक्रमों के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए कार्यक्रमों का संचालन	1.1. यूट्यूब / ट्विटर / गूगल हैंगआउटद्वारा आयोजित लाइव कार्यक्रमों की संख्या	70	1. सूचना के सुव्यवस्थित प्रसार के माध्यम से सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना	1.1. विभिन्न प्रचार अभियान के तहत कवर किए गए लोगों की अनुमानित पहुंच	*
		1.2. कार्यक्रमों के जरिए कवर किए गए जिलों की संख्या	4		1.2. औसतन लोगों का कहना है कि वे कुल जनसंख्या में प्रचारित सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी रखते हैं।	*
	(ख) मीडिया अवसंरचना विकास कार्यक्रम (एमआईडीपी)					
	1. क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों के क्रियान्वयन की सुविधा के लिए आडियो-विजुअल उपकरण और वाहनों आदि की खरीद और उचित प्रलेखन तथा फील्ड गतिविधियों की मॉनीटरिंग के लिए उन्हें	1.1. मल्टी मीडिया प्रोजेक्टर की संख्या	5			
		1.2. पोर्टेबल पब्लिक एड्रेस सिस्टम की संख्या	*			
		1.3. एलईडी टीवी की संख्या	25			
		1.4. पोर्टेबल जेनरेटर सेट की	*			

	आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से लैस करना (बीओसी)	संख्या				
		1.5. डेस्कटॉप कंप्यूटर की संख्या	90			
		1.6. फील्ड प्रचार इकाइयों के लिए वाहनों की संख्या	8			
		1.7. टेबलेट खरीद की संख्या	200			
		1.8. उपकरणों की एएमसी के लिए राशि (आईएनआई में)	*			
	2. एम्पैनलमेंट प्रक्रिया का संचालन (आरएनआई)	2.1. डिजिटिकृत किए गए रिकॉर्डों की संख्या	एक लाख प्रति			
	3. सार्वजनिक प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करना (आरएनआई)	3.1. कुल प्रश्नों की संख्या के आधार पर प्रश्नों का अनुपात	6000 प्रश्न			

** संकेतक के लिए का लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

5. भारतीय जनसंचार संस्थान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
9.50	1. भारतीय जन संचार संस्थान के क्षेत्रीय इकाइयों के स्थायी परिसरों के निर्माण कार्य को पूरा किया जाना	1.1. आईआईएमसी, जम्मू	40% (निर्माण कार्य पूरा किया जाना है)	1. आईआईएमसी का संचालन, छात्रों के नामांकन	1.1. आईआईएमसी के संचालन की संख्या (पाठ्यक्रम अस्थायी परिसर में आयोजित किए जा रहे हैं)	4
		1.2. आईआईएमसी, आइजोल	100% (नए भवन निर्माण कार्य और कैंपस तैयार करने है)			
		1.3 आईआईएमसी, कोट्टायम	100% (नए भवन निर्माण कार्य और कक्षाएं शुरू की जानी है)			
		1.3 आईआईएमसी, अमरावती	20% (निर्माण कार्य पूरा किया जाना है)		1.1 नामांकित छात्रों की संख्या	102
	2. अंतर्राष्ट्रीय मानकों के लिए आईआइ्एमसी का उन्नयन	2.1. पूरी हुई उन्नयन परियोजनाओं की संख्या	*			
		2.2. उन्नयन की जा रही परियोजनाओं की संख्या				

** संकेतक के लिए का लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

साधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय

1. फरक्का बैराज परियोजना (एफबीपी): केन्द्र क्षेत्र स्कीमें:

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
120.00	1. फरक्का बैराज और संबद्ध संरचनाओं का प्रचालन और रख-रखाव	1.1. फरक्का बैराज के पुराने गेटों को बदलना	24 गेट	1.फीडर नहर द्वारा ऊपरी क्षेत्र में आपूर्ति बढ़ाना, जिसके द्वारा भागीरथी हुगली नदी प्रणाली में व्यवस्था और नौचालन में सुधार करना और कोलकाता बंदरगाह का संरक्षण करना। भारत-बांग्लादेश के बीच गंगा नदी के जल बटवारे संबंधी 1996 की संधि का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन।	1.1. फीडर नहर से हुगली-भागीरथी नदी प्रणाली में नौवहन प्रचालन सुचारू हुआ है। (हां/नहीं)	हां
		1.2. फरक्का बैराज के मूल कार्य क्षेत्र में नदी तट सुरक्षा/कटावरोधी निर्माण कार्य	3.5 कि.मी.		1.2. फीडर नहर से एनटीपीसी ताप विद्युत संयंत्र को 2500 क्यूसेक जल आपूर्ति की गई। (हां/नहीं)	हां
		1.3 फरक्का बैराज की प्रचालन प्रणाली के गेट का स्वचालन	100%			

2. बांध पुनरूद्धार एवं सुधार कार्यक्रम (डीआरआईपी) (केन्द्रक्षेत्रस्कीम):

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
89.37	1. पुनरूद्धार करके बांध की सुरक्षा स्थितियों में सुधार	1.1. बांध सुरक्षा क्षेत्र संबंधी दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देना	बांध सुरक्षा के विभिनन पहलुओं के संबंध में 4 दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाना है।	1. पुनरूद्धार करके बांध की सुरक्षा स्थितियों में सुधार	1.1. बांधों की संख्या जिनमें आपातकालीन कार्य योजनां/आपदा प्रबंधन योजना कार्यान्वित की गई।	20
		1.2. गैर-डीआरआईपी वाले राज्यों जहां डीएचएआरएमए कार्यान्वित किया गया है, में बांधों की संख्या	11 गैर-डीआरआईपी राज्यों के साथ लाइसेंस साझा किया गया है। गैर-डीआरआईपी राज्यों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डीआरआईपी फेज-।। और ।।। में सभी प्रस्तावित बांधों के संबंध में आंकड़ा प्रविष्टि को तीव्र किया जाना है।			
	2. जल संसाधन के डीआरआईपी अधिकारियों का क्षमता निर्माण	2.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	20	2. जल संसाधन के अधिकारियों का क्षमता निर्माण	2.1. डीएचएआरएमए में प्रशिक्षित डीआरआईपी अधिकारियों की संख्या	200
		2.2 आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	1			
	3. आधुनिक जोखिम आधारित संकल्पना का प्रयोग करके बांध का व्यापक	3.1. बांधों की संख्या जिनके संबंध में आपातकालीन कार्य योजनाओं के लिए आप्लावन मानचित्र और बांध टूटन विश्लेषण तैयार किया गया है।	40	3. अनुप्रवाह में लोगों, संपत्ती एवं पर्यावरण की सुरक्षा में सुधार के लिए संबंधित डीआरआईपी बांधों से जुडें जोखिमों को समाप्त करना।	3.1 बांधों की संख्या जिनकी संबंध में डीवीए विकसित किया जाना है।	40

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	मूल्यांकन	3.2 वह क्षेत्र जिसके लिए भूकंपीय हजार्ड मानचित्रण अध्ययन किए गए।	1.29 मीटर वर्ग किमी. क्षेत्र के लिए भूकंपीय हजार्ड मानचित्रण किया जाना है।	4. जल संसाधन विभागों तथा अन्य पेशेवरों की भूंकप से निपटने संबंधी तैयारी को बढ़ाना।	4.1 भूंकप खतरा आकलन सूचना प्रणाली (एसएचएआईएस) का विकास	100%
		3.3 आधुनिक जोखिम आधिरत संकल्पना का उपयोग करते हुए मूल्यांकित किए	*			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

3. नदी बेसिन प्रबंधन (आरबीएम) – (केन्द्रीय क्षेत्र योजना) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
200	1. निविदा तथा संविदा प्रदान करना। डीपीआर तथा डीपीआर निर्माण कार्यों की तैयारी करना। डीपीआर के बाद के कार्यकलाप।	1.1.केन-बेतवा चरण-। और ।। (नहीं की गई तैयारी/तैयारी की गई/स्वीकृत) हेतु निविदा और संविदा को प्रदान करना।	*	1. सभी नदी परियोजनाओं को आपस में जोड़ने से केवल दीर्घावधि परिणाम प्राप्त होंगे। निर्माण कार्यों को सभी सांविधिक स्वीकृतियों के बाद ही आरंभ किया जा सकेगा तथा इसमें 6 से 8 वर्षों का समय लगेगा। अतः किसी आईएलआर परियोजना के कार्यान्वयन के पश्चात ही परिणाम प्राप्त होंगे।	1.1.केन-बेतवा चरण-। एवं ।। परियोजना (पूरा होने पर)	म.प्र.: 653368 उ.प्र.: 251064 कुल: 904432
					1.2. केन-बेतवा चरण-। एवं ।। परियोजना (पूरा होने पर)	ख) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की 62.94 लाख जनसंख्या के लिए पेयजल आपूर्ति कुल : 228.9 एमसीएम
					1.3. केन-बेतवा चरण-। एवं ।। परियोजना (पूरा होने पर)	ग) विद्युत सृजन: 103 मेगावाट (जल) 27 मेगावाट (सौर) कुल विद्युत सृजन:130 मेगावाट
		1.2. संविदा के लिए इन्हें निविदा प्रदान करना क. दमनगंगा-			1.4.दमनगंगा-पिंजाल संपर्क (पूरा होने पर) पेयजल	क) मुंबई शहर के लिए (पिंजाल घटक को छोड़कर) 579 एमसीएम जल आपूर्ति। ख) विद्युत सृजन – 5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
		पिंजालजोड़ (नहीं किया गया / तैयारी की गई / स्वीकृत तथा ख. पार-तापी-नर्मदा जोड़ परियोजना (नहीं किया गया / तैयारी की गई / स्वीकृत)	*			मेगावाट
					पार-तापी-नर्मदा संपर्क परियोजना (पूरा होने पर) क) वार्षिक सिंचाई ख) पेयजल आपूर्ति ग) विद्युत सृजन	क) गुजरात के सूखा संभावित क्षेत्र में 2.32 लाख हेक्टेयर की वार्षिक सिंचाई ख) जनजातीय क्षेत्र सहित 76 एमसीएम की पेयजल आपूर्ति ग) विद्युत सृजन:21 मेगावाट
		1.3 गोदावरी-कावेरी संपर्क परियोजना के डीपीआर के पश्चात के कार्यकलाप 1.4. इनके लिए डीपीआर और डीपीआर निर्माण कार्यों की तैयारी: क. महानदी-गोदावरी संपर्क (नहीं की गई/ तैयारी की गई/ स्वीकृत) ख. मानस-संकोश-तीस्ता गंगा संपर्क (नहीं की गई/	* * *		1.5 गोदावरी-कावेरी (वैकल्पिक) संपर्क परियोजना पूरा होने पर लाभ: क) वार्षिक सिंचाई ख) नगरपालिका एवं औद्योगिक आवश्यकताएं 1.6. महानदी-गोदावरी संपर्क (पूरा होने पर) क) वार्षिक सिंचाई - ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 4.43 लाख हेक्टेयर ख) घरेलू जल आपूर्ति	क) वार्षिक सिंचाई:11.16 लाख हेक्टेयर ख) नगरपालिका एवं औद्योगिक आवश्यकताएं:1015 एमसीएम

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
		तैयारी की गई/ स्वीकृत)			– 366 एमसीएम ग) औद्योगिक जल आपूर्ति – 436 एमसीएम घ) दक्षिण में आगे अंतरण करने हेतु 6500 एमसीएम का गोदावरी में अंतरण ङ) विद्युत सृजन – 960 मेगावाट मानस-संकोश-तीस्ता-गंगा संपर्क (पूरा होने पर) सीसीए – असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में 6.54 लाख हेक्टेयर विद्युत सृजन – 805 मेगावाट	
		1.6. इनके लिए डीपीआर और डीपीआर निर्माण कार्यों की तैयारी कर ली गई है: क. गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क	*		1.5 गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा संपर्क (पूरा होने पर)	क) वार्षिक सिंचित क्षेत्र (हे.) पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा कुल (लाख हेक्टेयर) 7.60 0.55 0.33 8.4 ख) जल आपूर्ति: घरेलू-

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
		(नहीं की गई/ तैयारी की गई/ स्वीकृत) ख. सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क (नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) और ग. शारदा-यमुना संपर्क (नहीं की गई/ तैयारी की गई/ स्वीकृत)				औद्योगिक और खारे जल आवश्यकताओं के 1241 एमसीएम ग) शेष बचे जल को महानदी में अंतरित किया जाएगा:21031 एमसीएम तथा अतिरिक्त को दक्षिण में। सुवर्णरेखा-महानदी संपर्क (पूरा होने पर) वार्षिक सिंचित क्षेत्र (हेक्टेयर: पश्चिम बंगाल ओडिशा कुल (हे.) 18000 36500 54500 शारदा-यमुना संपर्क (पूरा होने पर) वार्षिक सिंचित क्षेत्र (हेक्टेयर) उत्तर प्रदेश उत्तराखंड कुल (लाख हेक्टेयर) 3.45 0.3 3.75
		1.7 वेनगंगा-नालगंगा संपर्क	*		1.6 6 वेनगंगा-नालगंगा संपर्क (पूरा होने	सीसीए: 16505 हेक्टेयर

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
		(नहीं की गई / तैयारी की गई / स्वीकृत) 1.8 दमनगंगा के लिए डीपीआर की तैयारी (एकदारे) - गोदावरी घाटी (नहीं की गई / तैयारी की गई/ स्वीकृत) 1.9 दमनगंगा के लिए डीपीआर की तैयारी वैतरणा-गोदावरी घाटी			पर) : क) सीसीए: 3.71लाख हेक्टेयर ख) पेयजल और औद्योगिक जल आपूर्ति :429 एमसीएम 1.7 दमनगंगा (एकदारे) -गोदावरी घाटी संपर्क परियोजना (पूरा होने पर) 1.8 दमनगंगा-वैतरणा-गोदावरीघाटी संपर्क परियोजना (पूरा होने पर)	घरेलू जल आपूर्ति: 22 एमसीएम औद्योगिक जल आपूर्ति: 21 एमसीएम सीसीए: 15484 हे. पेयजल और औद्योगिक जल आपूर्ति: 40 एमसीएम
	जल संसाधन विकास स्कीमों की जांच - केन्द्रीय जल आयोग					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
	1. जल विज्ञानीय, सिंचाई आयोजना में पर्यावरण आयामों, खेती की व्यवस्था, फसल के लिए जल की आवश्यकताओं के संबंध में विस्तृत सर्वेक्षणों और जांच तथा अध्ययनों के पश्चात परियोजनाओं की डीपीआर की तैयारी करना।	(क) सोनई सिंचाई परियोजना, असम के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए जांच कार्य (पूर्ण / निरंतर जांच)	पूर्ण	1. जल संसाधन परियोजनाओं के विकास और कार्यान्वयन हेतु परियोजना की बैंक योग्य विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी इस दिशा में पहला कदम होगा।	1.1 निर्भर करने योग्य विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) (हां/नहीं) की तैयारी	हां
		(ख) ट्वलंग एचई परियोजना (मिजोरम) के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए जांच कार्य (पूर्ण / जांच जारी)	पूर्ण	2. संकोश बेसिन खासतौर से संकोश जल विद्युत/बहुउद्देशीय परियोजना में डिजाइन को इष्टतम बनाने में भूकंपीय प्रेक्षण मददगार होंगे।	2.1 संकोश जल विद्युत बहुउद्देशीय परियोजना में परियोजनाओं के डिजाइन को इष्टतम बनाने के लिए भूकंपीय प्रेक्षणों का उपयोग किया गया।	हां
		(ग) तरमुचु परियोजना (सिक्किम) के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए	*			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक (एस)	लक्ष्य 2019-20
		जांच कार्य (पूर्ण / जांच जारी)				
		(घ) काली खोला एचई परियोजना (सिक्किम) के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए जांच कार्य (पूर्ण / जांच जारी)	*			
		(ड.) कालेज़ खोला एचई परियोजना (सिक्किम) के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए जांच कार्य (पूर्ण / सतत् जांच)	*			

	ब्रह्मपुत्र बोर्ड					
	1. जारी/ नई कटावरोधी, ड्रेनेज विकास कार्य पूर्ण।	1.1 नए निर्माण कार्यों की संख्या • उमंगी नदी के कटाव से बलाट गांव का संरक्षण • धोलाहाथीघुली में मौजूदा टाई-बंध का फुल-फ्लेज्ड	3	कार्य करने के लिए बाढ़ और कटाव से संरक्षण को बढ़ाना, ड्रेनेज जमाव को कम करना तथा कृषि भूमि की पुनर्बहाली और बेहतर अवसंरचना/ पर्यावरण।	1.1.1 बाढ़ और कटाव से लोगों तथा भूमि की सुरक्षा की जाएगी। 1.1.2 धोलाहाथीघुली क्षेत्र में संरक्षित किए गए 11 गांवों से प्राप्त	1.1.1 दक्षिण पश्चिम खासी पर्वत, मेघालय में बलाट गांव की 300 हे. भूमि और 3250 लोगों का संरक्षण करना। 1.1.2 असम के तिनसुकिया जिले के धोलाहाथीघुली क्षेत्र में 2400 हे. के क्षेत्र के 11 गांवों

		तटबंध में कन्वर्जन • असम में आरसीसी पारक्युपाइन स्क्रीनों को बिछाना, डैंपेनर्स तथा नीमतीघाट और मिकिरगांव क्षेत्र में स्परों का निर्माण। 1.2 पूर्ण जारी निर्माण कार्यों की संख्या	• 7 (मनकछार, कलैर-अलगा अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का संरक्षण। • पश्चिम बंगाल में मनसा नदी के दाएं किनारें पर भजनेर चर्रा, निशिगंज, भोगदेबरी क्षेत्र में ए/ई कार्य • पश्चिम बंगाल में मनसा नदी के दाएं किनारें परभोगदेबरी		लाभों को जारी रखना। 1.1.3 ब्रह्मपुत्र नदी के कटाव से नीमतीघाट और मिकिरगांव क्षेत्र को संरक्षित करना। 1.2.1 कलैर-अलगा, सीसूमाराबीओपी, भारत-बांग्ला सीमा (आईबीबी) संपर्क रोड और आईबी सीमा फेंसिंग पर बड़ी कृषि भूमि का संरक्षण करना। 1.2.2 संरक्षित हेक्टेयर भूमि और लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या 1.2.3. संरक्षित हेक्टेयर भूमि और लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	का संरक्षण जारी रखना। 1.1.3 हां 1.2.1 हां 1.2.2 बाढ़ और तटकटाव से पश्चिम बंगाल के कुचबिहार जिले में भजनेर चर्रा, निशिगंज भोगदेबरी क्षेत्र की 115 हेक्टेयर भूमि तथा 2500 व्यक्तियों की सुरक्षा 1.2.3 बाढ़ और तटकटाव से पश्चिम बंगाल के कुच बिहार जिले में भोगदेबरी क्षेत्र की 128 हेक्टेयर भूमि तथा

	2. बाढ़ नियंत्रण, तट कटाव और जल निकास मे सुधार के साथ-साथ सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित नदी बेसिन मास्टर योजनाओं को तैयार करना।.	2. तट कटावरोधी परियोजनाओं, बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं, जल निकासविंसकुलन	क्षेत्र में तट सुरक्षा कार्य • बाढ़ और तटकटाव से माजुली द्वीप की सुरक्षा के लिए निष्पादित कार्यों के अनुरक्षण को जारी रखना। 1.2.5 माजुली द्वीप के सुरक्षा कार्य को करने के लिए बोर्ड के अवसंरचना विकास हेतु 30% कार्य 1.2.6 स्लूईस का निर्माण बरभाग डीडीएस के स्लूईस के निर्माण का 30% कार्य 1.2.7 संशोधित डीपीआर की स्वीकृति और अमजूर डीडीएस के स्लूईस का 15% कार्यों को निर्माण 2.1.1 छह मास्टर योजनाओं- डारेंगे,		1.2.4 बाढ़ और तटकटाव से माजुली द्वीप का संरक्षण 1.2.5 माजुली में कार्यरत ब्रह्मपुत्र बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए और अवसंरचना सृजन 1.2.6 जल निकास विसंकुलन से 6250 हेक्टेयर भूमि की सुरक्षा 1.2.7 जल निकास विसंकुलन से 7200 हेक्टेयर भूमि की सुरक्षा 2.1.1 बाढ़ एवं तटकटाव संबंधी से भूमि की सुरक्षा के तहत 15 गांवों में कुल 6158 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है। बाढ़ और तटकटाव से भूमि संरक्षण के तहत कुल अनुमानित आर्थिक	2000 व्यक्तियों की सुरक्षा 1.2.4 हां 1.2.5 काम करने के माहौल में सुधार किया जाएगा 1.2.6 स्कीम के पूरा होने पर, असम के नलबाड़ी जिले में बोर भाग क्षेत्र में जल निकासी की समस्या कम हो जाएगी 1.2.7 स्कीम के पूरा होने पर, अमजुर क्षेत्र में जल निकासी की समस्या कम हो जाएगी 2.1.1 जल संसाधन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु

		परियोजनाओं और सिंचाई परियोजनाओं के लिए 1 मास्टर योजना विकसित।	उमसोहरिंगक्यू, गानोल, उमट्टू, उमगोट, वाईखिरवी 2.1.2 दो (डीडीएस) की डीपीआर 2.1.3 नेहारी के प्रचालन को जारी रखना 2.1.4 बोर्ड द्वारा सृजित परिसंपत्तियों की आर एवं एम को जारी रखना 2.1.5 ब्रह्मपुत्र नदी का गणितीय मॉडल अध्ययन पूरा करना।		लाभ 224.95 लाख रूपए है। परियोजनाओं से कुल 10085 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता सृजित होगी, जिसके लिए मास्टर योजना तैयार कर ली गई है। 2.1.2 असम के नगांव जिले में पोटा कलंग में 338 हेक्टेयर क्षेत्र का विसंकुलन। त्रिपुरा के धर्मनगर जिले में 200 हेक्टेयर क्षेत्र का विसंकुलन। 2.1.3 & 4 परिसंपत्तियों को जारी रखना और अनुरक्षण एनईआर में जल संसाधन प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण 2.1.5 गणितीय मॉडल अध्ययन का उपयोग चैनल रूटिंग, रेनफॉल अपवाह, जल पुनर्जीवन योजनाओं के	बुनियादी आंकड़ा आधार/प्राथमिक संदर्भ उपलब्ध होगा। 2.1.2 असम के नगांव जिले के 338 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा।त्रिपुरा के धर्मनगर जिले के 200 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा 2.1.3 & 4 पूर्वोत्तर क्षेत्र में जल संसाधन प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण 2.1.5 हां

					डिजाइन के लिए किया जाएगा ब्रह्मपुत्र बेसिन में चैनल रूटिंग, रेनफॉल अपवाह, जल पुनरुत्थान योजनाओं के लिए सुलभ संदर्भ।	

4. जल संसाधन सूचना प्रणाली (डीडब्ल्यूआरआईएस) का विकास – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम) :

वित्तय परिव्वय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100	1. जल संसाधन सूचना प्रणाली के तहत आवश्यक आंकड़ा बिन्दुओं के संग्रह के लिए अवसंरचना संवर्धन.	1.1 जलविज्ञानीय आंकड़ा संग्रह	1598 कार्य स्थलों पर जलविज्ञानीय आंकड़ा संग्रह.	1. जल संसाधन सूचना प्रणाली के कवरेज में वृद्धि	1.1. जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर निगरानी किए जा रहे अनुमानित जलाशयों की संख्या	जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर 120 प्रमुख जलाशयों की निगरानी की जाएगी।
		1.2. कार्यस्थलों की संख्या जहां जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली प्रचालन में है।	429 कार्य स्थलों पर जल गुणवत्ता निगरानी		1.2. समुद्र तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के तहत शामिल समुद्र तट	गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र के समुद्र तट पर आंकड़ा संग्रह करने के लिए 5 केन्द्रों को खोला जाना
		1.3. पता लगाए जाने वाले जल गुणवत्ता के पैरामीटरों की संख्या	403 स्तर-I प्रयोगशाला में : 6 जल गुणवत्ता पैरामीटरों का पता लगाया जाना। 18 स्तर-II प्रयोगशाला में: 25 जल गुणवत्ता पैरामीटरों का पता लगाया जाना। 5 स्तर-III प्रयोगशाला में: 41 जल गुणवत्ता पैरामीटरों का पता लगाया जाना।	2. नीति आयोजना और तैयारी में डब्ल्यूआरआईएस का बेहतर उपयोग।	2.1. तैयार रिपोर्टों को डाऊनलोड, आकलन और पाठ करने की संख्या	40000
		2.2 राज्यों की संख्या जिसके लिए समुद्र तटीय	6 राज्य-केरल, तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, गोवा, महाराष्ट्र और		2.2. ऑनलाईन डेटाबेस के सक्रिय प्रयोक्ताओं/ आगंतुकों की संख्या।	लगभग 3 लाख

वित्तय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		प्रबंधन सूचना प्रणाली प्रचालन में है।	गुजरात			
		2.3 जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर निगरानी किए जाने वाले अतिरिक्त जलाशयों की संख्या	जल भंडारण के लिए तत्काल समय आधार पर 66 अतिरिक्त जलाशयों की निगरानी किया जाना, कुल 120	3. बाढ़ के कारण जीवन और संपत्ती की हानि को कम करना।	3.1. लोगों और पशुधन को समय पर बाहर निकालने के लिए 275 पूर्वानुमान केन्द्रों के माध्यम से किए गए पूर्वानुमानों की संख्या	*
	4. बाढ़ पूर्वानुमान गतिविधि के तहत कवरेज क्षेत्र और लीड समय में वृद्धि	4.1 हाईड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर वर्षापात का उपयोग करते हुए बाढ़ पूर्वानुमान	सभी बाढ़ पूर्वानुमान कार्यस्थलों के लिए मॉडल तैयार कर लिए गए हैं। अत: सभी 275 बाढ़ पूर्वानुमान कार्य स्थलों पर हाईड्रोडायनामिक बाढ़ पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर बाढ़ पूर्वानुमान किए जाएंगे।			
		4.2 तत्काल समय आंकड़ा संग्रह प्रणाली संस्थापन	तत्काल समय आंकड़ा संग्रह प्रणाली सहित 458 में से 270 केन्द्रों को संस्थापित कर दिया गया है। मार्च, 2020 तक शेष 188 केन्द्रों को संस्थापित कर दिया जाएगा।			
		4.3 प्रायोगिक	यमुना बेसिन के मॉडल			

वित्तय परिव्वय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		आधार पर हाईड्रोडायनामिक मॉडलों का उपयोग करते हुए आप्लावन बाढ़ पूर्वानुमान	का विकास			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

5. भूजल प्रबंधन और विनियमन (जीडब्ल्यूएम और आर) – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
260.00	1. भूमि जल संसाधनों की सततता सुनिश्चित करने के लिए जलभृत मानचित्र और प्रबंधन योजनाएं तैयार करना।	1.1 कुल क्षेत्र (लाख वर्ग कि.मी) जिसके लिए जलभृत मानचित्र प्रबंधन योजना तैयार की गई है।	2.2 लाख कि.मी.	1. भूमि जल संसाधनों की सततता के लिए बेहतर आंकड़ा/सूचना और ज्ञान आधार।	1.1 भूमि जल संसाधनों की सततता और स्टेक होल्डरों के संवेदीकरण के लिए आंकड़ा/सूचना काक प्रसार और ज्ञान आधार के लिए कई आऊटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए।	61
	2. भूमि जल स्थल और गुणवत्ता की स्थिति	2.1 सीजीडब्ल्यूबी की मॉनिटरिंग नेटवर्क के माध्यम से भूमि जल स्तरों की निगरानी की संख्या	4 (वर्ष में 4 बार किया जाना)	2. राज्य विभागों के साथ देश में भूमि जल परिदृश्य की अद्यतन सूचना सहित भूमि जल निगरानी रिपोर्टों को साझा करना।	2.1 कई बार सूचना अद्यतन की जाती है और राज्य सरकारी विभागों के साथ साझा किए जाते है और इंडिया-डब्ल्यूआरआईएस पोर्टल के माध्यम से साझा किया जाता है।	4
		2.2 सीजीडब्ल्यूबी की मॉनिटरिंग नेटवर्क के माध्यम से भूमि जल गुणवत्ता की वार्षिक निगरानी	1 (वर्ष में 1 बार किया जाना)			

6. राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना (एनएचपी) – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
150.00	राष्ट्रीय जल सूचना केंद्र			1.जल संसाधन प्रबंधन के लिए उन्नत जल संसाधन सूचना	1.1 जल आंकड़ा ऑनलाईन के लिए केन्द्रों की संख्या	10,000 केन्द्र
	1.एकीकृत जल संसाधन सूचना प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	1.1 ऑनलाईन जल आंकड़ा	हां		1.2 नदी और जलाशय डेशबोर्ड के लिए राज्य स्तर पर उपलब्ध समय श्रृंखला और स्थानीक सूचना (हां/नहीं)	हां
		1.2 डैशबोर्ड का विकास	हां			
		1.3 जेनेरिक राज्य का विकास- डब्लयूआरआईएस	हां			
		1.4 जल लेखापरीक्षा फ्रेमवर्क का विकास	हां		1.3 भू-जल के लिए राज्य स्तर पर उपलब्ध समय श्रृंखला और स्थानिक सूचना (हां/नहीं)	हां
					1.4 वाष्पन-उत्सर्जन के लिए राज्य स्तर पर उपलब्ध समय श्रृंखला और स्थानिक सूचना (हां/नहीं) जल संसाधन पेशवरों हेतु क्षमता निर्माण	हां
			हां		1.5 मृदा नमी के लिए राज्य स्तर पर उपलब्ध समय श्रृंखला और स्थानीक सूचना (हां/नहीं)	हां
			हां		1.6 वर्षापात जल स्तर के लिए राज्य स्तर पर उपलब्ध समय श्रृंखला	हां

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					और स्थानिक सूचना (हां/नहीं)	
	2. केन्द्रीयकृत जल मौसम आंकड़ा आधार	2.1 संस्थापित जल मौसम प्रणाली की संख्या	500	2. प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	2.1 सुदृढ किए गए हाईमेट निगरानी प्रणालियों के साथ राज्यों की संख्या	4
		2.2 अभिकरणों की संख्या	5			
	3.संस्थान सुदृढ़ीकरण	3.1 आंकड़ा केन्द्र का निर्माण	2	3. जल संसाधन पेशवरों हेतु बेहतर क्षमता निर्माण	3.1 जल संसाधन पेशेवरों हेतु क्षमता निर्माण	150
		3.2 प्रशिक्षण की संख्या	15			
		3.3 कार्यशाला/ सम्मेलन और सेमिनार की संख्या	4			
	4. आप्लावन पूर्वानुमान की स्थपना	4.1 बेसिन में डीईएम का संग्रह	2	4. बाढ़ पूर्वानुमान के लिए बेहतर प्रतिक्रिया	4.1 टेस्ट आप्लावन परामर्श हेतु कवर किया गया क्षेत्र (वर्ग कि.मी.)	5000
		4.2 बेसिनों में आप्लावन परीक्षण पूर्वानुमान	1			

7. अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) तथा राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) का कार्यान्यवन – (केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीम) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50.00	1. अनुसंधान एवं विकास आधार में वृद्धि करना	1.1. अनुसंधान/तकनीकी रिपोर्टों का प्रकाशन	150	1. बेहतर स्वेदेशी विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग, बेहतर अधिकारी क्षमताएं तथा विस्तृत अनुसंधान आधारित उपयोग	1.1 क्षमता निर्माण सेशनों द्वारा क्षमता निर्माण किए गए प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या तथा अतिरिक्त सुविधाएं और सृजित	650 (प्रशिक्षित किए जाने हैं)
		1.2. अनुसंधान पेपर –	250			
		1.3 .प्रशिक्षण और कार्यशालाएं –	30		अनुसंधान अवसंरचना	
		1.4 . दूरसंवेदी तकनीकों द्वारा जलाशयों में गाद का अनुमान लगाना।	20		1.2 कृषि, जल उपयोग दक्षता, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, हाईड्रोलिक डिजाइन, जलवायु परिवर्तन प्रभाव अध्ययनों आदि हेतु बेहतर आयोजना और जल संसाधनों संरचनाओं जल बचत/संरक्षण तकनीकों के क्षेत्र में बेहतर तकनीकों हेतु सिफारिशों वाले तकनीकी रिपोर्ट और अनुसंधान पत्रों के लिए प्रशंसा पत्र जो कि जनता के पैसे और कीमती संसाधनों को बचाने में मदद करेगा।	*
		1.5 देश मे महत्वपूर्ण जलाशयों के हाईड्रोग्राफिक संवेक्षण द्वारा जलाशयों में गाद का आकलन	10			
		1.6 भारत में नदियों का भूआकृतिक अध्ययन	7			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

8. मानव संसाधन विकास / क्षमता निर्माण कार्यक्रम (एचआरडी एवं सीबी) – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
60.00 (*कुल एचआरडी-सीबी स्कीम*)	*9.क) नेरीवाल्म, तेज़पुर:*					
	1. क्षमता निर्माण जागरूकता गतिविधि और अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	55	1. जागरूकता वृद्धि,जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	1.1. भूमि जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	93
		1.2. आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	01			
		1.3. भूमि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययनों से तैयार रिपोर्टों की संख्या	*		1.2. प्रकाशनों की संख्या	06
		1.4. आयोजित सेमिनारों/ कार्यशालाओं/सम्मेलन/ विशेष दिवसों की संख्या	10		1.3. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	1950
		1.5. विज्ञापनों, आउटडोर प्रचार, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनों में भागीदारी को शामिल करते हुए मीडिया अभियान जैसी आयोजित आऊटरीच गतिविधियों की संख्या	05			
		1.6. जनजातीय क्षेत्रों/ बच्चों के लिए आयोजित विशेष	06		1.4. सतत जल प्रबंधन के लिए पद्धतियों/ बेहतर	600

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		अभियानों की संख्या			उपायों के संबंध में जागरूकता सृजन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से शामिल जनजातीय लोगों की संख्या	
	9.ख) राष्ट्रीय जल अकादमी (एनडब्ल्यूए) पुणे:					
	1. क्षमता निर्माण जागरूकता गतिविधि और अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	32	1. जागरूकता वृद्धि, जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	1.1. भूमि जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	750
		1.2. आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	02		1.2. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	50
		1.3. भूमि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययनों से तैयार रिपोर्टों की संख्या	70		1.3. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	800 (प्रशिक्षित किया जाना)
		1.4. प्रशिक्षण के मानव सप्ताह	1750		1.4 सतत जल प्रबंधन के लिए पद्धतियों/ बेहतर उपायों के संबंध में जागरूकता सृजन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से शामिल जनजातीय लोगों की संख्या	150
		1.5. विज्ञापनों, आउटडोर प्रचार, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनों में भागीदारी आदि को शामिल करते हुए मीडिया अभियान जैसी आयोजित आऊटरीच गतिविधियों की संख्या	*			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.6. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या	1			
	9.ग) राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल और प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनजीडब्लूयूटीआरआई) :					
	1. क्षमता निर्माण जागरूकता गतिविधि और अनुसंधान एवं विकास के लिए सहायता	1.1. आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	110	1. जागरूकता वृद्धि,जल संसाधन पेशेवरों के ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	1.1. भूमि जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	800
		1.2. आयोजित अंतर-राष्ट्रीय प्रशिक्षणों की संख्या	*		1.2 प्रकाशनों की संख्या	*
		1.3. भूमि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययनों से तैयार रिपोर्टों की संख्या	02		1.3. सतत जल प्रबंधन में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	02
		1.4. आयोजित सेमिनारों/ कार्यशालाओं/सम्मेलन/ विशेष दिवसों की संख्या	*		1.4. सतत जल प्रबंधन के लिए पद्धतियों/ बेहतर उपायों के संबंध में जागरूकता सृजन संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से शामिल जनजातीय लोगों की संख्या	*
		1.5. विज्ञापनों, आउटडोर प्रचार, इलेक्ट्रोनिक मीडिया अभियान, प्रदर्शनों में भागीदारी आदि को शामिल करते हुए मीडिया अभियान जैसी आयोजित आऊटरीच गतिविधियों की संख्या	*			
		1.6. जनजातीय क्षेत्रों/बच्चों के	*			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		लिए आयोजित विशेष अभियानों की संख्या				
	9.घ) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के प्रशिक्षण:					
	1. जल संसाधन आयोजना विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में जल संसाधन पेशेवरों के साथ-साथ गैर-तकनीकी कर्मचारियों की जागरूकता वृद्धि, ज्ञान और कौशल का अपग्रेडेशन जिससे भारत में जल संसाधन के सतत विकास और संरक्षण में योगदान दे सके।	1.1 ऐसे अधिकारी/ कर्मचारियों के लिए विषय परिचायन प्रशिक्षण आयोजित करना जिनकी नई तैनाती हुई है। (ii) कार्यस्थल पर इनहाऊस/कार्य करने के दौरान प्रशिक्षणों का आयोजन करना (iii) विषय विशिष्ट प्रशिक्षणों के लिए अधिकारियों/ कर्मचारियों को तैनात करना (iv) आईएसटीएम और अन्य संवर्ग संस्थानों में सीएसएस, सीएसएसएस केन्द्रीय स्टाफिंग स्कीम के विभिन्न स्तर के अधिकारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम (v) एनआईएच, रूड़की, एनडब्लयूए, पुणे और नेरवाल्म, तेज़पुर में उन्नत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम, ई-ऑफिस, ई-गवर्नेंस जल क्षेत्र संबंधी प्रशिक्षण	विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 से अधिक अधिकारियों/ कर्मचारियों को भेजा जाएगा।	1. जल संसाधन आयोजना विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में जल संसाधन पेशेवरों के साथ-साथ गैर-तकनीकी कर्मचारियों की जागरूकता वृद्धि, ज्ञान और कौशल का अपग्रेडेशन जिससे भारत में जल संसाधन के सतत विकास और संरक्षण में योगदान दे सके।	1.1 इस क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	200 से अधिक अधिकारी/ कर्मचारी
	9.ङ) आईईसी:					
	1. "पेन इंडिया आधार के संबंध	1.1 कार्यशाला/सेमिनार आदि	22	1. जागरूकता वृद्धि,जल संसाधन पेशेवरों के	1.1 ऐसे लोगों की संख्या जिन लोगों तक ऐसे कार्यक्रम	*
		1.2 विज्ञापन	6			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	में जल संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर व्यापक जनजागरूकता "	(प्रिंट मीडिया)		ज्ञान/कौशलों का अपग्रेडेशन	के लाभ पहुंचे हैं।	
		1.3 सेमिनारों/ सम्मेलनों/ विशेष दिवसों का आयोजन	4			
		1.4 इलेक्ट्रोनिक मीडिया (रेडियों+टीवी) के माध्यम से प्रचार	8			
		1.5 रेडियों जिंगल्स/वीडियों स्पॉट/टीवीसी आदि का निर्माण	4			
		1.6 प्रदर्शन/मेला और प्रतियोगिताओं में भागीदारी	7			
		1.7 बच्चों के लिए आयोजन/ कार्यक्रम	1			
		1.8 आउटडोर प्रचार	1			
		1.9 जनजातीय क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता	12			
		1.10 अन्य आईईसी कार्यकलाप	*			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

9. अवसंरचना विकास (आईडी) – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50.00	1. एसएफसी में यथा अनुमोदित चार अन्य स्थानों पर सीडब्ल्यूसी के भवनों और सेवाओं के निर्माण और नवीकरण को जारी रखना	1.1. निर्मित/नवीनीकृत सीडब्लयूसी के भवनों और सेवाओं की संख्या	4	1. कार्यों को पूरा करने के संबंध में बेहतर काम करने का माहौल। कार्यों को पूरा करने के संबंध में मासिक की बचत।	1.1 मासिक किराए (रूपए) पर बचत के आधार पर	*
	2. एसएफसी में यथा अनुमोदित विभिन्न स्थानों पर सीजीडब्ल्यूबी के भवनों और सेवाओं के निर्माण और नवीकरण को जारी रखना	2.1. निर्मित सीजीडब्ल्यूबी के भवनों और सेवाओं की संख्या	7			*
	3. मंत्रालय में लगभग 15 कमरों का नवीकरण	3.1. मंत्रालय में नवीनीकृत कमरों/ शौचालयों की संख्या	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. मंत्रालय के तहत तीन संगठनों में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन	4.1 ऐसे संगठनों की संख्या जहां ई-ऑफिस कार्यान्वित किया गया है (90% से अधिक फाइलों का प्रक्रियान्वयन)।	60 %	2. ई-ऑफिस के कार्यान्वयन पर फाईलों का तेजी से निपटान	2.1 इन संगठनों में कार्यरत % अधिकारी ई-ऑफिस एप्लीकेशन का उपयोग करेंगे। (संख्या में)	*
					2.2 तीन संगठनों में ई-फाइलों के रूप में 90% फाइलों से अधिक का प्रक्रियान्वयन (हां/नहीं)	
	5. मंत्रालय के तहत छह संगठनों में ई-एचआरएमएस का कार्यान्वयन	5.1. ऐसे संगठनों की संख्या जहां ई-एचआरएमएस कार्यान्वित हैं।	3	3. मानव संसाधन की बेहतर निगरानी।	3.1. ऑनलाईन एपीएआर, ऑनलाईन अवकाश प्रबंधन प्रणाली डीजीटीकृत सेवा पुस्तिकाओं आदि के लिए ई-एचआरएमएस के तहत नामांकित कम से कम चार (छ में से) संगठनों में कार्यरत कर्मचारियों का %	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

10. **पोलावरम बहुउद्देशीय परियोजना – (केन्द्र क्षेत्र स्कीम) :**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
नाबार्ड निधियन (ईबीआर) के माध्यम से	1. परियोजना में निर्माण कार्यों को जारी रखना	1.1. जारी निधियों से जुड़ी परियोजनाओं के अर्थ कार्यों, कंकरिट और संरचना संबंधी वास्तविक प्रगति का %	अर्थ कार्य – 395.17 एल. क्यू. 10.72 % लाईनिंग – 7.03 एल.क्यू. 20.76 % संरचनाएं – 26.85 एल.क्यू. 39.13% एल.ए.- 56529 एकड़. 33.92% आरएवंआर – 80000 पीडीएफ. 75.76% भवन – 0.02% विविध- 1.81%	1. परियोजना के आवाह क्षेत्र में सिंचाई क्षमता और पेयजल आपूर्ति का सृजन	1.1. इस परियोजना के कारण सृजित कुल सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर)	*
					1.2. इस परियोजना के तहत सृजित अवसंरचना के माध्यम से उपयोग की गई कुल सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर)	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.2. जारी निधियों से संबंधित पूर्ण नहर कार्यों की कुल लम्बाई (कि.मी.)	80 कि.मी.		1.3 आपूर्तिकृत पेयजल की मात्रा	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है। सिंचाई और पेयजल आपूर्ति के लिए जलापूर्ति संबंधी अपेक्षित अवसंरचना आवश्यकता को वर्तमान वित्तीय वर्ष के भीतर पूरा किए जाने की संभावना नहीं है।*

11. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) –सिंचाई गणना- (केंद्र प्रायोजित स्कीम) :

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50.00	1. छठी लघु सिंचाई गणना में जल निकायों की गणना करना	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा छठी लघु सिंचाई गणना और पहली जल निकाय गणना के क्षेत्र कार्य करना। 1.1 ज्यादातर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा निर्धारित समय सीमा में छठी सिंचाई गणना और पहली जल निकाय	हां	1 लघु सिंचाई क्षेत्र में सूचित आयोजना एवं नीति निर्माण	1.1. डाउनलोड की गई गणना रिपोर्टों की संख्या- छठी लघु सिंचाई गणना एवं जल निकाय गणना	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		गणना का क्षेत्र कार्य पूरा करना (हां/नहीं)				
		1.2 गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दौरों/निरीक्षण के माध्यम से, विनिर्दिष्ट दिशा-निर्देशों/मानकों के अनुसार गणना के क्षेत्र कार्य की प्रगति की निगरानी/जांच (हां/नहीं)	हां			
		1.3 छठी लघु सिंचाई गणना और पहली जल निकाय गणना के लिए आकड़ा प्रविष्टि/ वैधीकरण हेतु मोबाइल एप और सॉफ्टवेयर का सुचारू उपयोग सुनिश्चित करना। यदि कोई खामी हो तो उसे तुरंत दूर	हां			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		करना। (हां/नहीं) 1.4 छठी लघु सिंचाई गणना और पहली जल निकाय गणना के लिए आकड़ा प्रविष्टि/ वैधीकरण जिन राज्यों नें नियोजित समय सीमा में क्षेत्र कार्य प्रारंभ किए उनके द्वारा आकड़ा प्रविष्टि, वैधीकरण और अद्यतनीकरण पूरा करना।	हां			
					1.5 संस्थानों/ संगठनों (निजी एवं सार्वजनिक) से आकड़ों संबंधी प्राप्त पत्रों की संख्या-) छठी लघु सिंचाई गणना और जल निकाय गणना	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					1.6 तैयार गणना रिपोर्टों के पाठ/ संदर्भों की सं-) छठी लघु सिंचाई गणना और जल निकाय गणना।	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

12. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) – महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष पैकेज- (केंद्र प्रायोजित स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
300.00	1. प्रमुख एवं मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं का तीव्र कार्यान्वयन	1.1 पूरी की गई प्रमुख एवं मध्यम सिंचाई (एमएमआई) परियोजनाओं की संख्या	1	1. विशेष पैकेज के तहत परियोजनाओं के कमान क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन तथा उपयोग	1.1 सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्ट.)	1.59 लाख हेक्ट.
					प्रयुक्त अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्ट.)	*
		1.2 पूरी हुई सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की संख्या	*	2. परिणाम स्वरूप फसलों की पैदावार एवं किसानों की आय में वृद्धि; भूमिजल पुनर्भरण और अन्य उपयोगों के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि।	1.2 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से बढ़ी हुई सिंचाई से फसल पैदावार बढ़ना।	*
					1.3 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के परिणाम स्वरूप भूमिजल स्तर में वृद्धि	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

1. श्रम एवं रोजगार सांख्यिकीय पद्धति (एलईएसएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
22	1. सर्वेक्षण आंकड़ों का समय से एकत्र एवं जारी करना	1.1 2019-20 में स्वीकृत सर्वेक्षणों/ सूचकांकों/ रिपोर्टों की संख्या	3 सर्वेक्षण/ 36 सूचकांक /5 रिपोर्टें[2]	1. जनता को रोजगार, बेरोजगारी, वेतन, आय तथा उत्पादकता से संबंधित अद्यतन आंकड़े उपलब्ध कराना।	1.1 वेबसाइट पर विशिष्ट आगंतुकों की संख्या	18 लाख
		1.2 पूर्ण सर्वेक्षणों/ सूचकांकों/ रिपोर्टों की संख्या	3 सर्वेक्षण*/ 36 सूचकांक/ 5 रिपोर्टें# का पूरा होना		1.2 रिपोर्टों के लिए रोजगार डेटा प्राप्त करने के लिए अनुरोधों की संख्या	30
		1.3 समय पर पूर्ण सर्वेक्षणों/सूचकांकों/रिपोर्टों की संख्या	3 सर्वेक्षण*/ 36 सूचकांक / 5 रिपोर्टें# का समय पर पूरा होना		1.3 इकाई स्तर के लिए प्राप्त रोजगार आंकड़े प्राप्त करने के लिए अनुरोधों की संख्या	25[3]
	2. क्षमता निर्माण	2.1 कुल अधिकारियों में से सर्वेक्षणों के प्रशासन हेतु आईटीटूल्स के प्रयोग के लिए	450 व्यक्ति	2. कार्यालय कार्य में आईटी टूल्स के प्रयोग को बढ़ावा देना.	2.1 आईटी टूल्स का प्रयोग करके किए गए सर्वेक्षणों की संख्या	सीपीआई-आईडब्ल्यू

[2] ***3 सर्वेक्षण*** *= एसईएसडीएसएल +सीएल +एएफएस.* ***36 सूचकांक*** *= 12 सीपीआई-आईडब्ल्यू सूचकांक + 12 सीपीआई-एएल/आरएल सूचकांक + 12 खुदरामूल्य सूचकांक.* ***5 रिपोर्टें****= एसईएसडीएसएल +सीएल +एएफएस+ वार्षिक रिपोर्ट सीपीआई-आईडब्ल्यू (2019) + वार्षिक रिपोर्ट सीपीआई-एएल/आरएल (2018-19).*

** सर्वेक्षण के पूरा होने के लिए कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं। सामान्यत: वर्ष अंत तक पूर्ण।*

 # रिपोर्ट का पूरा होना सर्वेक्षण के पूरे होने पर निर्भर है।

[3] *ईयूएस एवं पीएमएमवाई के इकाई स्तरीय आंकड़े।*

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
		प्रशिक्षित श्रम ब्यूरों के अधिकारियों की संख्या				(आधार अद्यतन) के लिए ऑनलाइन मूल्य संग्रहण में आईटीटूल्स का प्रयोग
		2.2 श्रम ब्यूरो द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (प्रोबेशनर्स सहित)	800 व्यक्ति[4]			
	3. ज्ञान सृजन	3.1 जारी प्रकाशनों की संख्या	27 प्रकाशन[5]			
		3.2 प्रकाशनों को डाउनलोड करने की संख्या	48,000			

2. श्रम कानूनों के बेहतर समाधान, निवारक मध्यस्थता, प्रभावी प्रवर्तन हेतु तंत्र, मुख्य श्रमायुक्त (कें.)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
23.6	1. श्रम कानूनों के बेहतर समाधान, निवारक मध्यस्थता, प्रभावी प्रवर्तन को सुनिश्चित करना	1.1 कुल प्राप्त विवादों में से निपटाए गए औद्योगिक विवादों की संख्या	8478	1. श्रम कानूनों के बेहतर समाधान, निवारक मध्यस्थता,	1.1 कुल निरीक्षित संस्थानों में से ऐसे संस्थानों की संख्या जहां अनुपालन नहीं किया जाता	लगभग 35522
		1.2 श्रम कानूनों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु किए गए	35522		1.2 12 माह से	लगभग 18.30

[4] ***800 व्यक्ति*** *= 100 (सीपीआई-आईडब्ल्यू वर्तमान श्रृंखला + आईएलएस/प्रशिक्षण) + 120 (सीपीआई-आईडब्लयू 2016=100 का आधार अद्धयतन) + 500 (एएफएस) + 80 (एएल/आरएल का आधार अद्धयतन)*

[5] ***32*** *प्रकाशन = ग्रामीण भारत में वेतन दरें (2018-19) + एएसआई (2016-17) + एलएस ((एमडब्लयू (2018) + 10 श्रम अधिनियम (2017)) + श्रम सांख्यिकी की पॉकेटबुक 2018 + भारतीय श्रमवर्षबुक 2018 + आईएलजे (12 मासिक प्रकाशन)।श्रम ब्यूरों की अधिकतर रिपोर्टें/प्रकाशन वार्षिक आधार पर मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त होने पर जारी की जाती हैं और इसलिए उनको जारी करने का लक्ष्य वित्तीय वर्ष के अंत में अर्थात् मार्च, 2020 है।*

		संस्थानों के निरीक्षणों की संख्या		प्रभावी प्रवर्तन	पुराने लंबित दावा मामलों का वर्ष के अंत में कुल लंबित दावा मामलों का प्रतिशत	
		1.3 कुल दावा मामलों में से निपटाए गए दावा मामलों कीं संख्या	6059			
		1.4 कुल प्रशिक्षित कार्मिकों में से प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	139			

3. कारखानों, पत्तनों और गोदियों (सीएस) में डीजीफासली संगठन और ओएसएच का सशक्तिकरण और विकास

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक (कों)**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक (कों)**	**लक्ष्य 2019-20**
18.5	**संघटक I** **कारखानों, पत्तनों और गोदियों में डीजीफासली और ओएसएच का सशक्तिकरण**					
	1. सीएलआई मुंबई में एकीकृत ज्ञान केन्द्र (आईकेसी) का निर्माण आरंभ करना	1.1. सीएलआई मुंबई में एकीकृत ज्ञान केन्द्र (आईकेसी) का निर्माण	सीएलआई, मुंबई में आईकेसी के निर्माण के लिए अनुबंध देने के चरण तक समापन।	1. प्रमुख हितधारकों की सामान्य जानकारी को बढ़ाने के लिए उपयुक्त प्रदेय वस्तुओं का विकास करना, कामगारों की ऐसी श्रेणी को नियुक्त करने वाले इन क्षेत्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य स्तर बढ़ाने के लिए।	1.2. ओएसएच पर जागरूकता पैदा करने के लिए संचालित कार्यक्रमों की संख्या	4
	2. ओएसएचके क्षेत्र में डीजीयूवी जर्मनी और अन्य देशों के साथ तकनीकी सहयोग	2.1. दर्शन शून्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया	1	2. कारखानों, पत्तन और गोदियों में कार्यरत कामगारों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करना	2.1 कारखानों, पत्तन और गोदियों में कामगारों की दुर्घटनाओं की संख्या	*
					2.2. कामगारों की घातक दुर्घटनाओं की संख्या	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
	3. ओएसएच पर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार/ कार्यशालाएं आयोजित करना	2.2. आयोजित किए गए सेमिनार / कार्यशालाएं	4	3. विभिन्न उद्योग खंडों से ओएसएच संबंधी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठ पद्धतियों का साझाकरण	3.1. भागीदारी करने वाले संगठनों की संख्या (अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू)	4
	4. प्रमाणन प्रणाली के अधीन सुरक्षा लेखा-परीक्षकों का प्रशिक्षण	3.1. प्रशिक्षित सुरक्षा लेखा-परीक्षक	100			
	5. पत्तनों में निरीक्षण	4.1. निरीक्षण किए गए पोतों/भण्डारघरों/घाटों/बर्थों/अधिष्ठापनों/साज-सामग्रियों की संख्या	1600	4. पत्तनों में ओएसएच में सुधार	4.1 जारी किए गए सुधार के नोटिसों/चेतावनियों की संख्या/अभियोजन की संख्या	28
	संघटक II **क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में विकास**					
	1. प्रयोगशालाओं की स्थापना	1.1. स्थापित की गई प्रयोगशालाओं की संख्या	2	1. एमएसएमई और रासायनिक प्रक्रिया उद्योग की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियों के क्षेत्र में क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद का विकास करना।	1.1. एमएसएमई क्षेत्र में ऐसी इकाइयों की संख्या जिन्हें सेवा प्रदान की गई	20
	2. अधिकारियों की क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण	2.1. ओएसएच के क्षेत्र में विशेष कौशल वाले प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	4		1.2. प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	4
	3. अध्ययन/सर्वेक्षण/लेखा-परीक्षाएं	3.1. किए गए सर्वेक्षणों की संख्या	8		1.3. प्रशिक्षित मालिक/ प्रबंधकों की संख्या	40
		3.2 शामिल उद्योगों की संख्या	24		1.4. एमएसएमई इकाइयों में दुर्घटनाओं	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
					की संख्या	
	4. अल्पावधि एवं दीर्घावधि कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित लोगों की संख्या	4.1 अल्पावधि एवं दीर्घावधि कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित लोगों की संख्या	200	2. प्रशिक्षित पर्यवेक्षक, प्रबंधक और कामगार	2.1 ओएसएच के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित 200 कामगार/ पर्यवेक्षक/ प्रबंधक	200
	5. एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (PDIS) के अंतर्गत प्रशिक्षण	5.1. एक वर्षीय डिप्लोमा लेने वाले लोगों की संख्या	60	3. प्रशिक्षित सुरक्षा अधिकारियों की संख्या	3.1 प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों की संख्या	45
	6. एमएसएमई प्रबंधकों और मालिकों के लिए प्रशिक्षण	6.1. प्रशिक्षित प्रबंधकों और मालिकों की संख्या	24			
	7. संयंत्र के भीतर प्रशिक्षण	7.1. संयंत्र के भीतर कराए गए प्रशिक्षणों की संख्या	4			
	8. आयोजित किए गए राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं	8.1 आयोजित किए गए राष्ट्रीय सेमिनारों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं की संख्या	4			
		8.2. सेमिनार/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं में भाग लेने वाले लोगों की संख्या	200			
	9. ओएसएच पर फिल्म	9.1. ओएसएच पर फिल्म का विमोचन	2	4. ओएसएच का प्रचार	4.1. ओएसएच पर बनी फिल्म को देखने वाले लोगों की संख्या	300 लोग
	10. एएफआईएच पाठ्यक्रम	10.1. एएफआईएच पाठ्यक्रम पूरा करने वाले लोगों की संख्या	60	5. प्रशिक्षित डॉक्टरों की उपलब्धता	5.1. प्रशिक्षित डॉक्टरों की संख्या	60

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
	11. जोखिमपूर्ण प्रक्रिया उद्योगों में कार्यरत पर्यवेक्षी कार्मिकों के लिए पांच सप्ताह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	11.1. पांच सप्ताह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम करने वाले लोगों की संख्या	80	6. जोखिमपूर्ण प्रक्रिया उद्योगों के लिए प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों की उपलब्धता	6.1. जोखिमपूर्ण प्रक्रिया उद्योगों के लिए प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों की संख्या	80
	संघटक III **पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए शिलोंग में क्षेत्रीय श्रम संस्थान की स्थापना**					
	1. आरएलआई, शिलांग के भवन का निर्माण आरंभ	1.1. कें.लो.नि.वि. द्वारा भवन के निर्माण की शुरुआत (हां/नहीं)	हां	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्यरत कामगारों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुनिश्चित करना	1.1. पूर्वोत्तर क्षेत्रों में एमएसएमई इकाईयों में दुर्घटनाओं की संख्या	*
				2. पूर्वोत्तर क्षेत्रों में एमएमएमई इकाईयों में घातक दुर्घटनाओं की संख्या	2.1 पूर्वोत्तर क्षेत्रों में एमएमएमई इकाईयों में घातक दुर्घटनाओं की संख्या	*
				3. प्रशिक्षित पर्यवेक्षक, प्रबंधक और कामगार	3.1 200 कामगारों/ पर्यवेक्षकों / प्रबंधकों को ओएसएच के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा।	200

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

** आरएलआई, शिलांग के निर्माण के लिए अनुबंध देने का चरण पूरा होने तक।*

4. **वर्ष 2019-2020 के लिए डीजीएमएस की (एसएसआईडी) प्रणाली एवं अवसंरचना का सशक्तिकरण (एसएसआईडी) (पूर्व में खान दुर्घटना विश्लेषण और सूचना डेटाबेस का आधुनिकीकरण तथा खान सुरक्षा महानिदेशालय की अवसंरचनात्मक सुविधाओं और मूल कार्यों का सशक्तिकरण)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
13	1. खान सुरक्षा के संबंध में ज्ञान सृजन	1.1 दुर्घटना विश्लेषण के संबंध में तैयार की गई रिपोर्ट की संख्या	80	1. खानों में कार्यरत व्यक्तियों के लिए जोखिम और खतरा मुक्त कार्य स्थिति और कल्याण प्राप्त करना	1.1 खान सूचना डेटा बेस का परिचालन करना (हां/नहीं)	हां
		1.2 सतर्कता संकेत (अलर्ट) और परिपत्र की संख्या (सभी घातक दुर्घटना विश्लेषण, आदि के आधार पर) जारी किए गए	25		1.2 घातक दुर्घटनाओं की संख्या	*
		1.3 कम्प्यूटरीकरण और ई-गवर्नेंस सहित आधुनिक खदान दुर्घटनाओं और खदान सूचना डेटा बेस और उसके लिए अवसंरचना विकसित करना	एक सॉफ्टवेयर मॉड्यूल का विकास करना		1.3 गंभीर दुर्घटनाओं की संख्या	*
		1.4 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों संगठन को उजागर करके निरीक्षण /सुरक्षा लेखा-परीक्षा, दुर्घटना जांच आदि पर डीजीएमएस अधिकारियों का प्रशिक्षण।	20 अधिकारी		1.4 खान में दुर्घटनाओं की कुल संख्या	*
		1.5 प्रकशित रिपोर्टों की संख्या	3		1.5 निरीक्षण किए गए खानों की संख्या (संख्या)	7460
		1.6 महानिदेशक के तकनीकी अनुदेशों और परिपत्रों की संख्या और तकनीकी और अन्य मामलों पर नए अनुदेशों और परिपत्रों के मुद्दों की समीक्षा की गई।	10		1.6 खान अधिनियम 1952 के गंभीर गैर-अनुपालन के लिए जारी किए गए नोटिस और आदेश की संख्या	*
		1.7 श्रम सुविधा पोर्टल के विभिन्न विकास पर कार्यशालाओं और से मिनारों की संख्या, विकसित सॉफ्टवेयर मॉड्यूल का उपयोग, दुर्घटना की जांच, वार्षिक रिटर्न, जीईएम के माध्यम से प्रपण आदि।	6		1.7 सर्वेक्षणों किए गए कुल कामगारों की संख्या में से सिलिकोसिस (एनआईएमएच सर्वेक्षण) से ग्रसित कामगारों का प्रतिशत	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.8. राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार (खान) का आयोजन (हां /नहीं)	हां		1.8 खदान में कार्यरत प्रति एक हजार व्यक्ति पर दुर्घटना की दर (गंभीरऔर घातक दुर्घटना दोनों के लिए)	0.22 (कोयला) .32 (गैर-कोयला) से कम
		1.9. सुरक्षा प्रबंधन योजना की तैयारी की सुविधा पर आयोजित प्रशिक्षण की संख्या	24		1.9 दशकीय औसत की तुलना में गंभीर दुर्घटना की संख्या में बदलाव का प्रतिशत	दशकीय औसत की तुलना में< 3%का बदलाव
		1.10. राज्य सरकारों की सहायता से छोटी खानों में सुरक्षा जागरूकता पर आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	24		1.10 घातक दुर्घटनाओं और मृत्यु की संख्या में दशकीय औसत की तुलना में % परिवर्तन	दशकीय औसत में< 3% परिवर्तन
		1.11. डीजीएमएस अधिकारियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, से मीनारों, सम्मेलनों आदि में भेजकर प्रशिक्षण/ सेमीनारों आदि के माध्यम से ओएचएस एवं तकनीकी विषयों पर प्रशिक्षण	40 अधिकारी			
		1.12 खानों की संख्या और परित्यक्त खान योजनाओं का किया गया डिजीटाइजेशन	500			
		1.13 उपयुक्त मानकों, प्रोटोकॉल्स तथा जारी किए गए दिशानिर्देशों को प्रदान करके खान औद्योगों का समर्थन करने के लिए खनन के प्रमुख समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में विभिन्न विषयों पर 24 खानों में वैज्ञानिक अध्ययनों की संख्या	24			
		1.14 खानों में व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य पर जारी किए गए परिपत्र/ दिशानिर्देश/ मानक/ प्रोटोकॉल्स	8			
		1.15 दिशानिर्देशों/ मानकों/ प्रोटोकॉल्स, नई प्रौद्योगिकी, व्यावसायिक सुरक्षा एवं	2			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		स्वास्थ्य मामलों के विकास पर और अन्य विषयों पर आयोजित कार्यशालाओं और सेमीनारों की संख्या				
		1.16 कम्प्यूटर आधारित सांविधिक परीक्षाओं की संख्या	4			
		1.17 एमएसएचए द्वारा प्रशिक्षित मध्यस्तर के प्रबंधन अधिकारियों, कामगार निरीक्षकों, कामगारों तथा अन्य की संख्या	100			
		1.18 कुल खानों में से श्रम कानूनों के कार्यान्वयन के लिए निरीक्षित खानों की संख्या	मापन के साधन का विकास किया जाना; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी। निरंतर प्रक्रिया।			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

5. श्रम कल्याण स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
164	1.बीड़ी/एलएसडीएम/अभ्रक/आईओएमसी/सिने कामगारों और उनके आश्रित जनों के लिए शिक्षा, आवास, और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कल्याणकारी गतिविधियाँ आयोजित करना।	1.1 शिक्षा: बीड़ी/सिने और खान कामगार कल्याण निधियों के लिए छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत उपलब्ध छात्रवृत्तियों की संख्या	4 लाख[6]	1.बीड़ी/एलएसडीएम/अभ्रक/आईओएमसी/सिने कामगारों और उनके आश्रित जनों के लिए शिक्षा, आवास, और स्वास्थ्य में लाभ प्रदान करना।	1.1 शिक्षा: बीड़ी/सिने और खान कामगार कल्याण निधियों के लिए छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत उपलब्ध छात्रवृत्तियों की संख्या	*
		1.2 आवास: आवास सहायता उपलब्ध कराने के लिए पात्र लाभार्थियों (बीड़ी/एलएसडीएम/अभ्रक /आईओएमसी/ सिने कामगार) को दूसरी और तीसरी किस्त की निर्मुक्ति	51000 कामगार		1.2 आवास: कुल कामगारों में से पात्र लाभार्थियों के लिए संस्वीकृत आवासों की संख्या	कामगारों और उनके परिवारों की रहन-सहन की दशाओं में सुधार

[6] *प्राप्त आवेदनों पर निर्भर करता है, लक्ष्य अनंतिम हैं।*

**इस संकेतक के लिए लक्ष्य मांग आधारित हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.3 स्वास्थ्य: कुल कामगारों में से स्वास्थ्य संघटक के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या।	16 लाख कामगार और उनके परिवार[7]		1.3 स्वास्थ्य: कुल कामगारों में से स्वास्थ्य संघटक के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या।	बीड़ी/एलएसडीएम और आईओएमसी कामगारों और उनके परिवारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं।

[7] *प्राप्त आवेदनों पर निर्भर करता है, लक्ष्य अनंतिम हैं।*

6. असंगठित मजदूरों के लिए राष्ट्रीय मंच तैयार करना और आधार-संबद्ध पहचान संख्या (सीएस) का आबंटन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
1.00	1. असंगठित कामगारों को एक पहचान पत्र प्रदान करना	1.1 आईटी प्लेटफॉर्म का संचालन (हाँ/नहीं)	हाँ	1. विशिष्ट आधार-संबद्ध पहचान-पत्र वाले असंगठित कामगारों के एक राष्ट्रव्यापी डेटाबेस का संचालन	1.1 विशिष्ट, आधार संबद्ध पहचान-पत्र वाले असंगठित कामगारों के एक राष्ट्रव्यापी डेटाबेस का संचालन (हां/नहीं)	हाँ
		1.2 विशिष्ट, आधार संबद्ध पहचान-पत्र वाले असंगठित कामगारों की संख्या	2 करोड़*			

** यूडब्ल्यूआईएन परियोजना को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से विकसित किया जा रहा है, जिसमे एनआईसी श्रम और रोजगार मंत्रालय को संपूर्ण समाधान प्रदान करेगा।*

7. असम में बागान कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
19.90	1. मृतक सदस्यों के परिवार को दिया गया पारिवारिक पेंशन योजना का प्रावधान	1.1 कुल लाभार्थियों की संख्या	90000	1. परिवार पेंशन दावों का समय पर संवितरण	1.1 कुल संवितरण के समय पर वितरण का %	100%

	1.1 सेवा में रहते हुए मरने वाले मृत सदस्यों के परिवार को जमा बद्ध बीमा योजना का प्रावधान	2.1 कुल लाभार्थियों की संख्या	1860	2. जमा बद्ध बीमा दावों का समय पर संवितरण	2.1 कुल संवितरण का समय पर वितरण का %	100%

8. राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना जिसमें स्वैच्छिक एजेंसियों को सहायता अनुदान और बंधुआ श्रम को सहायता की प्रतिपूर्ति सहित

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक (कों)**	**लक्ष्य 2019-20**
100.00	1. बाल श्रम से बचाए गए बच्चों को राहत और पुनर्वास प्रदान करना	1.1. बाल श्रम से हटाए गए और विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में दाखिला लेने वाले 9-14 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या ।	विशेष प्रशिक्षण में 50000 कामकाजी बच्चों के नए नामांकन प्राप्त करना ।	1. सभी प्रकार के बाल श्रम का उन्मूलन।	1.1. बाल श्रम में बच्चों की अनुमानित संख्या।	(i) विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में 50000 कामकाजी बच्चों के नए नामांकन प्राप्त करना।
		1.2. विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में एक कोर्स पूरा करने वाले बच्चों की संख्या	औपचारिक शिक्षा प्रणाली के लिए 50000 बच्चों को मुख्यधारा में लाना		1.2. बाल श्रम से हटाए गए बच्चों की संख्या।	औपचारिक शिक्षा प्रणाली के लिए 50000 बच्चों को मुख्यधारा में लाना
		1.3. परिचालित विशेष प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या।	पिछले आंकड़ों और सर्वेक्षण के आधार पर 100 नए एसटीसी संचालित हैं। एसटीसी को शुरू किया जाना एनसीएलपी योजना के तहत जिला परियोजना			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
			समितियों द्वारा संचालित किए गए पिछले सर्वेक्षण पर निर्भर करता है।			
		1.4. क्लेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला स्तर पर बनाई गई परियोजना सोसाइटियों की संख्या	[8]			
		1.5. उन बच्चों की संख्या जिनकों मुख्य धारा शिक्षा में नामांकित किया गया है और 6 माह के बाद भी निरंतर शिक्षा ले रहे हैं	औपचारिक शिक्षा प्रणाली में 50000 बच्चों को मुख्य धारा में लाया जाना			
	2. देश में बाल श्रम के निगरानी करना और पता लगाना	2.1. बाल श्रम निगरानी, पता लगाना और रिपोटिंग प्रणाली का सृजन (हां/नहीं)	हां	2. खतरनाक व्यवसायों/ प्रक्रियाओं से सभी किशोर कामगारों को हटाना तथा उपयुक्त व्यवसायों में उनको कौशल प्रदान करना और जोड़ना	2.1. खतरनाक व्यवसायों/ प्रक्रियाओं से हटाए गए किशोर श्रमिकों की संख्या	14000*
	2.2 उन जिलों की संख्या जिनमें	2.2. उन जिलों की संख्या, जिनमें खतरनाक व्यवसायों और अखतरनाक व्यवसायों और प्रक्रियाओं में कार्यरत	बंधुआ श्रम प्रणाली (उत्सादन) अध्यादेश के अंतर्गत पूरे देश में 25		2.2. व्यावसायिक/ कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रविष्ट किशोर	यह आंकड़ा राज्य सरकारों द्वारा रखा जाता है।

[8] *एनसीएलपी सोसायटी की स्थापना राज्य सरकारों द्वारा जिले में बाल श्रम की व्यापकता के आधार पर सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत की जाती है। सर्वेक्षण रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाती है और एसटीसी खोले जाते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
	खतरनाक व्यवसायों और अखतरनाक व्यवसायों और प्रक्रियाओं में कार्यरत बच्चों/किशोरों की संख्या के संबंध में प्रारंभिक सर्वेक्षण कराया गया।	बच्चों/किशोरों की संख्या के संबंध में प्रारंभिक सर्वेक्षण कराया गया।	अक्तूबर, 1975 से कानून द्वारा बंधुआ श्रम प्रणाली समाप्त कर दी गई है। जिसके स्थान पर बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उत्सादन) अधिनियम, 1976 लाया गया है। जब कभी भी बंधुआ श्रम का पता चलता है तो पुनर्वास के लिए ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जाती है। पुनर्वास के लिए पहचान करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है।		श्रमिकों की संख्या	
	3. बंधुआ श्रमिकों को छोड़ना और सहायता का प्रावधान	3.1. उन जिलों की संख्या, जिनमें खतरनाक व्यवसायों और अखतरनाक व्यवसायों और प्रक्रियाओं में कार्यरत बच्चों/ किशोरों की संख्या के संबंध में प्रारंभिक सर्वेक्षण कराया गया।	*	3. बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वास करना	3.1 छोड़े गए पुनर्वासित श्रमिकों की संख्या (राज्य द्वारा किए गए दावों के आधार पर)	*
		3.2. 2018-19 के दौरान बंधुआ श्रमिक पुनर्वास (बच्चे, महिलाएं, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर और पुरुष) के अंतर्गत प्रारंभिक	2182#			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
		पुनर्वास के लिए छोड़े जाने पर दी गई नकद राशि के लाभार्थियों की संख्या				
		3.3. उन मामलों की संख्या जहां पर निर्णय दिया गया है (वर्ष के अंत में कुल लंबित मामलों में से)	*			
		3.4. कुल लंबित मामलों में से दी गई दोषसिद्धियों की संख्या (वर्ष के अंत में कुल लंबित मामलों में से)	*			

** ये आंकडे एनसीएलपी सोसाइटियों द्वारा किए गए सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर हैं*

 # यह मांग संचालित स्कीम है, दिए गए लक्ष्य अनुमानित हैं।

विधि और न्याय विभाग

1. न्यायिक सुधारों पर कार्रवाही अनुसंधान और अध्ययन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
35.73	1 परियोजना स्वीकृति समिति द्वारा अनुमोदित अनुसंधान प्रस्तावों की संख्या	1.1. परियोजना स्वीकृति समिति द्वाराअनुमोदित किए गए अनुसंधान प्रस्तावों की संख्या।	20*	1. कार्रवाही अनुसंधान परियोजनाओं का समापन	1.1. पूरी की गई अनुसंधान परियोजना की संख्या ।	10*

2. ई-कोर्ट चरण–II (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
256.53	1. 2992 न्यायालय परिसरों में वाइड एरिया नेटवर्क (वैन) कनक्टिविटी को राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड से जोड़ा जाएगा	1.1. वैन और क्लाउड के माध्यम से जोड़े गए जिला और अधीनस्थ	1. 2992 न्यायालय परिसरों में वाइड एरिया नेटवर्क (वैन) कनक्टिविटी।	1. निर्बाध, स्थिर, विश्वसनीय और सुरक्षित वैन और क्लाउड क्रेक्टिविटी।	1.1. वैन के माध्यम से और क्लाउड से जोड़े गए न्यायालय परिसरों की संख्या।	2992 न्यायालय परिसरों को वैन के माध्यम से जोड़ा जाना है। जोड़े गए सभी 2992 न्यायालयों

	क्लाउड़ क्रेक्टिविटी: सभी न्यायालयों को क्लाउड़ आर्किटेक्चर में बदला (माइग्रेट किया) जाएगा। प्रबंध परिवर्तन/ ई-परियोजना का प्रचार ।	न्यायालयों की संख्या	2. सभी 2992 न्यायालय परिसरों में क्लाउड़ क्रेक्टिविटी। 3. ई-कोर्ट सेवाओं पर वृहत प्रचार अभियान (दस करोड़)			को क्लाउड़ से जोड़ा जाना है।
				2. ई-कोर्ट सेवाओं के बारे में व्यापक जागरुकता।	2.1. ई-कोर्ट उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृधि।	विस्तृत प्रचार अभियान – 10 करोड़ रुपए।

3. **ग्राम न्यायालयों की स्थापना और परिचालनात्मकता (केंद्रीय प्रायोजित योजना (सीएसएस))**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	**निर्गम (2019-20)**			**परिणाम (2019-20)**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10.00	1. राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किए गए ग्राम न्यायालय	1.1 राज्य सरकारों द्वारा अधिसूचित किए गए ग्राम न्यायालयों की संख्या	130*	1. ग्राम न्यायालयों का प्रवर्तन में लाना	1.1. राज्य सरकारों द्वारा प्रकार्यात्मक बनाए गए ग्राम न्यायालयों की संख्या	65*

** निर्भरता कारक : राज्य सरकारें / उच्च न्यायालय और कार्यान्वयन एजेंसियां ।*

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) मांग सं. 66

1. बाजार संवर्धन और विकास सहायता (एमपीडीए) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
103.33	1. संशोधित बाजार विकास सहायता (उत्पादन पर आधारित) के माध्यम से खादी का संवर्धन और विकास	1.1 संशोधित बाजार विकास सहायता (उत्पादन पर आधारित) योजना के माध्यम से खादी का संवर्धन और विकास करना	1439 खादी संस्थाओं को प्रो-रेट आधार पर दिया जाएगा।	1. i) अगले 3 वर्षो मे उत्पादन को 20% बढ़ाना ii) उत्पादन में वृद्धि से कारीगरों की मजदूरी में वृद्धि होगी। iii) उत्पादन अवसंरचना की बेहतरी और विकास iv) विक्री केंदो का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण	खादी का उत्पादन करने वाली इकाइयों के मूल्य में वृद्धि	500 खादी संस्थाए लाभांवित होंगे।

	2. प्रचार और निर्यात संवर्धन के माध्यम से खादी का विकास और संवर्धन	2.1 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों की संख्या	3	2. i) खादी और खादी से संबंधित उत्पादों की बिक्री और उत्पादन में सुधार ii) कारीगरों के उपार्जन में वृद्धि	खादी का उत्पादन करने वाली इकाइयों के मूल्य में वृद्धि	कार्यक्रम की संख्या 5
		2.2 निर्यात की तैयारी और उससे संबंधित	1			
		2.3 दुबई, जापान, जर्मनी और टेक्सास में खादी इंडिया बिक्री केंद्र खोलने के लिए वित्तीय सहायता	2			
		2.4 निर्यात कार्याशाला	2			
	3 संवर्धन एव प्रचार- प्रचार के माध्यम से खादी का संवर्धन और विकास - घरेलू प्रदर्शनियां इत्यादि	3.1 राष्ट्रीय स्तरीय प्रदर्शनियां	1	3. i) खादी और खादी से संबंधित उत्पादों की बिक्री और उत्पादन में सुधार ii) कारीगरों के उपार्जन में वृद्धि	खादी का उत्पादन करने वाली इकाइयों के मूल्य में वृद्धि	कार्यक्रमों की सं. 25
		3.2 विशेष स्तरीय प्रदर्शनियां	15			
		3.3 राज्य स्तरीय प्रदर्शनियां	11			
		3.4 राज्य स्तरीय प्रदर्शनियां	1			
		3.5 ई-कॉमर्स	80.00 लाख रुपए			

		3.6 विपणन परामर्श और लीगल/ ट्रेडमार्क इत्यादि।	50.00 लाख रुपए			
		3.7 पूर्वोत्तर पीआरवीए मील और पूर्वोत्तर क्षेत्र को सहायता	7.00 लाख रुपए			
		3.8 ब्रांड प्रोमोशन, सेल्स प्रोमोशन, कैटेलोग्स एंड सैम्पलिंग	10.00 लाख रुपए			
		3.9 राष्ट्रीय पुरस्कार	20.00 लाख रुपए			
		3.10 सेमिनार, कार्यशाला, डीएसओ स्टाफ और अन्यों का क्षमता निर्माण, विजुअल मर्केंडाइज इत्यादि	20.00 लाख रुपए			
		3.11 एयरपोर्ट पर बिक्री आउटलेट्स खोलना	1			

	4. प्रचार-प्रसार, मीडिया इत्यादि	4.1. प्रर-प्रसार, मीडिया इत्यादि	*	4. i) खादी और खादी संबंधित उत्पादों के उत्पादन औरबिक्री में सुधार ii) कारीगरों के वेतन अर्जन में बढोतरी	खादी का उत्पादन करने वाली इकाइयों के मूल्य में वृद्धि	जन शिक्षा कार्यक्रम की संख्या - 88

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह है।*

2. खादी अनुदान

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
308.51	खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड योजना	खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड योजना के तहत उत्पादकता और बेहतर आजीविका में वृद्धि के लिए चुनिंदा आधार पर खादी कारीगरों को वर्कशेड प्रदान करना	खादी कारीगरों को वर्कशेड प्रदान किए जायेंगे-5308 (5250 व्यक्तिगत वर्कशेड और 58 समूह वर्कशेड)	i) कार्य वातावरण जिससे बेहतर उत्पादकता आएगी ii) कारीगरों की संख्या में बढोतरी iii) बेहतर वातावरण अधिक ग्राहकों को आकर्षित करेगा (iv) ब्रिकी और टर्नओवर मे बढोतरी	व्यक्तिगत कारीगरों को 60,000/- रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है	1453 खादी कारीगर लाभांवित होंगे
	मौजूदा कमजोर खादी संस्थाओं को सुदृढ़ बनाना	चुनिंदा खादी संस्थानों को नए चरखे और करघे प्रदान करना जो वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर हो गए हैं, लेकिन रिबाउंड करने की क्षमता रखते हैं।	कमजोर खादी संस्थाओं का पुनरुद्धार	खादी कारीगरों के लिए बेहतर कार्य वातावरण	9.90 लाख रूपय तक की कमजोर खादी संस्थाओं के पुनर्जीवन के लिए वित्तीय सहायाता	30 खादी संस्थाएं सदृढ़ होंगी

	(ख) विपणन अवसंरचना के लिए सहायता	खादी संस्थानों के चयनित बिक्री आउटलेटों का नवीनीकरण और विपणन बुनियादी ढांचे के लिएसहायता।	चयनित बिक्री आउटलेटों का नवीनीकरण	बिक्री को बढावा मिलेगा	विपणन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 25.00 लाख रूपय तक की वित्तीय सहायता	36 बिक्री केंद्रों का नवीनीकरण किया जायेगा
	संवर्धन अनुदान	खादी गतिविधियों के विकास के लिए	1) तिमाही खादी मार्क और प्रमाणन बैठके	खादी गतिविधियों के विकास के लिए	खादी गतिविधियों के विकास के लिए	4 बैठके
	जनश्री बीमा योजना अब "आम आदमी बीमा योजना"	आम आदमी बीमा योजना (पूर्व में खादी कारीगर जनश्री बीमा योजना भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा खादी कारीगरों के लिए बनाई गई एक समूह बीमा योजना है। प्रीमियम का अंश केवीआईसी, खादी संस्थाओं, कारीगरों और भारत सरकार के बीच होगा	खादी कारीगरों की सामाजिक सुरक्षा को बढावा	निम्नलिखित मौद्रिक लाभ दिए जाते हैं। प्राकृतिक मृत्यु - 30,000/- रूपय आकस्मिक मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता - 75,000/- रूपए - आंशिक स्थायी विकलांगता - 37500/- रूपए शिक्षा सहायता योजना के तहत एक ऐड-ऑन शैक्षिक लाभ, जो 9वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई करने वाले खादी कारीगर के दो बच्चों को शैक्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिसमें आई.टी.आई सहित @300 / - रूपय - प्रति बच्चा प्रति तिमाही।	खादी कारीगरों की सामाजिक सुरक्षा को बढावा और अधिक से अधिक खादी कारीगरों को आकर्षित करना	एएबीवाई के तहत 2,45,080 कारीगरों को कवर किया जायेगा

	रोजगार युक्त गांव	पीपीपीमॉडल पर कारीगरों के द्वार पर खादी गतिविधियों के माध्यम से रोजगार प्रदान करना।	कारीगरों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि उन्हें रोजगार दिया जा सके	50 खादी संस्थाओं के माध्यम से रोजगार का सृजन किया जायेगा	एनएमसी, लूम, वार्पिंग इकाईयाँ इत्यादि प्रदान करना	कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 50 संभावित गांवों को चिन्हित किया जाएगा और लगभग 12000 कारीगरों को प्रशिक्षित किया जाएगा और रोजगार देने का लक्ष्य है।
	अनुदान सहायता वेतन	केवीआईसी कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन और भत्तों के लिए	खादी और ग्रामोद्योग को सहयोग और सेवा कार्यक्रम	इस मद द्वारा केवीआईसी की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाया जाएगा।	वर्ष के दौरान केवीआईसी के कर्मचारियों को वेतन का भुगतान किया जाएगा।	केवीआईसी के कर्मियों को वेतन का भुगतान
	सामान्य अनुदान सहायता (पेंशन और ओएई)	केवीआईसी कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन और आकस्मिक खर्चों का भुगतान करने के लिए	खादी और ग्रामोद्योगों को सहयोग और सेवा कार्यक्रम	केवीआईसी की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाना और केवीआईसी के कर्मचारियों को पेंशन यात्रा-भत्तों और आकस्मिक खर्चों का भुगतान	वर्ष के दौरान केवीआईसी के कर्मचारियों की पेंशन, यात्रा/ दैनिक भत्तों और आकस्मिक खर्चों का भुगतान किया जाएगा।	पेंशन और यात्रा भत्तों और आकस्मिक खर्चों का भुगतान
	ब्याज सब्सिडी-बुक समायोजन	सरकार द्वारा प्रदान किए गए ऋणों पर एलईवाई ब्याज में सब्सिडी प्रदान करना	खादी और वीआई कार्यान्वयन संस्थाओं की ब्याज देयता को कम करने के लिए	खादी और ग्रामोद्योग संस्थानों की ब्याज देयता को कम किया जाएगा।	खादी और वीआई कार्यान्वयन संस्थाओं की ब्याज देयता को कम करने के लिए	खादी और वीआई क्षेत्र में 6.29 करोड तक ब्याज देयता को कम करना

3. खादी सुधार एवं विकास कार्यक्रम (एडीबी सहायता)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
0.01	खादी के संवर्धित स्थायित्व के लिए केवीआई क्षेत्र को पुनर्जीवित करना; आय और रोजगारमें वृद्धि; कारीगरों के सशक्तिकरण और चयनित गाँव उद्योगों का विकास।	चयनित खादी संस्थाओं की कुल संख्या	यह स्कीम 2018-19 तक अनुमोदित की गई थी और इसलिए 2019-20 के लिए कोई लक्ष्य नहीं रखा गया है	कारीगरों की आय में वृद्धि होगी और कारीगरों के लिए रोजगार सृजित होंगे	i) खादी की निरंतरता में वृद्धि। ii) कारीगरों का सशक्तिकरण। iii) खादी उत्पादों के विपणन में सुधार iv) चयनित ग्रामोद्योगों काविकास	यह स्कीम 2018-19 तक अनुमोदित की गई थी और इसलिए 2019-20 के लिए कोई लक्ष्य नहीं रखा गया है

4. पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए कोष की योजना (स्फूर्ति)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
125.00	केवीआई और कॉयर क्षेत्रों में पारंपरिक उद्योगों के क्लस्टर बनाकर उत्थान और उनकी प्रतिस्पर्धा और क्लस्टर गवर्नेंस का विकास करना	क्लस्टरों कीस्थापना	कलस्टरों की संख्या 60	(i) क्लस्टरों की स्थिरता और प्रतिस्पर्धा में सुधार।ii) पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों का संगठन क्लस्टरों में।iii) पारंपरिक उद्योग कारीगर और ग्रामीण उद्यमियों के लिए निरंतर रोजगारiv) कारीगरों की मजदूरी में वृद्धि	i) खादी और खादी संबंधित उत्पादों की ब्रांडिंग/ गुणवत्ता में सुधार।ii) लक्षित क्लस्टर्स का 80% संचालन में होगा।iii) स्थायी रोजगार 3 वर्षों की अवधि में प्रदान किया जाएगा।iv) क्लस्टर उत्पादन में वृद्धि और टर्नओवर के टर्नओवर से कारीगरों के वेतन में वृद्धि होगी	60 कलस्टरों का विकास किया जायेगा और लगभग 30,000 कारीगर लाभांवित होंगे

5. कॉयर विकास योजना (सीवीवाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
70.50	उत्पादन प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण, मशीनरी एवं उपकरणों का विकास, उत्पाद विकास एवं विविधिकरण, पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का विकास और हस्तांतरण, इंक्यूबेशन, परीक्षण एवं सेवा सुविधाएं	1. नई मशीनरी विकसित किए जाएंगे। 2. पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी उद्यमियों को हस्तांतरित किए जाएंगे। 3. मशीन के निर्माताओं को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित किए जाएंगे। 4. नए कॉयर समूहों को प्रौद्योगिकी सहयोग प्रदान किए जाएंगे। 5. प्रौद्योगिकियों का फील्ड प्रदर्शन	6 5 9 20 175 2200 2200	i) कॉयर एवं कॉयर उत्पादों के उत्पादन में अगले 3 वर्षों में 10% की वृद्धि / ii) अगले 3 वर्षों में कॅयर एवं कॉयर उत्पादों के निर्यात में 10% की वृद्धि iii) अगले 3 वर्षों की अवधि में प्रशिक्षित युवाओं की संख्या में 10% की वृद्धि। iv) इसके परिणामस्वरूप कॅयर क्षेत्र में स्थायी रोजगार सृजन होगी। v) अधिकांश कॉयर इकाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं	1. नई मशीनरी विकसित किए जाएंगे। 2. पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी उद्यमियों को हस्तांतरित किए जाएंगे। 3. मशीन के निर्माताओं को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित किए जाएंगे। 4. नए कॉयर समूहों को प्रौद्योगिकी सहयोग प्रदान किए जाएंगे। 5. प्रौद्योगिकियों का फील्ड प्रदर्शन	6 5 9 20 175 2200 2200
	देश में कॅयर उद्योगों का विकास और घरेलू बाजार का संवर्धन (घरेलू बाजार संवर्धन योजना के माध्यम	1 मूल्यवर्धित उत्पाद में प्रशिक्षण (वीएपी) 2. महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण 3. ईडीपी 4. जागरूकता कार्यक्रम	3600 40 5 30 10	यह सीवीवाई का एक नया घटक है और लगभग 1500 अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित होने की आशा है।	1. मूल्यवर्धित उत्पाद में प्रशिक्षण (वीएपी) 2. महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण 3. ईडीपी 4. जागरूकता कार्यक्रम	3600 40 5 30 10

	से), कॅंयर एवं कॅंयर उत्पादों के निर्यात बाजार काविकास (निर्यात बाजार संवर्धन योजना के माध्यम से।	5. राष्ट्रीय संगोष्ठी 6. कार्यशाला 7. प्रदर्शन दौरे घरेलू प्रदर्शनी 1. अंतर्राष्ट्रीय मेले एवं सम्मेलन 2. बाह्य बाजार विकास सहायता (ईएमडीए)	10 100 10 10 इकाइयां 1 लाख कामगार 100 बोर्ड अधिकारी 1200 कामगार		5. राष्ट्रीय संगोष्ठी 6. कार्यशाला 7. प्रदर्शन दौरे घरेलू प्रदर्शनी 1. अंतर्राष्ट्रीय मेलों एवं सम्मेलनों 2. बाह्य बाजार विकास सहायता (ईएमडीए) स्थापित की जाने वाली इकाइयों कीसंख्या (डीपीआई/सीआईटीयूएस के तहत) पीएमएसबीवाई - शामिल किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या बोर्ड के अधिकारियों को एचआरडी प्रशिक्षण कॅंयर कामगारों/ स्टेकहोल्डरों को एचआरडी अभिमुखी प्रशिक्षण	10 100 10 इकाइयां 1 लाख कामगार 100 बोर्ड अधिकारी 1200 कामगार

6. नवोन्मेष ग्रामीण, उद्योग एवं उद्यमिता संवर्धन योजना (एस्पायर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	प्रौद्योगिकी केन्द्रों के नेटवर्क की स्थापना और कृषि उद्योग में नवोन्मेष और उद्यमिता केलिए स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के साथ उद्यमिता की गति तीव्र करने हेतु इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना	(i) स्थापित किए जाने वाले बिजनेस इंक्यूबेटरों (एलबीआई) की संख्या (ii) स्थापित किए जाने वाले प्रौद्योगिकी बिजनेस इंक्यूबेटरों (टीडीआई) कीसंख्या	50-एलबीआई 20-टीबीआई	नवोन्मेष, उद्यमिता और कृषि उद्योग का संवर्धन	1. 30% प्रशिक्षित इंक्यूबेटी उद्यम स्थापित करेंगे। 2. नवोन्मेषी विचार के परिणामस्वरूप उत्पादकता में वृद्धि और बेहतर गुणवत्ता प्राप्त होगी। 3. योजना मार्गनिर्देशों के अनुसार, प्रस्ताव के अनुमोदन से पूर्व पंचवर्षीय कार्य योजना की मॉनिटरिंग समर्पित वेबसाइट के माध्यम से की जाएगी।	स्थानीयस्तर पर रोजगार सृजन होगी और बेरोजगारी को कम किया जाएगा तथा 50 एलबीआई और 20 टीबीआई की स्थापना की जाएगी।

7. कॅयर उद्यमी योजना (सीयूवाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
2.00	स्थापित किए जाने वाले इकाइयों की संख्या	पुराने रेट्स/ लूम्स के प्रतिस्थापन तथा कताईकारों को वर्कशेड उपलब्ध करवाना तथा लघु घरेलू इकाइयां जिससे उत्पादन में वृद्धि हो तथा कर्मचारियों की आय बढ़े।	पिछले वर्षों के प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए फंड		वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पीएमईजीपी योजना के साथ इस योजना का विलयन किया गया तथा बजट का उपयोग पिछले वर्ष की अधूरी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उपयोग में लाया गया।	

8. महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमगिरि) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
12.00	नीरसता को कम करने के लिए बेहतर उत्पाद डिजाइन और प्रक्रियाओं के प्रसार से उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार और ग्रामीण उद्योगों में दक्षता में सुधार।	1. मशीनरी और उपकरणों का विकास। 2. मशीनरी का क्षेत्र परीक्षण। 3. नवीन उत्पादों का विकास। 4. ईडीपी और कौशल विकास	6 3 8 600 व्यक्ति	नीरसता में कमी, कार्डिंग मशीन के विकास द्वारा ग्रामीण उद्योगों में गुणवत्ता सुधार और बेहतर दक्षता, लोहार के लिए न्यूमेटिक हैमर, पोर्टेबल कॉम्पैक्ट सेमी ऑटोमैटिक जैक और पेडल संचालित ब्लेंजर, 16 स्पिंडल सौर चरखा। ग्रामीण स्तर पर कृषि-प्रसंस्करण के लिए कुछ ऊर्जा कुशल मशीनरी / उपकरण का सोलराइजेशन (ग्रामीण मिल, मूंगफली डिकोक्टर आदि) और ग्रामीण उद्यमियों के लिए आईसीटी पहल। 2. 20 खादी संस्थाओं को हांक डाइंग मशीन महाराष्ट्र के लेह-लद्दाख (जम्मू और कश्मीर) और विदर्भ क्षेत्र में सौर ऊन कताई पूर्वमशीनें (प्रि-स्पीनिंग मशीन) और सौर ऊन चरखा प्रौद्योगिकीकेवीआईसी के दो क्षेत्रों में ऊर्जा कुशल कुम्हार भट्ठा (12 सं)	i) ग्रामीण औद्योगीकरण की प्रक्रिया तेज होगी। ii) एमगिरि द्वारा विकसित उत्पादों काव्यावसायीकरण। iii) अभिनव उत्पादों और बेहतर प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता में वृद्धि होगी।	1. 6 सं.मशीनरी और उपकरण विकसित किए जाएंगे 2. 3 मशीनों का क्षेत्र में परीक्षण किया जाएगा। 3. 8सं. नवीन उत्पाद विकसित किए जाएंगे। 4. 600 व्यक्तियों को ईडीपी और कौशलविकास के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा

				3. नवीन उत्पादों/ प्रौद्योगिकियों का विकासअर्थात प्रोबायोटिक गुड़, हैंड सैनिटाइज़र, फल का चर्म (फ्रूट लेदर), कृषि इनपुटऔर मोरिंगा प्लांट से नए उत्पाद और पूरक आहार। कम लागत वाली और पर्यावरण के अनुकूल जल आधारितबांस की पॉलिश (लाख आधारित), पर्यावरण के अनुकूल गोबर आधारित डिस्टेंपर और पेंट। टेक्सटाइल/ खादी प्रिंटिंग के लिएपर्यावरण के अनुकूल सिंथेटिक थिनर। 4. एसडीपी/ ईडीपी के लाभान्वित		

9. खादी ग्रामोद्योग और कॉयर इंडस्ट्रीज को ऋण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
0.42	केवीआईसी और कॉयर बोर्ड के कर्मचारियों को एचबीए और कंप्यूटर अग्रिम आदि प्रदान करना			केवीआईसी और कयरबोर्ड के कर्मचारियों की पूर्ण भागीदारी को सुरक्षित करने के लिए उनके आवास और अन्य जरूरतों में कर्मचारी को सहायता प्रदान करना	स्टाफ की बेहतर भागीदारी हेतु जरूरतमंद कर्मचारियों के आवास और अन्य जरूरतों को पूरा करने में सहायता।	**

** *संकेतक मांग आधारित हैं।*

10. सौर चरखा मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
143.50	गांवों में स्थायी रोजगार सृजन के लिए सौर चरखा आधारित समूह	सौर चरखा समूहों की स्थापना।	25	सौर चरखा समूहों में लाभार्थी (कताईकार, बुनकर, स्टिचर्स और अन्य कुशल कारीगर) होंगे	लाभार्थियों की संख्या	200 से 2042

11. प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (एटीआई)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30.00	एमएसएमई मंत्रालय के प्रशिक्षण संस्थानों को अवसंरचना सहयोग और क्षमता निर्माण तथा मौजूदा राज्य स्तरीय ईडीआई प्रशिक्षण एमएसएमई मंत्रालय के प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण (कौशल विकास कार्यक्रम/ प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण)।	सहायता-प्रदत प्रशिक्षण संस्थानों / राज्य स्तरीय ईडीआई की संख्या कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों की संख्या	प्रशिक्षण संस्थान - 9 राज्य स्तरीय ईडीआई-3 (सहायता दी जानी है) 8000	भौतिक बुनियादी ढांचे में सुधार और सहायता-प्रदत प्रशिक्षण संस्थानों की क्षमता प्रशिक्षित व्यक्तियों की बढ़ी हुई रोजगार क्षमता	एमएसएमई की क्षमता को बढ़ाना, उनके उत्पादों के लिए नए बाजारों पर पकड़करना, निर्यात को बढ़ाना और विनिर्माण क्षमता बढ़ाने और रोजगार की नई तकनीकों की खोज करना आदि। संबंधित व्यवसाय में कार्यरत प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	9 प्रशिक्षण संस्थानों और 3 राज्य स्तरीय ईडीआई को सहायता दी जानी है 8000 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा।

12. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना (आईसी) योजना

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

30.00	एमएसएमई का आधुनिकीकरण, एमएसएमई का निर्यात संवर्धन सेमिनार एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों के आयोजन द्वारा व्यापार संवर्धन।	पात्र राज्य/केंद्र सरकार के संगठनों; एमएसएमई क्षेत्र के संवर्धन और विकास से जुड़े पंजीकृत उद्योग संघों औरसोसाइटी/न्यास को प्रतिपूर्ति आधार पर वित्तीय सहायता दी जाती है।	50 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 900 उद्यमियों को सहायता प्रदानकरना।	भारतीयएमएसएमई का उन्नयन और/अथवा प्रौद्योगिकी आमेलन, उनका आधुनिकीकरण और उनके निर्यात का संवर्धन योजना के तहत सहायता प्रदान करने के प्रमुख उद्देश्य हैं। एमएसएमई की अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों, क्रेता-विक्रेता बैठकों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों में भागीदारी/ दौरे से सहभागी इकाइयों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभ होगा।	एमएसएमईके सामर्थ्य को बढ़ावा देना, उनके उत्पादों के लिए नए बाजार का पता लगाना, निर्यात का पता लगाना और बढ़ावा देना, विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए नई प्रौद्योगिकीयों का पता लगाना और रोजगार का सृजन इत्यादि।	50 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 900 उद्यमियों को सहायता प्रदान करना।

13. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हब

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
121.69	अनुसूचितजाति/अनसुचित जनजाति उद्यमियों को डीजी एसएंडडी के ई-प्लेटफार्म पर सार्वजनिक खरीद में भाग लेने के लिए सुविधा प्रदान करना।	सरकारी विभागों/एजेंसियों की खरीद में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों की सहभागिता को बढ़ावा देना।	कौशल/ उद्यमिता विकास प्रशिक्षण, सब्सिडी इंटरवेंशन, विशेष सीएलसीएसएस, एसपीआरएस, बी2 बीपोर्टल पर सदस्यता, जेम पोर्टल नामांकन प्रदर्शनियों में सहभागिता को सुगम बनाने जैसे विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से 16500 अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के लाभग्राहियों को सहायता प्रदान करना।	अनुसूचित जाति/अनसुचित जनजाति उद्यमियों को डीजीएसएंडडी के ई-प्लेटफार्म पर सार्वजनिक खरीद में भाग लेने के लिए सुविधा प्रदान करना।	सरकारी विभागों/एजेंसियों की खरीद में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों कीसहभागिता को बढ़ावा देना।	**

*** इस संकेतक के लिए लक्ष्य मांग आधारित हैं।*

14. एमएसएमई को वृद्धिशील ऋण के लिए ब्याज दर में छूट की योजना

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
350.00	1. क्रेडिट प्रस्ताव प्राप्त वृद्धिशील क्रेडिट/ ऋण संस्वीकृत	1.1. बैंकों/वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राप्त नए/वृद्धिशील ऋण प्रस्तावों की कुल संख्या	40,000 एमएसएमई	1. एमएसएमई के लिए ऋण की लागत में कमी	1.1. एसआईडीबीआई द्वारा बैंकों/ वित्तीय संस्थानों को वितरित कुल राशि	700 करोड़ रुपए
		1.2. एसआईडीबीआई द्वारा बैंकों/वित्तीय संस्थानों से प्राप्त ब्याज छूट के लिए किए गए दावों की कुल राशि	700 करोड़ रुपए	2. उद्योग आधार पंजीकरण में हुई वृद्धि	2.1. योजना के उद्योग आधार संख्या के बाद पंजीकृत इकाइयों की संख्या में कुल वृद्धि	35,000

15. विपणन संवर्धन योजना: विपणन विकास सहायक (एमडीए) खरीद और विपणन सहायता

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
87.6	लाभार्थियों को सहायता	1.1 नियमित सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या	720 कार्यक्रम	1. विपणन संवर्धन	1.1 क्षेत्रीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक घरेलू बाजार के स्तर में वृद्धि।	(i) 720 कार्यक्रम
		1.2 व्यापार मेलों/ प्रदर्शनियों/एक्सपो की संख्या	66 ट्रेड फेयर			(ii) 66 ट्रेड फेयर
		1.3 कार्यक्रमों की संख्या	120 एमएसएमई एक्सपो (संभावित)			(iii) 120 एमएसएमई एक्सपो (संभावित)

16. उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम (प्रचार सेवा संसथान एवं कार्यक्रम) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
327.91	क्षमता निर्माण और कौशल प्रशिक्षण	1.1 आयोजित औद्योगिक प्रेरक अभियानों (आईएमसी) की कुल संख्या	3300 कार्यक्रम	1. औद्योगिक प्रेरक अभियानों (आईएमसी) (ईडीपी) /ईएसडीपी) में प्रतिभागियों की संख्या	1.1 व्यक्ति/कार्यक्रम की दर से प्रतिभागियों की संख्या	250000 व्यक्ति
		1.2 आयोजित किए गए उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (ईडीपी/ईएसडीपी) की कुल संख्या	4500 कार्यक्रम	2. उद्यमिता विकास कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की संख्या	2.1 25 प्रति व्यक्ति की दर से कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या	106500 व्यक्ति
		1.3 आयोजित प्रबंधक विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) की कुल संख्या	225 कार्यक्रम	3. प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) में प्रतिभागियों की संख्या	3.1. 25 प्रति व्यक्ति की दर से कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या	5625 व्यक्ति

17. प्रौद्योगिकी केन्द्रप्रणाली कार्यक्रम (टीसीएसपी) -ईएपी

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
350.00	1. नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों की स्थापना	1. नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों की कुल संख्या	10	1. उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी तक एमएसएमई की पहुंच में वृद्धि	1. प्रौद्योगिकी केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों/ लाभानुभोगियों की कुल संख्या	6295
	2. मौजूदा प्रौद्योगिकी केन्द्रों का उन्नयन	2. उन्नत प्रौद्योगिकी केन्द्रों की कुल संख्या	9	2. उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी तक एमएसएमई की पहुंच में वृद्धि	2. प्रौद्योगिकी केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों/ लाभानुभोगियों की कुल संख्या	3000

18. नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों की स्थापना

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
125.12	(i) नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों की स्थापना	(i) स्थापित नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों (टीसी) की कुल संख्या	प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना करने में 3 वर्ष लगते हैं।	(i) उन्नत कौशल/रोजगार प्राप्त/बेरोजगार युवकों का कौशल निर्माण	(i) प्रौद्योगिकी केन्द्रों/ विस्तार केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों/ लाभानुभोगियों की कुल संख्या	*
	(ii) विस्तार केन्द्रों की स्थापना	(ii) स्थापित विस्तार केन्द्रों (ईसी) की कुल संख्या	20 ईसी	(ii) एमएसएमई की प्रौद्योगिकी तक बढ़ी हुई पहुंच।	(ii) ऐसे एमएसएमई की संख्या जिन्होंने टीसी की प्रौद्योगिकी सेवाओं का लाभ उठाया है।	*
				(iii) एमएसएमई को व्यावसायिक और तकनीकी सलाह/सेवा प्रदान करना।	(iii) टीसी की सुविधाओं का उपयोग करने वाले प्रशिक्षणार्थियों/ उद्योगों/ लाभानुभोगियों/ उद्यमियों की कुल संख्या	*

** नई योजना। योजना कार्यान्वयन चरण में है।*

19. पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम में एमएसएमई का संवर्धन

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
25.93	1. नए मिनी प्रौद्योगिकी केन्द्रों की स्थापना और मौजूदा प्रौद्योगिकी केन्द्रों काआधुनिकीकरण	स्थापित टीडी और टीसी की कुल संख्या और उन्नत मौजूदा केन्द्रों की कुल संख्या	4	उन्नत विनिर्माण तकनीकों तक एमएसएमई यूनिटों की बढ़ी हुई पहुंच और एमएसएमई यूनिटों में रोजगार सृजन सहित कुशल मानवशक्ति की उपलब्धता	प्रौद्योगिकी विकास केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त यूनिटों/ लाभानुभोगियों की कुल संख्या	900 लाभानुभोगी
	2. नई और मौजूदा औद्योगिकी सम्पदाओं का विकास	पूर्वोत्तर क्षेत्र में आईआईडी परियोजनाओं की कुल संख्या	12	एमएसएमई की नई/ उन्नत औद्योगिक अवसंरचनात्मक सुविधाएं	एमएसएमई की संख्या	150 एमएसई
	3. क्षमता और कौशल विकास	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	5	एमएसएमई के संवर्धन की दिशा में कार्यरत कर्मियों के कौशल का उन्नयन	प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	100
	4. अन्य कार्यकलाप	प्रारंभ की जाने वाली परियोजनाओं की कुल संख्या	06 परियोजनाएं	अनुसंधान/ मूल्यांकन अध्ययन आदि।	एमएसईकी संख्या	60

20. कार्यालय आवास का निर्माण – लोक निर्माण पर पूंजी व्यय

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
26.60	0.8 करोड़ रुपए राशि के नए स्टाफ वाहन की खरीद के लिए विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों से प्रस्ताव प्राप्त हुए	कुल 10 प्रस्ताव प्राप्त हुए	10 वाहन	पुराने खराब वाहनों के बदले स्टाफ वाहन खरीदे गए	कुल 10 प्रस्ताव प्राप्त हुए	10 वाहन
	परीक्षण और अन्य सुविधाओं के लिए 4.00 करोड़ रुपए की राशि की मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों से प्रस्ताव प्राप्त हुए	कुल 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए	4	परीक्षण और एमएसएमई के लिए लाभदायी क्रियाकलापों के लिए नई खरीदी गई मशीनरी का उपयोग किया जाएगा और पुरानी मशीनरी और उपकरणों को बदला जाएगा	कुल 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए	4
	20.00 करोड़ रुपए की राशि के नए भवनों के निर्माण के लिए विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों से प्रस्ताव प्राप्त हुए	कुल 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए	3	एमएसएमई की सुविधा के लिए नए भवनों का निर्माण किया जाएगा	कुल 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए	3

21. डाटाबेस, अनुसंधान, मूल्यांकन और अन्य सहायक कार्यक्रम (डाटाबेस का उन्नयन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
23.1	**क. एमएसएमई डाटाबेस (डाटाबेस का उन्नयन)**					
	1. एमएसएमई क्षेत्र (आईआईपी-एमएसएमई क्षेत्र) के इंडेक्स के संकलन के लिए डाटा का संग्रहण, संकलन, विश्लेषण और प्रसार	*	चिन्हित एमएसएमई इकाइयों से डाटा एकत्रित किया जाएगा, टास्क फोर्स और समिति के सुझावों के अनुसार सर्वेक्षण और अध्ययन किया जाए।	1. एमएसएमई क्षेत्र (आईआईपी-एमएसएमई क्षेत्र) के इंडेक्स के संकलन के लिए डाटा का संग्रहण, संकलन, विश्लेषण और प्रसार		
	ख. राष्ट्रीय पुरस्कार (डाटाबेस का उन्नयन)					
	1. एमएसएमई के प्रयासों और योगदानों को मान्यता देने के लिए प्रति वर्ष चुने गए एमएसएमई उद्यमियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार उत्कृष्ट उद्यमिता, उत्पाद/ प्रक्रिया नवोन्मेष, लीन विनिर्माण तकनीकों और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, निर्यात, खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र, कॅयर उद्योग क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए एमएसएमई को, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को ऋण देने में	1.1. एमएसएमई को और एमएसएमई के संवर्धन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के लिए बैंकों और राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों को पुरस्कार प्रदान किए गए।	68 एमएसएमई	1. एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई, बैंकिंग सेक्टर और राज्य/संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों को प्रेरित करने के लिए,	1.1. एमएसएमई को और एमएसएमई के संवर्धन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के लिए बैंकों और राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों को पुरस्कार प्रदान किए गए।	68 एमएसएमई

	श्रेष्ठता के लिए बैंकों और राज्य और संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों को दिए जाते हैं।					
	ग. विज्ञापन और प्रचार (डाटाबेस का उन्नयन)					
	1. योजनाओं/कार्यक्रम के क्रियाकलापों और इस कार्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की व्यापक जानकारी लोगों को दी जाए।	1.1. योजनाओं/क्रियाकलापों के व्यापक प्रचार, विभिन्न प्रकाशनों के व्यय को पूरा करने के लिए	**	1. योजनाओं/कार्यक्रम के क्रियाकलापों और इस कार्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की व्यापक जानकारी लोगों को दी जाए।	1.1. योजनाओं/ क्रियाकलापों के व्यापक प्रचार, विभिन्न प्रकाशनों के व्यय को पूरा करने के लिए	**

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

***उपलब्धियों की मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती क्योंकि लोगों को व्यापक जानकारी देने के लिए योजनाओं/क्रियाकलापों के वृहत प्रचार के लिए विज्ञापन जारी किए जाते हैं।*

1. कौमी वक्फ बोर्ड तरक्कयिाती योजना और शहरी वक्फ संपत्ति विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
20.66	1. वक्फ संपत्तियों के रिकार्डों के कम्प्यूटरीकरण तथा वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्रीय वक्फ परिषद जैसी क्रियान्वयनकर्ता एजेंसी के माध्यम से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वक्फ बोर्डों (एसडब्ल्यूबी) को निधियां उपलब्ध कराई जाती हैं।	1.1 वक्फ संपत्तियों के आंकड़ों की प्रविष्टि के लिए असिस्टेंट प्रोग्रामर की तैनाती।	31 राज्य वक्फ बोर्डों को निधियां उपलब्ध कराना।	1. डब्ल्यूएएमएसआई के विभिन्न मॉड्यूलों में वक्फ सम्पत्तियों के आंकड़ों की प्रविष्टि में बढ़ोत्तरी।	1.1. वक्फ संपत्तियों की संख्या जहां अभिलेखों का डिजीटीकरण किया गया है।	27,000 वक्फ संपत्तियां
		1.2 जीआईएस मैपिंग के अंतर्गत कवर की गई वक्फ संपत्तियों की संख्या।	कुल वक्फ संपत्तियों के 20% की जीआईएस मैपिंग जो 1.1 लाख होंगी।	2. वक्फ संपत्तियों के स्थान का पता लगाना और उन्हें अतिक्रमण से बचाना।	2.1.वक्फ संपत्तियों की जीआईएस मैपिंग।	1,10,000 वक्फ संपत्तियों की जीआईएस मैपिंग।
		1.3 सर्वेक्षण सहायक, लेखाकार तथा विधिक सहायक की तैनाती तथा पात्र वक्फ बोर्डों में अंचल कार्यालय की	28 राज्य वक्फ बोर्डों को निधियां उपलब्ध कराना।	3. राज्य वक्फ बोर्डों का सुदृढ़ीकरण करना जिससे वे अपनी वक्फ संपत्तियों का सुचारू रूप से प्रबंधन कर सकें ताकि उनकी आय में वृद्धि की जा सके और वे	3.1 मानव शक्ति, आईटी, क्षमता निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किए गए राज्य	28 राज्य वक्फ बोर्डों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		स्थापना करना।		आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकें।	वक्फ बोर्डो की संख्या।	
				4. प्रतिरक्षित/ सुलझाए गए विधिक मामलों, वित्तीय प्रबंधन एवं जोनल स्तर पर प्रबंधन के संदर्भों में आत्मनिर्भर बन चुके वक्फ बोर्डों की संख्या।	4.1.विधिक अधिकारी रखने वाले राज्य वक्फ बोर्डों की संख्या	20 राज्य वक्फ बोर्डों में विधिक अधिकारियों की तैनाती।

2. अल्पसंख्यकों के लिए विशेष कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
72	**क. अल्पसंख्यकों के लिए विकास योजनाओं का अनुसंधान/अध्ययन, प्रचार, मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन**					
	1. स्वीकृत मूल्यांकन अध्ययन	1.1 उन अनुसंधान संगठनों/संस्थानों/सिविल सोसाइटियों/विश्वविद्यालयों के लिए व्यावसायिक प्रभारों का प्रावधान जिनके पास सार्थक प्रचालन अनुसंधान/मार्किट अनुसंधान/कार्रवाई अनुसंधान करने की विशेषज्ञता है और इसके लिए इच्छुक हैं- स्वीकृत मूल्यांकन अध्ययनों की संख्या	10	1. मूल्यांकन रिपोर्टें	1.1.अंतिम रूप दी गई मूल्यांकन रिपोर्टों की संख्या	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	2. कार्यशाला/ सेमिनार/ सम्मेलन आयोजित करना	2.1. आयोजित कार्यशालाओं/ सेमिनारों/सम्मेलनों की संख्या	50			
		2.2. कार्यशाला/ सेमिनार/ सम्मेलन आयोजित करने के लिए दी गई वित्तीय सहायता की राशि	1.25 करोड़			
	ख. अल्पसंख्यकों की संस्कृति और विरासत के संरक्षण और सुरक्षा के लिए हमारी धरोहर					
	1. पीआईए को सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित करनी हैं।	1.1 सेमिनारों/कार्यशालाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या।	500	**1.** प्रदर्शनियों एवं सांस्कृतिक विनिमय के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समग्र संकल्पना के अंतर्गत अल्पसंख्यकों की समृद्ध विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन।	1.1 अल्पसंख्यकों की समृद्ध विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक विनिमय और कार्यशालाओं की कुल संख्या।	रंग कलाओं को दर्शाते हुए 2प्रदर्शनियां।
	2. विरासत के संरक्षण आदि संबंधी परियोजनाओं हेतु पीआईए द्वारा कार्रवाई।	2.1 विरासत के संरक्षण संबंधी परियोजनाओं की संख्या-परियोजना के आबंटन के पश्चात ही निर्धारण योग्य।	4			
	3. अल्पसंख्यक युवाओं को प्रदत्त अध्येतावृत्तियां।	3.1 प्रदत्त अध्येतावृत्तियों की संख्या	2			
	ग. छोटे अल्पसंख्यक समुदाय की जनसंख्या में गिरावट नियंत्रित करने के लिए योजना					
	1. जनसंख्या में गिरावट को रोकने के लिए परामर्शन और काउंसलिंग सेवाएं।	1.1 संबध प्रबंधन, पेरेंटिंग, आत्म-छवि; एकल पुरूषों और महिलाओं; बांझपन की समस्याओं से ग्रसित जोड़ों; क्रेश, बाल-देखभाल के लिए सहायता, बुजुर्गों की सहायता	20	1. जनसंख्या में वृद्धि	1.1 योजना द्वारा प्रदान की गई सहायता के जरिए पारसी जोड़ों के जन्मे शिशुओं की	28

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		आदि के लिए जागरूकता उत्पन्न करने के संबंध में कार्यशालाओं, काउंसलिंग सत्रों, हेल्प-डेस्क व्यवस्थाओं आदि की संख्या।			संख्या।	
		1.2 प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया में विज्ञापनों, सोशल मीडिया पर पोस्टों और प्रेस साक्षात्कारों तथा प्रकाशित लेखों सहित मीडिया के साथ पारस्परिक बातचीत की संख्या।	18			
	2. काउंसलिंग सेवाएं	2.1.योजना के अधीन सहायता- प्रदत्त प्रजनन प्रौद्योगिकियों के लिए सहायता मांगते हुए पारसी विवाहित जोड़ों से प्राप्त अनुरोधों की संख्या और किए गए भुगतानों की संख्या।	40			
	3. सहायता क्रियाकलाप	3.1. योजना के अधीन क्रेश की व्यवस्था/शिशु देखभाल सहायता, आश्रित बुजुर्गों आदि के लिए सहायता हेतु मदद मांगने वाले पारसी विवाहित जोड़ों से प्राप्त अनुरोधों की संख्या और किए गए भुगतानों की संख्या।	80			

1. **लघु पनबिजली – ग्रिड इंटरएक्टिव नवीकरणीय विद्युत (सी. एस.)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
182.9	1. एसएचपी उत्पादन क्षमता को चालू करना	1.1. एसएचपी में उत्पादन क्षमता आरंभ की गई	50 मेगावाट	1. एसएचपी परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1. उत्पादन एमयू में	8 बीयू

2. जैव विद्युत – ग्रिड इंटरएक्टिव नवीकरणीय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
25	1. जैव विद्युत उत्पादन क्षमता (खोई/ बायोमास विद्युत/ अपशिष्ट से ऊर्जा) चालू करना	1.1. जैव विद्युत में उत्पादन क्षमता आरंभ की गई	252 मेगावाट	1. जैव विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1. उत्पादन एमयू में	18 बीयू

3. विदेशी सहायता प्राप्त परियोजना (ईएपी)-घटक – ग्रिड इंटर एक्टिव नवीकरणीय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
40	1. ग्रामीण उत्पादन संबंधी उपयोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा की सुलभता में वृद्धि लाने के लिए यूएनडीपी/जीईएफ परियोजनाः परियोजना संबंधी कार्यकलाप यूएनडीएएफ राज्यों में दूरस्थ गांवों के गरीबों की आजीविका में वृद्धि लाने के लिए ऊर्जा की सुलभता क्रियाकलाप।	1.1. लाभार्थियों की संख्या	1000	ग्रामीण आजीविका संबंधी परियोजनाएं संस्थापित की गई।	परियोजनाओं की संख्या	100

4. जैव विद्युत – ऑफ ग्रिड/वितरित एवं विकेन्द्रित नवीकरणीय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. ऑफग्रिड/ विकेन्द्रित जैव विद्युत क्षमता को चालू करना	1.1. जैव विद्युत में उत्पादन क्षमता चालू की गई	252 मेगावाट (बिंदु सं. 3 में दिए गए आंकड़ों सहित)	1. ऑफग्रिड/विकेन्द्रित जैव विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1. उत्पादन एमयू में	252 मेगावाट (बिंदु सं. 3 में दिए गए 18 बीयू सहित)

5. बायोगैस कार्यक्रम–ऑफग्रिड/ वितरित एवं विकेन्द्रित नवीकरणीय विद्युत (सी. एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100	1. 1 लाख छोटे आकार के बायोगैस	1.1. चालू किए गए छोटे आकार के बायोगैस संयंत्रों	देश में 86,900 छोटे बायोगैस संयंत्र और 25	1. आदिवासी क्षेत्रों सहित देश के दूरस्थ, ग्रामीण अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ऊर्जा आवश्यकताओं	1.1. बायोगैस संयंत्र प्रदत्त	86,000 एसपीबी तथा 25 एमएसबीपी

	संयंत्रों की संस्थापना	की संख्या	मध्यम आकार के बायोगैस संयंत्र	को पूरा करने के लिए स्वच्छ ईंधन हेतु बायोगैस का प्रभावपूर्ण संवर्धन	गांव/उद्योगों/फार्मों की संख्या	

6. **मानव संसाधन विकास और प्रशिक्षण–सहायक कार्यक्रम (सी.एस.)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
70	1. नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए कुशल जनशक्ति का सृजन	1.1. नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के प्रदर्शन, परीक्षण, संस्थापना और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों/ सूर्यमित्रों की संख्या	15000	1. नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए कुशल जनशक्ति का सृजन	1.1. सृजित कुशल जनशक्ति की संख्या	15000

पंचायती राज मंत्रालय

मांग सं. 70

1. कार्य अनुसंधान एवं पब्लिसिटी: कार्य अनुसंधान (सीएस)

वित्तीय/परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
3.00	1. आरएसी द्वारा विषयों की पहचान और परियोजनाओं की संख्या	1.1. पहचाने जाने वाले विषयों की संख्या	6	1. शुरू किए जाने वाले प्रस्तावों को भेजने का अनुरोध किया गया है	1.1. अध्ययनों का कार्य दिया जाना	6
		1.2. विषयों का अंतिम चयन करना **(हां/नहीं)**	हां			
		1.3. शर्तों का मसौदा तैयार किया गया है **(हां/नहीं)**	हां			
	2. चयनित विषयों पर अध्ययनों की स्वीकृति	2.1. अध्ययनों की संख्या स्वीकृत करना	6	2. चल रहे अध्ययनों की प्रक्रिया / चयन	2.1. अध्ययन रिपोर्ट विभाग को सौंपी गई। **(हां/नहीं)**	हां
					2.2. 4 अध्ययनों की समापन दर / प्रसार **(हां/नहीं)**	हां
	3. जारी अध्ययनों को पूरा करना	3.1. प्रक्रियाधीन/चयनित चल रहे अध्ययनों की संख्या	4			

2. कार्य अनुसंधान एवं प्रचार: अंतर्राष्ट्रीय योगदान (सीएस)

वित्तीय/परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
0.20	1. अंतर्राष्ट्रीय	1.1. बातचीत के	लक्ष्य तय नहीं किए जा	1. विकेन्द्रीकरण, अंतरण और	1.1. वर्ष 2018-19 के	*

	योगदान	माध्यम से योगदान करना और सीखना	सकते क्योंकि यह योजना मांग से आधारित है; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी	स्थानीय शासन के संबंध में अन्य कॉमनवेल्थ देशों के साथ बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से सीखना	लिए राष्ट्रमंडल स्थानीय सरकार फोरम की वार्षिक सदस्यता	

** संकेतक मांग आधारित है*

3. कार्य अनुसंधान एवं प्रचार: मीडिया और प्रचार (सीएस)

वित्तीय/परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	***लक्ष्य* 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	***लक्ष्य* 2019-20**
15.00	1. राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन	1.1. वर्ष 2019-20 के दौरान 24.04.2019 को एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का सफल आयोजन **(हां/नहीं)**	हां	1. मंत्रालय और पंचायतों के अन्य प्रमुख हितधारकों के बीच बातचीत के लिए एक राष्ट्रीय मंच की सुविधा और पंचायती राज मंत्रालय की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करना.	1.1. कार्यक्रम का आयोजन **(हां/नहीं)**	हां*
	2. सांझा त्रैमासिक समाचार पत्रिका "ग्रामोदय संकल्प"	2.1. एक वर्ष में अंकों की संख्या: एक प्रति तिमाही **(हां/नहीं)**	हां	2. त्रैमासिक संस्करण का प्रकाशन	2.1. एक वर्ष में अंकों की संख्या	4
					2.2. प्रकाशित समाचार पत्रिकाओं की प्रतियों की संख्या	5.5 लाख

वित्तीय/परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20	परिणाम	संकेतक	*लक्ष्य* 2019-20
					2.3. भाषा-संस्करणों की संख्या	5
					2.4. समाचार पत्रिकाओं के प्राप्तकर्ताओं की संख्या	2.48 लाख
	3. सोशल मीडिया हस्तक्षेप	3.1. पंचायती राज और पंचायती राज मंत्रालय से संबंधित सोशल मीडिया पर डिजिटल प्लेटफार्म बनाना **(हां/नहीं)**	हां	3. सोशल मीडिया पर पंचायती राज मंत्रालय की उपस्थिति	3.1. ट्वीटस की संख्या	20
					3.2. विभिन्न भाषाओं में बनाए गए बहुत से डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से आउटरीच में सुधार हुआ	3

**आदर्श आचार संहिता के लागू हो जाने के कारण दिनांक 24.4.2019 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस आयोजित नहीं किया जा सका।*

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

मांग सं. 72

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

1. प्रशिक्षण स्कीमें

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. विदेशी प्रशिक्षण का घरेलू वित्त पोषण					
156.77	1. घरेलू प्रशिक्षण अंतराल को भरने के लिए और अन्तर्राष्ट्रीय श्रेष्ठ कार्य व्यवहार को अपनाने के लिए विदेशी प्रशिक्षण का कार्यान्वयन करना।	1.1 अल्प – अवधि के आवश्यकता – अनुकूल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	5	1. प्रशिक्षित अधिकारियों की कुल संख्या और प्रशिक्षण की भौगोलिक पहुँच	1.1 अल्प – अवधि के कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	302
		1.2 नामित अल्प अवधि कार्यक्रमों की संख्या	33		1.2 दीर्घ – अवधि के कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	56
		1.3 सीधे प्रवेश के अन्तर्गत दीर्घ-अवधि के कार्यक्रमों की संख्या	7		1.3 प्रशिक्षण की भौगोलिक कवरेज (शामिल किए गए मंत्रालय/विभाग/राज्य)	60
		1.4 नामांकन आधार पर दीर्घ – अवधि के कार्यक्रमों की संख्या	16		1.4 प्रशिक्षण की सेवा कवरेज (आईएएस/आईपीएस/ आईएफओएस/अन्य केन्द्रीय सेवाएं/राज्य सेवाएं	40
		1.5 आंशिक रूप से वित्त-पोषण के तहत कार्यक्रमों की संख्या	14		1.5 प्रशिक्षण की वैश्विक पहुंच (कार्यक्रमों में सम्मिलित किए गए विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/ देशों की संख्या)	25

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	ख. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी					
	1. प्रशिक्षण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अवसंरचना का सृजन और उन्नयन करना	1.1 लाबासना में आयोजित किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या (आधारभूत पाठ्यक्रम, चरण-I, चरण-II, एमसीटीपी, प्रवेशन और अन्य प्रशिक्षण)	9	1. समूह क और/अथवा समकक्ष स्तर अधिकारी में प्रशिक्षित जनशक्ति पूल का बढ़ा हुआ योगदान	1.1 वर्ष के दौरान प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या (समग्र और पाठ्यक्रम-वार)	1280
		1.2. प्रशिक्षित किए जा सकने वाले प्रतिभागियों की संभावित संख्या/लाबासना में चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों की प्रशिक्षण क्षमता	1280		1.2 वर्ष के दौरान आयोजित प्रशिक्षण दिवसों की संख्या	458
		1.3 छात्रावास, मोनेस्टरी एस्टेट में निर्मित की जा रही प्रमुख सुविधाओं में भौतिक प्रगति का प्रतिशत	भौतिक-100% वित्तीय-75%			
	ग. सभी के लिए प्रशिक्षण					
	1. उपयुक्त प्रशिक्षण अन्तक्षेपों के माध्यम से सिविल सेवकों की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए सभी को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से	1.1 राज्य श्रेणी प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम, गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम, और प्रवेशन प्रशिक्षण पर बृहत् संशोधित ऑनलाइन माड्यूल (सीओएमएमआईटी) के तहत 0 से 05 वर्ष की	1740	1 उन्नत सार्वजनिक सेवा सुपुर्दगी तंत्र के लिए राज्य सरकार के अधिकारीयों की दक्षता को विकसित करना।	1.1 एससीटीपी, प्रवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम, गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रवेशन पर बृहत संशोधित ऑनलाइन माड्यूल (सीओएमएमआईटी) के तहत प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	121150

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति का कार्यान्वयन	सेवा अवधि वाले सभी स्तरों पर राज्य सिविल सेवकों विशेषकर राज्य सरकार के अग्रणी पंक्ति के पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या				
		1.2 राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) /सीटीआई के संकाय सदस्यों के लिए आईआईएम/एक्सएलआरआई जमशेदपुर में एक सप्ताह और संकाय विकास स्कीम (एफडीएस) के अधीन किसी अन्य संस्थान में दो सप्ताह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	8		1.2 एफडीएस के अधीन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले/प्राप्त करने वाले संकाय सदस्यों की संख्या।	8
		1.3 प्रशिक्षु विकास कार्यक्रम के अधीन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षुओं एवं मास्टर प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	120		1.3 टीडीपी के अधीन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, मास्टर एवं मान्यता प्राप्त प्रशिक्षुओं के पूल में जोड़े जाने वाले अधिकारियों की संख्या	2600
		1.4 राज्य एटीआई की प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने के लिए उनकी बुनियादी अवसंरचना बढ़ाने	6		1.4 राज्य एटीआई में बढ़ाई जाने वाली प्रशिक्षण क्षमता	6

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		के लिए वित्तीय सहायता।				
	घ. आईएसटीएम में प्रशिक्षण सुविधाओं को बढ़ाना					
	1 सिविल सेवकों को बेहतर शिक्षण माहौल प्रदान करने के लिए बुनियादी अवसंरचना का सृजन एवं उन्नयन।	1.1 आईएसटीएम में संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या (आधारभूत पाठ्यक्रम संवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम सीएसएस/ सीएसएसएस एवं अन्य पाठ्यक्रम)	230	1 प्रशिक्षण/ शिक्षण के लिए बेहतर माहौल।	1.1 वर्ष के दौरान प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या (i) समग्र (ii) सीएसएस/सीएसएसएस संवर्ग प्रशिक्षण (iii) अन्य पाठ्यक्रम	8000
		1.2 प्रतिभागियों की संख्या जिन्हें प्रशिक्षित किया जा सकता है/आईएसटीएम में चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों की प्रशिक्षण क्षमता।	25-30		1.2 प्रशिक्षण की भौगोलिक कवरेज (मंत्रालायों/विभागों/ राज्यों की कवरेज)	सभी 51 मंत्रालय/53 विभाग/29 राज्य सरकार/ 7 संघ राज्य क्षेत्र एवं अन्य सार्वजनिकक्षेत्र के उपक्रम/ स्वायत्तशासी
		1.3 स्तरोन्नत उपकरण/खरीदे गए नए उपकरण की संख्या को दर्शाते हुए आईसीटी प्रयोगशाला, क्लास रूम सुविधाओं इत्यादि जैसी मुख्या सुविधाओं के उन्नयन में की गई वास्तविक प्रगति।	I. 144			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		ii. बढ़ाए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	II 47			निकाय आदि
		iii. नई सुविधा का उपयोग करने वाले प्रशिक्षु प्रतिभागियों की संख्या	III 9175			

1. इंडियन स्ट्रेटजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) - चरण II (कंदराओं का निर्माण) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1	1. एडीएनओसी मॉडल के अनुसार निवेश के लिए अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों की निजी भागीदारी की तलाश। (उनकी अपनी लागत पर कंदराओं को भरने के बदले भंडारण के कुछ प्रतिशत का वाणिज्यिकरण)	पीपीपी/वाणिज्यिक आधार पर एसपीआर (चरण II) के भरण और प्रचालन में प्रगति की स्थिति 1.1 .चरण II के तहत एसपीआर के भरण और प्रचालन सहित निर्माण कार्यान्वयन के लिए एक उपयुक्त कारोबारी मॉडल को अंतिम रूप देना। हां/नहीं (मंगलौर कंदराओं के लिए एडीएनओसी के साथ किए गए करार के अनुसार, कारोबारी मॉडल केवल पीपीपी होगा)	जी हां	1. चरण II के कार्यान्वयन के लिए निर्धारित वर्धित कार्यनीतिक भंडार	1.1. वह मात्रा जिसके लिए एसपीआर चरण II में भरण के लिए करार किया गया है	*
		1.2. पादूर कंदरा को भरने के लिए सउदी अरामको के साथ एक उपयुक्त करार को अंतिम रूप देना। (हां/नहीं)	जी हां		1.2 एसपीआर चरण II के लिए कंदरा निर्माण के संदर्भ में सृजित क्षमता	*
		1.3 .संभाव्य भागीदारों के साथ चर्चा सहित आयोजित रोड शोज की संख्या	*		1.3 चरण II के लिए निर्धारित भरी	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.4 .नीति आयोग और डीईए के साथ परामर्श से पीपीपी मॉडल के लिए आरएफक्यू और आरएफपी को अंतिम रूप देना तथा चरण II के लिए बोली हेतु इच्छुक कंपनियों को आमंत्रित करना। (हां/ना)	जी हां		गई मात्रा अथवा दिनों की संख्या जिनके लिए कार्यनीतिक भंडार भरा गया	
		1.5 .एसपीआर के निर्माण और कच्चा तेल से भरने के लिए प्राप्त ईओआई की संख्या	प्रगति की सूचना बताई जानी है			

2. कच्चे तेल के भंडारों के लिए इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) को भुगतान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	1. पादुर में 4 कंदराओं, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 0.625 एमएमटी है, में कच्चा तेल भरा जाना है (2.5 एमएमटी)	1.1 खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की मात्रा	1.51 मिलियन बैरल	1. कार्यनीतिक भंडार कवरेज में वृद्धि	1.1 तेल आयात के समतुल्य वृद्धिपरक दिनों के लिहाज से कुल कार्यनीतिक भंडार	एसपीआर के 4.5 दिन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1	2. एडीएनओसी मॉडल के अनुसार निवेश करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों की निजी भागीदारी की संभावना तलाश करना (अपनी लागत से कंदरा को भरने के स्थान पर भंडार के एक निश्चित प्रतिशत का वाणिज्यीकरण)	2.1 आईएसपीआरएल की एडीएनओसी के साथ भागीदारी की स्थिति (चरण-I)	पादुर में दो कंदराओं, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 0.625 एमएमटी है, में कच्चा तेल भरने के लिए 11 नवंबर, 2018 को एडीएनओसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। एडीएनओसी के साथ परामर्श करके सुस्पष्ट करार को तैयार किया जा रहा है/अंतिम रूप दिया जा रहा है।	2. आईएसपीआरएल – एडीएनओसी की भागीदारी के चलते कार्यनीतिक भंडार कवरेज में हुई वृद्धि	2.1 आईएसपीआरएल – एडीएनओसी की भागीदारी के चलते कार्यनीतिक भंडार कवरेज की दिनों की संख्या में हुई वृद्धि	एसपीआर के 4.5 दिन *

**देश में 9.5 दिनों के लिए भंडार सहित भंडारण की कुल क्षमता 5.03 एमएमटी है।*

3. प्रधान मंत्री जी-वन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
37.87	1. 2जी एथेनॉल रिफाइनरियों की स्थापना	1.1. विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएफआर) प्रस्तुत की गई (संख्या)	6	1. व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य 2जी एथेनॉल उत्पादन स्थापित करना	1.1. नई प्रौद्योगिकियों को अपनाया और वाणिज्यिकृत किया	3
		1.2. स्थापित की गई 2 जी एथेनॉल रिफाइनरियों की संख्या	*	2. वर्धित एथेनॉल उत्पादन	2.1. क्षमता का उपयोग% (सृजित एथेनॉल उत्पादन की मात्रा * 100/ एथेनॉल उत्पादन के लिए क्षमता)	*
		1.3. निष्पादित एथेनॉल खरीद करारों कीसंख्या (ईपीए)	6	3. सम्मिश्रण के लिए एथेनॉल की उपलब्धता में वृद्धि करके जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना	3.1. एथेनॉल सम्मिश्रण% में वृद्धि (जी-वन के तहत स्थापित संयंत्रों से उत्पादन के कारण)	*
	2. आरएंडडी का संवर्धन: बायोमास की दूसरी पीढ़ी का एथेनॉल प्रौद्योगिकियों में स्वदेशीकरण	2.1. चालू किए गए डिमान्स्ट्रेशन संयंत्रों की संख्या	*			
		2.2. समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं कीसंख्या	3			
	3. आधारभूत संरचना बढ़ाना	3.1. चालू वाणिज्यिक संयत्रों कीसंख्या	*			
	4. जीवाश्म ईंधन	4.1. एथेनॉल उत्पादन क्षमता	*			

	निर्भरता कम करना	बढ़ाई गई (करोड़ लीटर/वार्षिक)				
	5. ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना	5.1. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए गए (संख्या)	एमओपीएनजी द्वारा माप तंत्र को स्थापित/ नियोजित किया जाना है।**			
	6. जैव रिफाइनरी लाभप्रदता	6.1. जैव ईंधनों व औद्योगिक जैव रसायन की बिक्री से लाभ (करोड़ रूपए में)	*			

****** परियोजनाएं निर्माण चरण में हैं, इसलिए इस वर्ष के लिए लक्ष्य शून्य हैं। जब कभी संयंत्रों को चालू किया जाएगा तो गैर-शून्य लक्ष्यों को निर्धारित किया जा सकता है।*

******* इन सूचकों को मापने के लिए नए तंत्र की योजना बनाई जानी चाहिए और इस योजना के आंरभिक चरण के बाद से इसे सही तौर पर स्थापित करना चाहिए क्योंकि – **(i)** इस योजना के कारण वृद्धिशील प्रगति को मापने के लिए आधार रेखा बनाने में मदद की जा सकती है और **(ii)** बाहरी एजेंसियों/बहुपक्षों जैसे पीएमयूवाई से डेटा पर भरोसा करने के बजाए सार्वजनिक रूप से प्रगति की रिपोर्ट देने के लिए भारत सरकार के भीतर ही डेटा का विश्वसनीय विकास करें।*

4. मिट्टी तेल राजसहायता: मिट्टी तेल वितरण में सुधार के लिए नकद प्रोत्साहन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
257.00	1. मिट्टी तेल वितरण सुधारों में राज्यों की अधिक भागीदारी	1.1 डीबीटीके के तहत विभिन्न प्रकार के वितरण और आवंटन सुधारों के लिए राज्यों की संख्या जिन्हें नकद प्रोत्साहन दिया जा रहाहै	* (नौ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पहले से दिए जा रहे हैं)	1. वितरण सुधारों के माध्यम से मिट्टी तेल उठाव में कमी	1.1 स्वैच्छिक कटौती के माध्यम से योजना में शामिल होने वाले राज्यों की संख्या	* (नौ राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों को पहले से दिए जा रहे हैं)

** डीबीटीके योजना दिनांक 01.04.2016 से लागू है और यह **4** साल के लिए अर्थात् वित्त वर्ष 2019-20 तक लागू है। केवल झारखंड ने दिनांक 01.07.2017 से अपने सभी 24 जिलों में इस योजना को लागू कर दिया है। डीबीटीके के कार्यान्वियन में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहमति महत्वपूर्ण है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाया हुआ है और उन्हें प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) का चयन करके या अपने वार्षिक पीडीएस मिट्टी तेल आबंटन में स्वैच्छिक कटौती करके वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए डीबीटीके योजना में शामिल होने का अनुरोध कर रहा है। अब तक, हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश, दिल्ली और केन्द्रत शासित प्रदेश चंडीगढ़, दमन और दीव, दादर और नगर हवेली तथा पुदुचेरी राज्य 'मिट्टी तेल मुक्त' राज्य बन गए हैं और कर्नाटक, तेलंगाना, हरियाणा, नागालैंड, बिहार, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा ने स्वैच्छिक कटौती की है। इसके मद्देनजर यह प्रतीत होता है कि वित्त वर्ष 2019-20 में डीबीटीके योजना में नए राज्यों के शामिल होने की संभावना नहीं है।*

5. मिट्टी तेल राजसहायता: प्रत्यक्ष लाभ अंतरण – मिट्टी तेल राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
168.00	1. शीघ्र अनुपालन और आधार से जुड़े हुए बैंक खाते	1.1. जिन जिलों में यह प्रणाली कार्यान्वित की गई उनकी संख्या	*	1. राजसहायता बिल में बचत	1.1. बहु/निष्क्रिय कनेक्शनों को बंद करने से हुई बचत (संचयी) (करोड़ रुपए में)	*
		1.2 आधार से जुड़े हुए और बैंक खाते वाले लाभार्थी सूची का %	झारखंड के लिए 100%			
		1.3 राशनकार्ड धारक के बैंक खाते में नकद में राजसहायता अंतरण में लगने वाले दिनों की औसत संख्या (दिनों में)	15 दिन			

**डीबीटीके योजना को 01.04.2016 से कार्यान्वित किया जा रहा है और 4 वर्षों अर्थात वित्त वर्ष 2019-20 तक लागू है। केवल झारखंड राज्य में दिनांक 01.07.2017 से अपने सभी जिलों में योजना को कार्यान्वित किया है। डीबीटीके के कार्यान्वयन में राज्यों/यूटीज की सहमति महत्वपूर्ण है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय राज्यों/यूटीज के साथ नियमित रूप से संपर्क में है और उनसे प्रत्येक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) का विकल्पि चुनकर अथवा अपने वार्षिक पीडीएस मिट्टी तेल आबंटन में स्वेलच्छा से कटौती करके डीबीटीके योजना में शामिल होने तथा वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए अनुरोध कर रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए, यह प्रतीत होता है कि वित्त वर्ष 2019-20 में नए राज्यों के डीबीटीके योजना में शामिल होने की संभावना नहीं है।*

6. ऊर्जा उत्कृष्टता केंद्र, बेंगलुरू की स्थापना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1.00	बैंगलोर एनर्जी इंस्टीट्यूट (बीईआई), बेंगलुरु कर्नाटक की स्थापना।	बीईआई के निर्माण पर प्रगति %	10.40%	एम.टेक छात्रों के लिए स्टेट ऑफ द आर्ट, बेंग्लोर एनर्जी इंस्टीट्यूट में बुनियादी संरचना उपलब्ध होगी	1.1. संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या	1.1 3 *
					1.2. संस्थान में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों से उत्तीर्ण होने वाले एम.टेक छात्रों कीसंख्या	1.2 40 **

** (क) ऊर्जा विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में एम.टेक*
(ख) पॉवर एंड एनर्जी सिस्टम्स इंजीनियरिंग कार्यक्रम में एम.टेक
(ग) नवीकरणीय और वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम में एम.टेक
*** वर्ष 2019-20 के दौरान, पहले बैच से 4 छात्रों और पिछले बैच से 36 छात्रों सहित लगभग 40 छात्र (प्रत्येक पाठ्यक्रम से 12 छात्र) अर्हता प्राप्त करेंगे ।*

1. स्व-रोजगार एवं प्रतिभा उपयोग (सेतु) सहित अटल नवोन्मेष मिशन (एआईएम) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
303.74	1. नवप्रवर्तन और उद्यमिता के लिए मंच का सृजन करना।	1.1 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** बनाए गए/स्थापित किए गए अटल इंक्यूबेशन केन्द्रों की संख्या	90	1. भारत में उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना	1.1 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** इंक्यूबेशन प्राप्त करने वाले स्टार्ट-अप्स की संख्या	840
		1.2 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** आयोजित कार्यक्रमों और अनुमानित भागीदारी/कार्यों की संख्या	480		1.2 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** वित्त पोषित/अधिगृहीत/ अधिगृहीत-किराए पर लिए स्टार्ट-अप्स की संख्या	26
		1.3 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** अटल इंक्यूबेशन केन्द्रों में इंक्यूबेशन प्राप्तकर्ताओं की संख्या	840		1.3 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** अटल इंक्यूबेशन केन्द्रों में बाह्य निवेश की संख्या	38
		1.4 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** आयोजित प्रशिक्षणों और आईएंडडी कार्यशालाओं की संख्या और अनुमानित उपस्थिति	200		1.4 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** सृजित रोज़गारों की संख्या	1450
		1.5 **अटल इंक्यूबेशन केन्द्र:** अटल इंक्यूबेशन केन्द्रों द्वारा स्थापित	300		1.5 अटल टिकरिंग प्रयोगशालाएं: नवप्रवर्तन चुनौती को पूरा करने वाले	300

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		भागीदारियों की संख्या			छात्रों की संख्या	
		1.6 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं:** स्थापित की जाने वाली अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं की संख्या	10500		1.6 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं** पेटेंट की गई प्रौद्योगिकियों की संख्या (अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला के छात्रों और अटल इंक्यूबेशन केन्द्रों के इंक्यूबेशन प्राप्तकर्ताओं द्वारा)	*
		1.7 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं:** अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं में नामांकित छात्रों की संख्या (कुल विद्यालयों और समुदाय छात्रों की संख्या)।	4188000		1.7 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं** एटीएल के छात्रों द्वारा जीते गए नवाचार पुरस्कारों की संख्या	*
		1.8 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं:** अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं में नियोजित अध्यापकों की संख्या (कुल विद्यालयों में)	21000		1.8 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं** छात्रों द्वारा दायर किए गए पेटेंट/ प्रकाशन/कागजात की संख्या	*
		1.9 **अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं:** शुरू की गई अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला नवप्रवर्तन चुनौतियों की संख्या।	18			
		1.10 **अटल टिंकरिंग**	750			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		प्रयोगशालाएं: शुरू की गई अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला नवप्रवर्तन चुनौतियों की संख्या।				
	2. देश के नवप्रवर्तन पारि-तंत्र की निगरानी के लिए एक वृहद ढांचा तैयार करना।	2.1 एआईएम में नामांकित परिवर्तन लाने वाले स्वयंसेवकों/परामर्शदाताओं की संख्या	9600			
		2.2 आयोजित कार्यक्रमों/ चुनौतियों की संख्या (वैश्विक, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय)	60			
		2.3 चुनौतियों संबंधी कार्यों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या (भागीदारी करने वाले आवेदक, विजेता)	3000			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

1. ऊर्जा संरक्षण योजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
110	(क) ऊर्जा संरक्षण योजना: जागरूकता					
	1. ऊर्जा संरक्षण/ जागरूकता के विपणन के लिए जागरूकता गतिविधियां तथा परियोजनाएं।	1.1. आयोजित किए गए ऊर्जा संरक्षण जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	12	1. ऊर्जा बचत	1.1. ऊर्जा संरक्षण के कारण ऊर्जा बचत (बीयू में)।	19 मिलियन टीओई (पीएटी के तहत) और 18.4 बीयू (एस एंड एल स्कीम के तहत)
		1.2. आयोजित पेंटिंग कम्पिटीशनों की संख्या	1 (राष्ट्रीय स्तर)			
		1.3. आयोजित पेंटिंग कम्पिटीशनों में प्रतिभागियों की संख्या	1.1 करोड़			
		1.4. राष्ट्रीय संवर्धित ऊर्जा दक्षता मिशन के अंतर्गत शामिल डीसी की संख्या	230			
		1.5. एफआई/ईएससीओ के लिए आयोजित किए गए प्रशिक्षणों की संख्या।	2-3 (वित्तीय संस्थानों के लिए) और 1 (ईएससीओ के लिए)			
		1.6. डीसी के लिए आयोजित प्रशिक्षण/कार्यशालाओं की संख्या	15		1.2.पीएटी के अंतर्गत शामिल	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[9]
		1.7. ऊर्जा प्रबंधकों/प्रमाणीकृत	150 (ऊर्जा			

[9] *पीएटी के तहत शामिल क्षेत्र में एसईसी कटौती के लक्ष्य का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	सूचक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	सूचक	लक्ष्य 2019-20
		ऊर्जा लेखापरीक्षकों की संख्या	प्रबंधक) और 250 (ऊर्जा लेखापरीक्षक)		क्षेत्रों में विशिष्ट ऊर्जा खपत (एसईसी) मेंकमी	
	(ख). **नेशनल मिशन फॉर इन्हैंस्ड एनर्जी एफिशिएंसी (सीएस, ईसीएस के अंतर्गत कवर की गई योजना)**					
	1. निष्पादन, प्रापण तथा व्यवसाय (पीएटी) के अंतर्गत कार्यशालाएं एवं प्रमाणीकरण।	1.1. पणधारकों की क्षमता निर्माण के लिए कार्यशालाओं की सं.	30	1. उन्नत ऊर्जादक्षता/ बचतें	1.1. बचत की गई ऊर्जा की कुल यूनिटें (ऑयल इक्विवेलेंट मिलियन टन)	9.0
		1.2. पीएटीचक्र-II के अंतर्गत शामिल डीसीएस का एम एंड वी (संख्या में)	621			
		1.3. पीएटीचक्र-V के अंतर्गत डीसी शामिल करना (संख्या में)	110			
		1.4. ऊर्जा प्रबंधकों/ऊर्जा लेखापरीक्षकों का प्रमाणीकरण (संख्या में)	1000			
	2. ऊर्जा दक्षता के लिए बाजार अंतरण	2.1 प्रदर्शन के माध्यम से नई तकनीकी की पहचान तथा वाणिज्यिकीकरण	2			
	3. ऊर्जा दक्षता वित्तपोषण मंच	3.1. ईएससीओ, बैंकों, उद्योगों इत्यादि सहित पणधारकों का क्षमता निर्माण (संख्या)	400			

रेल मंत्रालय **मांग सं. 82**

1. **प्रशिक्षण/मानव संसाधन विकास (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
125	1. प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशालाओं, आदि का आयोजन	1.1 आयोजित प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं/ सेमिनारों की संख्या	3,800	1. रेलवे कर्मचारी और संबंधित हितधारकों की क्षमता संवर्धन	1.1. प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या।	3,80,000

2. रेलवे अनुसंधान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
90.1	आरडीएसओ में अनुसंधान एवं विकास संबंधी गतिविधियों में वृद्धि	1.1 नए डिजाइन वाले चल स्टॉक, रेलपथ के पुर्ज़ों, ओएचई उपस्करों और ओएचई उपस्करों और ओएचई के साथ पैंटो-इंटरफेस, सिगनलिंग व्यवस्था आदि के सत्यापन और परीक्षण के लिए एक समर्पित परीक्षण रेलपथ डिजाइन करने और संस्थापित करने के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।	ज्ञान साझाकरण, भारतीय रेल की परिचालनिक स्थितियों के अनुरूप अनुकूलन और कार्यान्वयन के लिए एक विस्तृत योजना बनाना।	1. नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना/रेलवे अवसंरचना का अपग्रेडेशन	1.1 अन्य चालू परियोजना के तहत निष्पादन के लिए एक विस्तृत डिजाइन दस्तावेज को अंतिम रूप देना जिसमें रेलपथ संरचना, रेलपथ ज्यामिति, संरेखण, ब्रिज स्पैन, लाइन साइड मॉनीटरिंग सिस्टम, ओएचई डिजाइन आदि शामिल हैं।	*
		1.2 इंस्ट्रूमेंटेड मेजरिंग व्हील और वैगन डिजाइन सॉफ्टवेयर की खरीद।	कोचिंग स्टॉक, वैगन स्टॉक के लिए इंस्ट्रूमेंटेड व्हील सेट की खरीद।		1.2 डिजाइन के प्रमाणीकरण के लिए विभिन्न गतियों पर विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए रेल-पहिया बलों की मैपिंग के लिए क्षमता का विकास करना और रेलपथ की विभिन्न कोटियों के चल स्टॉक की गति क्षमता का	*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					मूल्यांकन करना।	
		1.3 रेलपथ तनाव गणना पद्धति पर परामर्श।	रेलपथ तनाव गणना पद्धतियों के तरीकों और इसमें शामिल कारकों का सत्यापन।		1.3 भारतीय रेल द्वारा अपनाई गई तनाव गणना पद्धति की तुलना दुनिया भर में रेलमार्गों पर अपनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत मानदंडों के साथ करना।	*
		1.4 आरडीएसओ के लिए नई अनुसंधान गतिविधियाँ: एसेट हेल्थ मॉनिटरिंग प्रोसेस ऑटोमेशन, स्पीड अपग्रेड टेक्नोलॉजीज, हैवी हॉल, रेलवे परिसंपत्तियों की सभी कोटियों और अवसंरचना के लिए भविष्यसूचक अनुरक्षण प्रौद्योगिकी के लिए अनुसंधान परियोजनाएं और आरडीएसओ की सभी अल्पकालिक अनुसंधान परियोजनाएं।	मौजूदा प्रयोगशालाओं का उन्नयन करने और अतिरिक्त परीक्षण सुविधाओं को शामिल करने से आरडीएसओ में अनुसंधान गतिविधियों को गति मिलती है जो अंततः संरक्षा और सुरक्षित यात्रा के लिए रेलवे के लिए लाभदायक है।		1.4 रेलवे अनुसंधान एवं संरक्षा के लिए लाभकारी नई प्रौद्योगिकियों का समावेश करना।	*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.5 आरडीएसओ में अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं का आधुनिकीकरण	विभिन्न अनुसंधान/ सिमुलेशन/ परीक्षण/ प्रमाणीकरण/ जांच/ प्रौद्योगिकी और विकास परियोजना के मूल्यांकन के लिए आरडीएसओ में अतिरिक्त सुविधाओं और परीक्षण उपकरणों का निर्माण करना जिसमें एलटीआरआर (श्रेष्ठ) के नव निर्मित कक्ष और आरडीएसओ की सभी दीर्घकालिक परियोजनाएं शामिल हैं।		1.5 किसी भी विश्वस्तरीय रेलवे अनुसंधान एवं विकास संगठन के समान विश्वस्तरीय रेलवे अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करना।	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

1. परिवहन स्कंध - (सीएस)[10]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
280.00	1. विभिन्न प्रचार उपायों के माध्यम से आम लोगों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता पैदा करना।	1.1 टीवी रेडियो एफएम चैनल, सिनेमा हॉल आदि में सड़क सुरक्षा संदेशों के प्रसारण के लिए मीडिया रणनीति विकसित करना - सड़क सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के अभियानों की संख्या **(हाँ/नहीं)**	**हाँ**	1. सड़क दुर्घटनाओं घातकताओं की संख्या में कमी और सड़क सुरक्षा के बारे में बढ़ी हुई जागरूकता।	1.1. सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं- आकस्मिक चोट, मृत्यु में कमी	10%
		1.2 सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों/ सेमिनारों/ प्रदर्शनियों आदि की संख्या	*	2. एसटीयू में बेड़े प्रबंधन में सुधार करना, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की संरक्षा और सुरक्षा, सेवा प्रदानगी और ग्राहक अनुभव में सुधार।	2.1. वाहन ट्रैकिंग उपकरणों की संख्या	*
		1.3 सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिभागिता करने वाले गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	200		2.2. इलेक्ट्रॉनिक और नकदी रहित टिकट प्रणाली	*
	2. असंगठित क्षेत्र में चालकों के लिए	2.1. असंगठित क्षेत्र के एचएमवी चालकों को	*		2.3. यात्री सूचना प्रणाली वाले	*

[10] इसमें अनुसंधान प्रशिक्षण और अध्ययन: अनुसंधान, प्रशिक्षण अध्ययन तथा अन्य सड़क सुरक्षा स्कीमें शामिल हैं।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	पुनश्चर्या प्रशिक्षण का आयोजन और मानव संसाधन विकास	प्रदत्त प्रशिक्षणों की संख्या			वाहनों की संख्या	
		2.2. प्रशिक्षित चालकों की संख्या	*	3. सार्वजनिक और निजी बसों के लिए यात्री सुविधाओं से सुसज्जित बस अड्डों का निर्माण व गुणवत्तायुक्त अवसंरचना / सेवा के माध्यम से बेहतर सार्वजनिक परिवहन सेवाएं	3.1. नव निर्मित सुविधा के माध्यम से परिचालित बसों (सार्वजनिक / निजी) की संख्या	20000
	3. वाहन निरीक्षण केंद्रों की स्थापना और संचालन।	3.1. आई एंड सी केंद्र स्थापित करने के लिए अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	6	4. डिजिटल समर्थ आरटीओ	4.1. वाहन 4.0 और सारथी 4.0 में उन्नत किए गए आरटीओ की संख्या	100%
		3.2 स्थापित निरीक्षण और प्रमाणन केंद्र की संख्या।	2			
		3.3 संचालित आई एंड सीकेंद्रों की संख्या	2			
	4. चालक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान की स्थापना	4.1. चालक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान स्थापित करने के लिए अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	3	5. परिवहन सेवाएं ऑनलाइन प्राप्त करने के इच्छुक लोगों की संख्या में वृद्धि	5.1. परिवहन संबंधी सेवाएं ऑनलाइन प्राप्त करने के इच्छुक	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		4.2. चालक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान का स्थापना कार्य पूर्ण करना	*		प्रयोक्ताओं की संख्या	
		4.3. आरटीडीसी की स्थापना के लिए अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	5	6. सार्वजनिक परिवहन में महिला यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा	6.1. उन राज्यों की संख्या जहाँ वाहन की ट्रेकिंग और आपातकालीन बटन के लिए बैकइंड सुविधा स्थापित की गयी है	36
		4.4. आरटीडीसी की स्थापना कार्य का पूरा होना	*			
		4.5. स्वचालित चालक परीक्षण ट्रैक स्थापित करने के लिए अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	10			
		4.6. स्वचालित चालक परीक्षण ट्रैक की स्थापना का कार्य पूरा होना	2			
		4.7. छोटे चालन केंद्रों की स्थापना के लिए अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	50			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		4.8 छोटे चालन केंद्रों की स्थापना के लिए अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	10			
	5. **आईटीएस योजना के तहत सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ करना** – नवीनतम तकनीकों (जीएसएम / जीपीएस वाहन ट्रैकिंग, आरक्षण प्रणाली, यात्री सूचना प्रणाली) के उपयोग के लिए राज्य सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान करना	5.1 संस्वीकृति हेतु सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	2			
		5.2 वर्ष के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	1			
	6. बीओटी / एचएएम आधार पर राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में बस पोर्ट का विकास	6.1 विभिन्न राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	10			
		6.2 अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या	3			
		6.3 विकसित बस अड्डों की संख्या	*			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	7.1 वाहन पंजीकरण, लाइसेंस और टिकट प्रणाली में डिजिटल पहल	7.1 डिजिटल लाइसेंसों वाले कारों की संख्या और% कवरेज (अर्थात्कवर/ कुल कार)	100%			
		7.2 डिजिटल रूप से जारी किए गए लाइसेंसों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते क्योंकि स्कीम मांग आधारित है; वास्तविक प्रगति की सूचना दे दी जाएगी			
	8. ई-भुगतान के लिए अधिक विकल्प, एसएमएस संसूचना, खुला एपीआई, तृतीय पक्षकार एकीकरण आदि।	8.1. ड्राईविंग लाइसेंस हेतु आवेदन करने के लिए, अन्य सुविधाओं जैसे पते में परिवर्तन, एनओसी, वाहन फिटनेस शुल्क भुगतान, परमिट शुल्क भुगतान हेतु ऑनलाइन लेनदेन की संख्या	माप के साधन विकसित किए जाने हैं; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी			
	9. वाहन 4 और सारथी 4 पूरा होना और उसकी शुरूआत	9.1. वाहन 4 और सारथी 4 की शुरूआत **(हाँ /नहीं)**	**हाँ**			
	10. निर्भया फ्रेमवर्क के अंतर्गत राज्यों / संघ	10.1 विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त	36			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	राज्य क्षेत्रों में एआईएस 140 विनिर्देशन के अनुसार सुरक्षा और प्रवर्तन के लिए राज्य वार वाहन ट्रेकिंग प्लेटफॉर्म का विकास, अनुकूलन, नियोजन और प्रबंधन	प्रस्तावों की संख्या				
		10.2 इस योजना में भाग लेने वाले राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	36			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

ग्रामीण विकास विभाग

1. **राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीएवंपीआर) (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100	1. प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्शदाता के परस्पर संबंधित कार्यकलापों के माध्यम से ग्रामीण विकास पदाधिकारियों, पीआरआई, बैंकर, एनजीओ और स्टेक होल्डरों के निर्वाचित प्रतिनिधियों का क्षमता निर्माण करना	1.1 वरिष्ठ स्तरीय विकास प्रबंधकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, एनजीओ और अन्य स्टेक होल्डरों के लिए कराए गए प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं/ सेमीनारों आदि की कुल संख्या	1650	1. ये ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए थिंक-टैंक के रूप में कार्य करते हैं और विषय-वस्तु तैयार करते है तथा प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करते हैं और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की बेहतर आयोजना और कार्यान्वयन में	1.1 प्रकाशनों की कुल संख्या (आवधिक/ रिपोर्ट/मॉड्यूल्/ अन्य प्रकाशन)	45
		1.2 विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागी व्यक्तियों की कुल संख्या	41250			

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.3 शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	50	बहुत सहायता भी करते हैं।	1.2 पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के राज्य-वार कार्यकलापों और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों पर प्रकाशित रिपोर्टों की संख्या	5

2. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना (आईजीएनडीपीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
247.37	1. लाभार्थियों की कवरेज	1.1 लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	10.59 लाख	1. समाज के सबसे गरीब तबके के लोगों को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1 आधार से जुड़े पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	100%

3. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: अन्नपूर्णा योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
62.85	1. लाभार्थियों की कवरेज	1.1 लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	8.32 लाख	1. समाज के सबसे गरीब तबके के लोगों को सामाजिक सहायता प्रदान करना	1.1आधार से जुड़े पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	100%

भूमि संसाधन विभाग

1. डिजिटल इंडिया पहल - भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
150.00	1. देश में 100 जिलों में भूमि अभिलेखो न कम्प्यूटरीकरण	1.1. अधिकारों के अभिलेख कंप्यूटरीकृत किए गाय (ग्रामों की संख्या)	25,000	1. मौजूदा एकीकृत भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली के मूल तत्व	1.1. कंप्यूटरीकृत अधिकारों के अभिलेख, डिजिटिकृत भू-कर मानचित्र, मानचित्र/ एफ़एमबी अधिकारों के अभिलेखों के साथ भू-कर मानचित्रों/एफ़एमबी के साथ समेकन, राजस्व कार्यालयों में अंतर-संयोजकता, एसआरओ के साथ राजस्व कार्यालयों की संयोजकता और समेकन	50 जिले
		1.2. डिजिटिकृत मानचित्र/ एफ़एमबी (सं.)	8,00,000			
		1.3. भू-कर मानचित्रों/एफ़एमबी के साथ समेकित अधिकारों के अभिलेख (ग्रामों की सं.)	50,000			
	2. देश में 100 जिलों में रजिस्ट्रीकरण का कम्प्यूटरीकरण	2.1. कंप्यूटरीकृत उप-रजिस्ट्रार कार्यालय (एसआरओ) (सं.)	250			
	3. 100 जिलों में भूमि अभिलेखों (आरओआर) के साथ रजिस्ट्रीकरण का समेकन	3.1. राजस्व कार्यालयों के साथ जोड़े गए और समेकित एसआरओ (सं.)	800			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. आधुनिक अभिलेख कक्ष	4.1. आधुनिक अभिलेख कक्षों की स्थापना	500			

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

मांग सं. 86

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

1. **अनुसंधान एवं विकास (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
611	1.अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: आर एंड डी परियोजनाओं को सहायता, वैज्ञानिक आदान-प्रदान तथा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए क्षमता निर्माण।	1.1 द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए सहायता-प्रदत्त जारी एवं नई सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या।	380	1. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ज्ञानाधार को बढ़ाना।	1.1 वैज्ञानिक पत्रिकाओं की सूची में भारत की वैश्विक रैंकिग	6
		1.2 द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए सहायता-प्रदत्त वैज्ञानिक आदान-प्रदानों की संख्या।	2000		1.2 मौजूदा वर्ष में अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीवद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	600
		1.3 द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए प्रदत्त एवं सहयता-प्राप्त प्रशिक्षुतावृत्तियों, छात्रवृत्तियों तथा अध्येतावृत्तियों की संख्या	370		1.3 मौजूदा वर्ष में विकसित/अंतरित/ वाणिज्यिकृत उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
		1.4 द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए आयोजित सम्मेलनों/सेमिनारों/संगाष्ठियों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं की संख्या	120		1.4 मौजूदा वर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा (दाखिल/प्रदत्त) पेटेंटों की संख्या	20
					1.5 विभिन्न कार्यकलापों के जरिए	500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	
	2. राष्ट्रीय नैनो विज्ञान तथा नैनो प्रौद्योगिकी मिशन: नैनो विज्ञान के आधारभूत पहलुओं पर अनुसंधन एवं विकास सहायता, जनशक्ति को प्रशिक्षण और उद्योग-शैक्षणिक जगत की भागीदारी	2.1 नैनो मिशन के अंतर्गत सहायता-प्रदत्त जारी तथा नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: व्यष्टिगत वैज्ञानिक-केंद्रिक परियोजनाएं, उद्योग-शैक्षणिक जगत की भागीदारी वाली परियोजनाएं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परियोजनाएं।	60	2. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संवार्धित अनुसंधान एवं विकास।	2.1 मौजूदा वर्ष के दौरान पूरी की गई परियोजनाओं में अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की कुल संख्या।	80
		2.2 सहायता-प्रदत्त नैनो विज्ञान इकाइयों/ सुविधा केंद्रों की संख्या	5		2.2 विभिन्न परियोजनाओं में विकसित/ अंतरित/ वाणिज्यीकृत उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		2.3 नैनो मिशन के अंतर्गत प्रदत्त पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृत्तियों की संख्या	9		2.3 मौजूदा वर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा पेटेंटों की दाखिल/प्रदत्त) संख्या।	6
		2.4 नैनो मिशन के अंतर्गत आयोजित सम्मेलनों/सेमिनारों/संगोष्ठियों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमो/कार्यशालाओं की संख्या	5		2.4 नैनो मिशन के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलापों के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	15
	3. मूलभूत अनुसंधान के लिए वृहत सुविधा	3.1 सहायता प्रदत्त जारी तथा नई वृहत विज्ञान परियोजनाओं	13	3. भारत की विज्ञान और	3.1 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान	130

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	केंद्रः राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण वृहत विज्ञान परियोजनाओं को सहायता	की संख्या		प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना	प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	
		3.2 वृहत विज्ञान परियोजनाओं में पी.एचडी. की संख्या	10		3.2 मौजूदा वर्ष के दौरान डिजाइन किए गए/प्रोटोटाइप/ विकसित किए गए संघटकों/ प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		3.3 आयोजित सम्मेलनों/ सेमिनारों/संगोष्ठियों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं की संख्या	5		3.3 विभिन्न कार्यकलापों के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	50
	4. जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमः एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के जरिए जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में ज्ञान नेटवर्कों तथा मानव एवं संस्थागत दोनों क्षमताओं का विकास	4.1 एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के जरिए सृजित ज्ञान नेटवर्क	1	4. अनुसंधान क्षमता, कार्यन्वयन, निगरानी तथा समन्वय तंत्रों में सुधार करके पारिस्थितिकीय रूप से संधारणीय विकास हेतु प्रबंधन उपाय करना।	4.1 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्याः ज्ञान नेटवर्क	4
		4.2 एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के अंतर्गत स्थापित केंद्रों की संख्या	1		4.2 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्याः केंद्र	5
		4.3 जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहायता प्रदत्त अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	10		4.3 जलवायु परिवर्तन अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					पत्रिकाओं) की संख्या	
		4.4 जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों के अंतर्गत सहायता प्रदत्त अध्येतावृत्तियों/छात्रवृत्तियों/ प्रशिक्षुतावृत्तियों की संख्या	6		4.4 विभिन्न कार्यकलापों- अध्येतावृत्ति/ प्रशिक्षुतावृत्ति/ छात्रवृत्ति के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	6
		4.5 जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में हितधारकों के लिए आयोजित सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं की संख्या	10		4.5 विभिन्न कार्यकलापों- सम्मेलन/प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	100
	5. सुपर संगणना सुविधा केंद्र और क्षमता निर्माणः आर एंड डी संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा एनकेएन का प्रयोग करने वाले 1 मिलियन कोर क्लाउड में अवस्थित 70 सुपर कम्प्यूटरों को जोड़ने वाले ग्रिड को सहायता पहुंचाना	5.1 मौजूदा वर्ष के दौरान संस्थापित सुपर कम्प्यूटरों की संख्या (निर्माण/क्रय)	20	5. भारत की सुपर कम्प्यूटिंग क्षमताओं का निर्माण करके उसकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना।	5.1 एचपीसी प्रशिक्षित जनशक्ति (विषय-विशिष्ट/गैर-विषय विशिष्ट)	1500
		5.2 सहायता प्रदत्त और चल रहे एचपीसी संबंधित कार्यकलापों की संख्याः अनुप्रयोजनों से संबंधित	5		5.2 ग्रिड में एचपीसी प्रयोक्ताओं की संख्या	500
		5.3 सहायता प्रदत्त और चल रहे एचपीसी संबंधित कार्यकलापों की संख्याः अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		5.4 सहायता प्रदत्त और चल रहे एचपीसी संबंधित कार्यकलापों की संख्याः मानवसंसाधन विकास पाठ्यक्रम	5 केंद्र (15 प्रशिक्षण)			
	6. क्वांटम समर्थित विज्ञान और प्रौद्योगिकी (क्वेस्ट) : क्वांटम कम्प्यूटर्स, संचार तथा क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (क्यूकेडी) के मूलभूत पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास, जनशक्ति प्रशिक्षण, सम्मेलन तथा कार्यशालाओं हेतु सहायता	6.1 फोटोनिक्स में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	23	6. क्वांटम प्रौद्योगिकी में भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना	6.1 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	10
		6.2 नाइट्रोजन वेकेन्सी तथा मैग्नेटिक रेजोनेंस में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	9		6.2 मौजूदा वर्ष के दौरान डिजाइन किए गए/प्रोटोटाइप/विकसित किए गए संघटकों/ प्रौद्योगिकियों की संख्या	0
		6.3 आयनट्रैप्स में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	9	7. शैक्षणिक जगत/उद्योग जगत में परिनियोजन के लिए उच्च दक्षतायुक्त जनशक्ति तैयार करना।	7.1 सृजित दक्ष जनशक्ति की संख्या	20
		6.4 क्वांटमडॉट्स में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	10			
	7. नेटवर्क्ड इमेजिंग स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड एप्लीकेशन्स (एनआईएसए) स्कीमः	7.1 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	35	8. हेट्रोस्पेक्ट्रल इमेजिंग में भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी	8.1 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	15

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	स्पेक्ट्रोस्कोपी, इमेजिंग, रिमोट सेंसिंग, प्रौद्योगिकी विकास के मूलभूत पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास, जनशक्ति प्रशिक्षण, सम्मेलन तथा कार्यशालाओं हेतु सहायता	7.2 अनुप्रयोगों की संख्या	6	प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना	8.2 मौजूदा वर्ष के दौरान डिजाइन किए गए/प्रोटोटाइप/ विकसित किए गए संघटकों/ प्रौद्योगिकियों की संख्या	3
		7.3 विकसित प्रौद्योगिकियों (टीआरएल3) की संख्या	10		8.3 सृजित दक्ष जनशक्ति की संख्या	30
		7.4 पीएचडी की संख्या	30			
	8. डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत (आईएचडीएस) : प्रौद्योगिकी अभिग्रहण अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, अनुप्रयोगों, प्रौद्योगिकी विकास, जनशक्ति प्रशिक्षण, सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं के लिए सहायता	8.1 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	50	9. स्टार्ट-अप्स/ उद्यमशीलता के जरिए देशी उत्पाद/ प्रौद्योगिकी विकास एवं वाणिज्यीकरण में वृद्धि	9.1 मौजूदा वर्ष में डिजाइन किए गए संघटक/प्रौद्योगिकियां/ विकसित प्रोटोटाइप की संख्या	3
		8.2 विकसित की गई अंतःजल अन्वेषण प्रौद्योगिकियां	5		9.2 मौजूदा वर्ष में प्रशिक्षित, उद्भवित और परामर्शित उद्यमियों की संख्या	1
		8.3 द्वारका का अन्वेषण	1			
		8.4 पूमपुहर का अन्वेषण	1			
	9. जानपदिक रोग विज्ञान आंकड़ा	9.1 अभिसाधित एवं सृजित स्वास्थ्य आंकड़ा समूहों की संख्या	1	10. विभिन्न रोगों के उपचार तथा जीवन की गुणवत्ता	10.1 मौजूदा वर्ष में ईडीए के अंतर्गत अनुसंधान प्रकाशनों	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	उपलब्धि 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	उपलब्धि	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	विश्लेषण-तंत्र (ईडीए) : स्वास्थ्य आंकड़ा समूहों के अनुप्रयोग पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास, स्वास्थ्य आंकड़ा विश्लेषण तंत्र के लिए प्रौद्योगिकी मंच विकास, जनशक्ति प्रशिक्षण, सम्मेलन तथा कार्यशालाओं के लिए सहायता			में सुधार के लिए स्वास्थ्य आंकड़ा समूहों के पहलुओं के संबंध में बेहतर अनुसंधान	(सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	
		9.2 विकसित विश्लेषण तंत्र साधनों की संख्या	5		10.2 मौजूदा वर्ष में डिजाइन किए गए संघटक/प्रौद्योगिकियां/ विकसित प्रोटोटाइप	2
		9.3 प्रौद्योगिकी मंच स्वास्थ्य आंकड़ा विश्लेषण तंत्र	1		10.3 सृजित कुशल जनशक्ति की संख्या	2
		9.4 प्रशिक्षणों की संख्या	2			
	10. आईसीपीएस मूलभूत प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास	10.1 सहायता-प्रदत्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	80	11. आईसीपीएस प्रौद्योगिकियों में संवर्धित अनुसंधान एवं विकास	11.1 अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	35
		10.2 विकसित विश्लेषण तंत्र साधनों की संख्या	10		11.2 विकसित अवधारणा पत्र (पीओसी) की संख्या	10
		10.3 प्रशिक्षणों की संख्या	**50**		11.3 कोई कुशल जनशक्ति नहीं	25
		10.4 आयोजित सम्मेलनों, कार्यशालाओं की संख्या	**25**		11.4 आयोजित सम्मेलनों, कार्यशालाओं की संख्या	20

2. राष्ट्रीय अंतर विषयक साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. प्रौद्योगिकी विकास					
124	1. साइबर-भौतिक प्रणाली और संबंधित क्षेत्रों में आरएंडडी संवर्धन	1.1. प्रत्येक श्रेणी में प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सहायित चालू और नए अनुसंधान प्रोजेक्टों की संख्या: क.टीआरएल (बिन्दु1-3) ख.टीआरएल (4-6) ग.टीआरएल (बिंदु7-10)	124 50 *	1. उत्पादों का विकास	1.1 चालू वर्ष में दर्ज/स्वीकृत पेटेंटों की संख्या	50
					1.2 प्रौद्योगि की विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वाणिज्यिकृत उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	25
	ख. उत्कृष्टता केन्द्र (सीओईएस)					
	2. भारत में	2.1 स्थापित		2. सीपीएस में	2.1 देश के विभिन्न	500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	अंतर विषयकसाइबर-भौतिक प्रणाली के विषय विशिष्ट क्षेत्रों में अंतरणीय अनुसंधान करने और विश्वस्तरीय केंद्र खड़े करने के लिए केन्द्र स्थलों की स्थापना।	केन्द्रों की संख्या	25	शिक्षण, आरएण्डडी, विनिर्माण के लिए उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों/उद्योग में स्थायी पदों पर एचआरडी छात्रों/पुरस्कार विजेताओं/अध्येताओं की संख्या	
	3. सरकार और उद्योग/उद्योग संघोंकी सहभागिता को प्रोत्साहन	3.1 बढ़ाई गई साझेदारियों की संख्या	50			
	4. स्टार्ट-अप्स के लिए उद्भवन केंद्र उपलब्ध कराना	4.1 उद्भवन केंद्रों की संख्या	25			
	ग. एचआरडी और कौशल विकास					
	5. सीपीएस में मानव संसाधन का विकास	5.1 निम्नलिखित के अंतर्गत चालू वर्ष में पुरस्कारों की संख्या i. स्नातक प्रशिक्षुतावृत्ति	500	3.शिक्षा/उद्योग में शिक्षा परिनियोजित की जाने वाली उच्च कुशल जनशक्ति का सृजन	3.1 सृजित कुशल जनशक्ति की संख्या	868

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		(ii) स्नातकोत्तर अध्येतावृत्तियां	250			
		(iii) डाक्टरल अध्येतावृत्तियां	125			
		(iv) पोस्ट-डाक्टरल अध्येतावृत्तियां	*			
		(v) संकाय अध्येतावृत्ति	*			
		(vi) संकाय अध्येतावृत्ति	*			
	घ. नवोन्मेष, उद्यमिता और स्टार्ट-अप पारितंत्र					
	6. सीपीएस-जीसीसी	6.1 आयोजित बृहत चुनौतियों और प्रतियोगिताओं की संख्या	*	4. स्टार्टअप्स/उद्यमिता के माध्यम से स्वदेशी उत्पाद/प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण में वृद्धि	4.1 स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों द्वारा चालू वर्ष में विकसित/अंतरित/ वाणिज्यिकृत उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	25
	7. सीपीएस-पीआरवाईएएस	7.1 चालू वर्ष में सहायित नए एवं मौजूदा प्रौद्योगिकी कार्य उद्भवकों और स्टार्ट अपकेंद्रों की संख्या	25		4.2 प्रारंभिक दशा में सहायता प्राप्त ऐसे स्टार्टअप की संख्या जिन्हें चालू वर्ष में अगले स्तर पर सकारात्मक/ वर्धमान होने के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया हो।	25

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

1. औद्योगिक और उद्यमशीलता विकास (सीएस)

वित्तीय वर्ष 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
280.2	1. जैव समूहों के विकास और स्टार्टअप पारिस्थितिकी प्रणाली को जोड़ने के लिए अनुदान	1.1 विकसित किए गए जैव समूहों की संख्या	2	1. अंतःविषयक परियोजनाओं के लिए अग्रणी क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को बढ़ावा देना	1.1 समूहों में सुविधाओं का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या	150
		1.2 स्थापित किए गए प्रौद्योगिकी अंतरण कार्यालयों की संख्या	5		1.2 वाणिज्यिकृत प्रौद्योगिकियां	13 (लाइसेंस वाली तकनीकों सहित)
		1.3 स्थापित जैव-कनेक्ट कार्यालयों की संख्या	6		1.3 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर विनिमय कार्यक्रम	5 2 5
	2. उच्च जोखिम वाले नवाचार अनुसंधान का समर्थन करना	2.1 पीपीपी कार्यक्रम (संचयी) के तहत जारी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	400	2. मानव संसाधन विकास	2.1 उच्च स्तरीय कौशल के लिए विभिन्न स्कीमों/कार्यक्रमों/कार्यशालाओं के तहत पेशेवर प्रशिक्षणों की संख्या	3000
		2.2 समर्थित शैक्षणिक संस्थानों की संख्या	100	3. उत्पादों/प्रौद्योगिकियों का विकास हुआ। आईपी दायर किए गए	3.1 विकसित किफायती उत्पादों/प्रौद्योगिकियों/प्रारंभिक स्तरीय प्रौद्योगिकियों की संख्या (5% सफलता दर पर) दायर किए गए पेटेंट की कुल संख्या	19 (10 प्रारम्भिक स्तर की प्रौद्योगिकीय सहित) 40

वित्तीय वर्ष 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
		2.3 समर्थित कंपनियों की संख्या	300		3.2 इनक्यूबेटर की संख्या	500
	3. स्टार्टअप पारिस्थितिक प्रणाली का निर्माण और उच्च स्तरीय अवसंरचना, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।	3.1 समर्थित इन्क्यूबेटर और विकसित सुविधाओं की संख्या (उच्च स्तरीय इंस्ट्रूमेंटेशन)	50		3.3 स्टार्टअप ने फॉलो-ऑन फंडिंग सृजित किया है (> 10 लाख)	25
		3.2 क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केंद्रों की संख्या (संचयी)	05			
		3.3 आयोजित की गई कार्यशालाओं की संख्या	125			
		3.4 बायोटेक पार्कों/इन्क्यूबेटरों के माध्यम से स्टार्ट-अप और उद्यमियों की संख्या	50			

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग   मांग संख्या. 88

1. औद्योगिक अनुसंधान और विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम - 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
28	1. व्यक्ति-विशेषों सहित नई नवप्रवर्तनीय परियोजनाओं को सहयोग	1.1 स्वीकृत नई नवप्रवर्तनीय परियोजनाएं	10	1. स्टार्ट-अप्स का सृजन	1.1 सफलतापूर्वक पूर्ण की गईं नवप्रवर्तनीय परियोजनाएं	7
	2. केवल मात्र उद्योगों अथवा संयुक्त रूप से उद्योगों एवं संस्थानों की नई प्रौद्योगिकी विकास तथा प्रदर्शन (टीडीडी) परियोजनाओं को सहयोग	1.2 स्वीकृत नई टीडीडी परियोजनाएं	4	2. नई प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यीकरण	2.1 पूर्ण की गईं प्रौद्योगिकी विकास तथा प्रदर्शन परियोजनाएं	3
	3. वर्तमान साझे अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकी विकास हब (सीआरटीडीएच) की निगरानी	3.1 परियोजना मार्गदर्शन तथा समीक्षा समिति बैठकों का आयोजन	8	3. नए प्रौद्योगिकी विकास तथा आर एण्ड डी के लिए अनुसंधान संस्थानों के साथ संलग्न सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम	3.1 एमएसएमई/स्टार्ट-अप्स/नवप्रवर्तक तथा सीआरटीडीएच के बीच सहयोगात्मक परियोजनाओं की संख्या	20
	4. विचारों के विनिमय तथा विदेशी सहयोगों के लिए कार्यशालाएं, सेमीनार, सम्मेलन, प्रदर्शनियां इत्यादि जैसे	4.1 स्वीकृत नए कार्यक्रम	20	4. हितधारकों के बीच नई जानकारी का प्रसार	4.1 पूर्ण किए गए कार्यक्रमों तथा अध्ययनों की संख्या	500 हितधारक

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम - 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	कार्यक्रमों को सहयोग					
	5. वर्तमान नवप्रवर्तन तथा प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण पर नए अध्ययनों की निगरानी	5.1 परियोजना समीक्षा समिति की बैठकों का आयोजन	8			
	6. महिलाओं की प्रौद्योगिकीय सक्षमता निर्माण तथा सशक्तीकरण के लिए नई टीडीयूपीडब्ल्यू परियोजनाओं को सहयोग	6.1 स्वीकृत नई परियोजनाएं	5	5. महिलाओं को ऐसी उच्च कोटि की प्रौद्योगिकी दक्षताएं प्रदान करना जो उनके परिणामों तथा उपार्जनों में बढ़ोतरी करेगा	5.1 प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या	500 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा

2. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
(क) सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमि. (सीईएल)						

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
17.65		1.1 नए मल्टी सेक्शन डिजिटल ऐक्सल काउंटर के प्रोटोटाईप सिस्टम का विकास	सीईएल में नए एमएसडीएसी सिस्टम का एक (1) प्रोटोटाईप मॉडल		1.1 नए मल्टी सेक्शन डिजिटल ऐक्सल काउंटर का सिस्टम लेवल डिजाईन आरडीएसओ को अनुमोदन/प्रस्तुत करना	रेलवे संकेतन प्रणालियों में एक (1) उन्नत उत्पाद
	1. भारतीय रेलवे के लिए उत्पादों का विकास	1.2 वीओआईपी आधारित ट्रेन कंट्रोल कम्यूनिकेशन के प्रोटोटाईप सिस्टम का विकास	परीक्षण प्रयोजन के लिए फील्ड में एक (1) प्रोटोटाईप सिस्टम	भारतीय रेलवे के लिए नए उत्पाद	1.2 वीओआईपी आधारित ट्रेन कंट्रोल कम्यूनिकेशन का का विकास	रेलवे संकेतन प्रणालियों में एक (1) नया उत्पाद
		1.3 ऐक्सल काउंटर द्वारा परीक्षित सॉलिड स्टेट ब्लॉक के प्रोटोटाईप सिस्टम का	कार्यचालन की जांच के लिए प्रयोगशाला परिचालन हेतु सबसिस्टम सहित एसएसबीपीएसी का एक (1)		1.3 ऐक्सल काउंटर द्वारा परीक्षित सॉलिड स्टेट ब्लॉक का सिस्टम लेवल डिजाइन	रेलवे संकेतन प्रणालियों में एक (1) उन्नत उत्पाद

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		विकास	प्रोटोटाईप सिस्टम			
	2. सीईएल के उपकरण एवं संयंत्र का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण	2.1 माइक्रोवेव उपकरणों का उन्नयन तथा गुणवत्ता नियंत्रण सुविधा	माइक्रोवेव डिविजन में दो (2) नए उत्पादों के लिए निर्माण सुविधाओं का विकास • माइक्रोवेव डिविजन में विद्यमान तथा दो (2) नए उत्पादों के लिए परीक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण सुविधाओं का विकास	2. रक्षा क्षेत्र के लिए नए उत्पादों का विकास उत्पादों के लिए उन्नत परीक्षण सुविधा	2.1 संयंत्र तथा उपकरणों का आधुनिकीकरण	कम्पनी सुरक्षा पोर्टफोलियों में दो (2) बेहतर गुणवत्ता वाले उतपाद
		2.2 उत्पाद प्रदर्शन केन्द्र	• सौर उर्जा के पांच	हितधारकों/विद्यार्थियों/आंगतुकों के लिए सौर प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों का प्रदर्शन	3.1 सीईएल परिसर में एक क्रियात्मक सौर	200 हितधारकों/विद्यार्थियों को एसपीवी से

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
			(5) नए अनुप्रयोगों का प्रदर्शन		पार्क की स्थापना	संबंधित जानकारी का वितरण
		2.3 प्रशिक्षण सुविधा का आधुनिकीकरण	एसपीवी उत्पादों के लिए एक (1) प्रशिक्षण सुविधा का सृजन	4. सौर क्षेत्र में विद्यार्थियों/हितधारकों की प्रशिक्षण गतिविधियां	4.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम/दौरे	सौर क्षेत्र में 60 प्रशिक्षित जनशक्ति
(ख) **राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी)**						
	1. सराहनीय नवप्रर्तन पुरस्कार प्रदान करना	1.1 पुरस्कारों की संख्या	10	1. आविष्कारकों तथा नवप्रवर्तकों को मान्यता तथा प्रोत्साहन	1.1 आविष्कारकों तथा नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहन	प्राप्त आवेदनों के अनुसार 600 आविष्कारक तथा नवप्रवर्तक
	2. एमएसएमई को आईपीआर सेवाएं प्रदान करना	2.1 सुविधा प्राप्त एमएसएमई की संख्या	24 एमएसएमई/ शिक्षण संस्थाओं को आईपीआर सेवाएं	2. हितधारकों के बीच आईपी दायर करने को बढ़ावा देना, आईपी सुरक्षा के बारे में जागरूकता सृजन करना तथा	2.1 आईपी जागरूकता अभियान, विचार- विमर्श बैठकें तथा प्रदर्शनियां	500 हितधारकों/ भागीदारों तक पहुंचना
				नवप्रवर्तनीय प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करना		
	3. प्रौद्योगिकियों पर सूचना का प्रसार	3.1 प्रदर्शनियां तथा विचार-विमर्श बैठकें	40 प्रदर्शनियां तथा 5 विचार-विमर्श बैठकें			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. मौलिक अभिकल्पन अभियांत्रिकी पैकेजों, विपणन सर्वेक्षणों इत्यादि के माध्यम से प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकियों को वाणिज्यिक स्तर तक ले जाने के लिए मूल्यवर्धन	4.1 चिन्हित प्रौद्योगिकियों के लिए सर्वेक्षण	57 प्रौद्योगिकियां	3. प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण	3.1 प्रौद्योगिकी अंतरण तथा उद्योग का लाइसेंसीकरण	उद्योग के लिए 5 प्रौद्योगिकियों का लाइसेंसीकरण
	5. इन्क्यूबेशन केन्द्रों में विघटनकारी निर्माण स्टार्ट-अप्स हेतु सीड फडिंग	5.1 इन्क्यूबेशन केन्द्रों में नवप्रवर्तकों की पहचान करना तथा एनआरडीसी में एक इन्क्यूबेशन की स्थापना	6 स्टार्ट-अप्स	4. स्टार्ट-अप्स का संवर्धन	4.1 चुनिंदा स्टार्ट-अप्स की इक्विटी में भागीदारी	बाजार तक अपने विचारों को ले जाने के लिए 6 स्टार्ट-अप्स का संवर्धन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम - 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	6. इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना तथा प्रबन्धन हेतु संस्थाओं को भागीदार बनाना	6.1 स्थापित किए गए इन्क्यूबेशन केन्द्रों की संख्या	एक नए इन्क्यूबेशन केन्द्र की स्थापना तथा विद्यमान केन्द्र का प्रचालन	5. इन्क्यूबेटस को अपने उद्यमों में सफल बनाने में सहायता देने के लिए परामर्श तथा अनुवीक्षण सेवाएं प्रदान करना	5.1 स्टार्ट-अप्स की संख्या	एनआरडीसी सहायित इंक्यूबेशन केन्द्रों से 5 स्टार्ट-अप्स

पोत परिवहन मंत्रालय

मांग संख्या - 89

1. महापत्तनों का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
98	1.कैपिटल और रखरखाव ड्रेजिंग, सम्पर्कता आदि सहित अवसंरचना विकास और पत्तन अवसरंचना के आधुनिकीकरण के लिए सहायता	1.1. कैपिटल ड्रेजिंग परियोजना (वी.ओ.सीपीटी) के लिए बकाया भुगतान के रूप में वितरित कुल राशि	बीई आवंटन का 100% वितरण	1. बड़े जलयानों की संभलाई के लिए ज्यादा गहरा डुबाव उपलब्ध कराना और कार्गो में परिणामी वृद्धि	1.1. वी.ओ.सीपीटी में डुबाव में 12.8 मीटर बढ़ोत्तारी	12.8 मीटर गहरे डुबाव को बनाए रखना
		1.2. चार लेन की सड़की सम्पर्कता बकाया भुगतान के लिए बजट आवंटन का वितरण	बीई आवंटन का 100% वितरण	2. कार्गो यातायात की तीव्र निकासी हासिल करना	2.1. मूल स्थान से गन्तव्य स्थान में लगने वाले समय में कमी	यह परियोजना नवम्बर, 2020 तक पूरी की जानी है। ट्रकों के आवागमन की 24X7 अनुमति होगी

2. लघु पत्तनों का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
110.25	1. अंडमान एवं निकोबार लक्षद्वीप द्वीपों में अवसंरचना तथा लघु पत्तनों के लिए अन्य सहायता	1.1 निर्मित जैट्टियों की संख्या (नील, होपटाउन और हट बे में जैट्टियों का विस्तार)	4	1. अंडमान एवं निकोबार लक्षद्वीप द्वीपों में लघु पत्तनों पर कार्गो और यात्री यातायात की क्षमता को बढ़ाना	1.1. लघु पत्तन क्षमता में प्रतिशत वृद्धि	10%
		1.2. चलाए गए कुल अध्ययन	*		1.2. कार्गो यातायात में प्रतिशत वृद्धि	7%
		(क) पर्यावरण अध्ययन	18		1.3 यात्री यातायात में प्रतिशत वृद्धि	8%
		(ख) अवभूमि जांच	10			
		(ग) सीडब्ल्यूपीआरएस के माध्यम से मॉडल अध्ययन	4			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

3. तेल प्रदूषण और अनुसंधान एवं विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
6	1.एनओएसडीसीपी 2018 के अनुसार प्रदूषण प्रत्युत्तर (पाल्यूशन रिस्पान्स पीआर) उपकरण की खरीद	1.1. पीआर उपकरण की खरीद के लिए पूरी की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	2	1. टियर -1 तेल रिसाव प्रतिक्रिया का प्रबंधन करने के लिए पत्तनों पर क्षमता का निर्माण	1.1. टियर-। रिसाव प्रतिक्रिया सुविधा वाले पत्तनों की संख्या में वृद्धि	2

4. रक्षा पीएसयू शिपयार्डों को छोड़कर सभी भारतीय शिपयार्डों को वित्तीय सहायता/राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
97	1.जलयानों का निमार्ण एवं सुपुर्दगी।	1.1. भारतीय शिपयार्डों द्वारा सुपुर्द किए गए जलयानों की संख्या।	22 जलयान	1. व्यक्तिगत शिपयार्डों में जहाज़ निर्माण को प्रोत्साहित करना जिससे रोजगार अवसर बनेंगे।	1.1.उत्पन्न होने वाले व्यवसाय की कुल राशि	423 करोड़ रु.
					1.2. पैदा होने वाले कुल रोजगार की संख्या	3720

5. भारतीय अन्तर्देशीय जल परिवहन प्राधिकरण को अनुदान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपय करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
450	1. अन्तर्देशीय जलमार्ग और कुशल जन-शक्ति द्वारा संभाले जा रहे यातायात की मात्रा/कार्गो, क्षमता को बढ़ाने के लिए अन्तर्देशीय जलमार्ग को अवसंरचना तथा अन्य सहायता	1.1. अन्तर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल के अवसंरचना विकास और रखरखाव लिए अनुमोदित परियानाओं की संख्या	20	1. सम्पर्कता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय जलमार्गो पर माल की निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही	1.1 राष्ट्रीय जलमार्गों पर कार्गो के आवागमन में प्रतिशत (%) वृद्धि	7%
		1.2. निजी संचालक को सौंपे जाने वाले बहु-मॉडल टर्मिनल प्रचालनों की संख्या	2			
		1.3. रा.ज.-1, 2 और 3 के लिए प्राप्त किए जाने वाले आरओ-पैक्स जलयानों की संख्या.	3			
		1.4. रा.ज. 1 के लिए प्राप्त किए जाने वाले अभिनव विन्यास कार्गो जलयानों की संख्या	10			
		1.5. प्रशिक्षण जलयानों, ड्रेजर, हाऊस बोट इत्यादि सहित एनआईएनआई पटना का आधुनिकीकरण	1			

6. भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपय करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
307	1. अन्तर्देशीय जलमार्ग और कुशल जन-शक्ति द्वारा संभाले जा रहे यातायात की मात्रा/कार्गो, क्षमता को बढ़ाने के लिए अन्तर्देशीय जलमार्ग को अवसंरचना तथा अन्य सहायता	1.1. रा.ज-1 (वाराणसी से हल्दिया जलखंड) पर जलमार्ग विकास परियोजना के अन्तर्गत ली गई परियोजनाओं की संख्या	4	1. सम्पर्कता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय जलमार्गो पर माल की निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही.	राष्ट्रीय जलमार्गों पर कार्गो के आवागमन में प्रतिशत (%) वृद्धि	7%

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

मांग सं. 91

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

1. **शैक्षिक सशक्तिकरण - अनुसूचित जाति के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
355.00	1. पात्र अनुसूचित जाति छात्रों को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	1.1 चालू वर्ष में प्राप्त आवेदनों की संख्या	20 लाख	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	1.1 छात्रवृत्ति की सहायता से कक्षा X पूरी करने वाले छात्रों की संख्या में % वृद्धि	*
		1.2 छात्रवृत्ति की संख्या में पूर्ण वृद्धि	*			

**इस संकेतक के लिए लक्ष्य उत्तरदायी नहीं है।*

2. अनुसूचित जातियों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
360	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की गई फैलोशिप	1.1 चालू वर्ष में फैलोशिप के लिए प्राप्त आवेदनो की संख्या	*	1. प्रवेश पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की लिंग-वार अलग-अलग संख्या में वृद्धि	1.1 प्रवेश पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों की लिंग-वार अलग-अलग संख्या	2000 फेलोशिप
		1.2 एमफिल/ पीएचडी कार्यक्रम के लिए भर्ती छात्रों/ लाभार्थियों की संख्या	2000	2. अनुसूचित जाति के छात्र जिन्होंने फेलोशिप की सहायता से एम. फिल/ पीएच.डी के पाठ्यक्रम को पूरा किया	2.1 अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या जिन्होंने फेलोशिप की सहायता से एम.फिल/पीएच .डी के पाठ्यक्रम को पूरा किया	*
					2.2 पीएचडी को पूरा करने वाले एससी डॉक्टरेट छात्रों की संख्या	*
		1.3 इस योजना के तहत	*	3. फेलोशिप प्राप्त करने वालों की छोड़ने की	3.1 फेलोशिप प्राप्त करने वाले छात्रों की	*

		लाभान्वित लड़कियों की संख्या		दर	छोड़ने की दर प्रतिशत में	
	2. 30% छात्रवृत्ति छात्राओं के लिए निर्धारित की जाएगी	2.1 इस योजना के तहत लाभान्वित लड़कियों की संख्या	छात्राओं के लिए 600 सीटें निर्धारित की गई हैं।			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

3. पिछड़े वर्गों के लिए योजना – ओबीसी के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
220.00	1. पात्र ओबीसी छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या और उनमें से अगली कक्षा में प्रोन्नत छात्रों की संख्या में वृद्धि।	*	1. ओबीसी छात्रों का शैक्षिक सशक्तिकरण – उच्चतर अध्ययन हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी छात्रों की संख्या में वृद्धि।	1.1 जनसंख्या के गैर-पिछड़े वर्गों की तुलना में पिछड़े वर्गों को समान अवसर प्रदान करना।	25.00 लाख लाभार्थी।
		1.2 10वीं कक्षा सफलतापूर्वक पूरी करने वाले एवं छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या	25.00 लाख लाभार्थी			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

4. केन्द्रीय छात्रवृत्ति – अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
20.00	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदत्त फेलोशिप	1.1 विदेश में उच्चतर अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्र।	100 छात्र प्रति वर्ष	1. विदेश में उच्चतर अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	1.1 विदेश में छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि।	100 छात्र प्रति वर्ष

5. केन्द्रीय छात्रवृत्ति – अनुसूचित जातियों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
40.50	1. पात्र अनुसूचित जाति छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्र।	इस योजना के अंतर्गत 2000 लाभार्थी लाभान्वित होंगे।	1. प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त एससी छात्रों की संख्या में वृद्धि।	1.1 प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त एससी छात्रों की संख्या।	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

6. अस्वच्छ व्यवसायों में लगे अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
5.00	1. पात्र छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 पात्र छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति की संख्या	2.5 लाख	1. अपना अध्ययन पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की संख्या।	1.1 आधार वर्ष की तुलना में अपना अध्ययन पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों की संख्या में वृद्धि।	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

7. अनुसूचित जातियों की लड़कियों के लिए छात्रावास (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
59.00	1. अनुसूचित जाति लड़कियों के लिए छात्रावासों का निर्माण	1.1 पूर्णतः निर्मित छात्रावासों की संख्या	इस योजना के तहत 1900 लाभार्थियों को लाभ मिलेगा	1. अनुसूचित जाति लड़कियों की कवरेज में वृद्धि	1.1 आधार वर्ष के प्रति छात्रावास सुविधाओं का लाभ उठाने वाली अनुसूचित जाति लड़कियों की संख्या	*
					1.2 पूर्णतः निर्मित छात्रावासों की संख्या में वृद्धि।	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

8. अनुसूचित जातियों के लिए लड़को के लिए छात्रावास (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
13.00	1. अनुसूचित जाति लड़कों के लिए छात्रावासों का निर्माण	1.1 अनुसूचित जाति लड़कों के लिए छात्रावासों का निर्माण	इस योजना के अंतर्गत 850 लाभार्थियों का लाभ मिलेगा।	1. अनुसूचित जाति के बालक छात्रों के कवरेज में वृद्धि	1.1 आधार वर्ष के प्रति छात्रावास सुविधाओं का लाभ उठाने वाले अनुसूचित जाति लड़कों की संख्या	*
					1.2 पूर्णतः निर्मित छात्रावासों की संख्या में वृद्धि।	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

9. अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए नि:शुल्क कोचिंग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30.00	1. प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने के लिए छात्रों को कोचिंग प्रदान करना	1.1 विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या	प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 2500 छात्रों को कोचिंग प्रदान की गई।	1. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र, जिसके लिए उन्होंने कोचिंग कक्षाओं में भाग लिया।	1.1 परीक्षा में चुने गए/ उत्तीर्ण उन छात्रों की संख्या जिसके लिए उन्होंने कोचिंग कक्षाओं में भाग लिया।	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

10. प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
390	1. एकीकृत सामाजिक आर्थिक विकास के लिए पीएमएजीवाई के तहत 50% से अधिक अनुसूचित जनजाति की आबादी वाले गांवों को कवर किया जाएगा	1.1 इस योजना के तहत चयनित गांवों की संख्या	4484	1. अनुसूचित जातियों के चयनित गांव जिन्हें आदर्श ग्राम के रूप में विकासित करने के लिए निधि स्वीकृत की गई।	1.1 अनुसूचित जाति के चयनित गांवों की संख्या जिन्हे आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया गया	4484

11. अनुसूचित जातियों के लिए ऋण वृद्धि गारंटी योजना (सीईजीएसएससी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
0.01	1. बैंक से ऋण लेने के लिए अनुसूचित जातियों के उद्यमियों को ऋण गारंटी प्रदान करना	1.1 क से ऋण लेने के लिए ऋण गारंटी प्रदत्त अनुसूचित जाति उद्यमियों की संख्या	15	1. उन अनुसूचित जाति के उद्यमियों की संख्या जिन्होंने इस योजना के तहत ऋण गारंटी का लाभ उठाया है।	1.1 स योजना के अंतर्गत ऋण गारंटी का लाभ उठाने वाले अनुसूचित जाति उन उद्यमियों की संख्या में वृद्धि।	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

12. आजीविका - राज्य अनुसूचित जाति विकास निगम (एससीडीसी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30.00	1. सूक्ष्म उद्यमिता के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत रियायती ऋण	1.1 क्ष्म उद्यमिता के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत प्रदत्त रियायती ऋण की संख्या	30.00 करोड़	1. आय जन्य गतिविधियों के लिए सुलभ ऋण प्राप्त कर रहे अनुसूचित जाति के लाभार्थियों में वृद्धि	1.1 लभ ऋण प्राप्त कर रहे अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की संख्या	30.00 करोड़

13. आजीविका – हाथ से मैला ढोने वालों के पुनर्वास हेतु स्वरोजगार योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
70	1. हाथ से मैला ढोने वालों की पहचान और पुनर्वास	1.1 नर्वास हेतु पहचानशुदा हाथ से मैला ढोने वालों की संख्या	3500	1. हाथ से मैला ढोने के पारंपरिक व्यवसाय से मैनुअल स्केवेंजरों को मुक्ति	1.1 थ से मैला ढोने वालों और उनके आश्रितों की संख्या जिन्होंने कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त किया और जिन्हें वैकल्पिक व्यवसायों में पुनर्वासित किया गया।	5000
		1.2 क-बारगी नकद सहायता (ओटीसीए) प्रदत्त मैनुअल स्केवेंजरों की संख्या	10000			

14. सिविल अधिकार – डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रतिष्ठान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
530	1. चिकित्सा उपचार, अंतरजातीय विवाह और दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए योग्यता पुरस्कार के लिए अनुसूचित जाति के व्यक्ति की सहायता की जाएगी	1.1 नुसूचित जाति के व्यक्तियों की चिकित्सा उपचार, अंतरजातीय विवाह और दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए योग्यता पुरस्कार के लिए सहायता	*	1. अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या में वृद्धि, जिन्हें चिकित्सा उपचार, अंतरजातीय विवाह और दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए योग्यता पुरस्कार के लिए सहायता प्रदान की गई थी	1.1 ससी व्यक्तियों की संख्या जिन्हें चिकित्सा उपचार, अंतरजातीय विवाह और दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए योग्यता पुरस्कार के लिए सहायता प्रदान की गई थी	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

15. ओबीसी[1] और ईबीसी के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
70	1. ओबीसी के पात्र छात्रों को फैलोशिप प्रदान की गई	1.1 ओबीसी के छात्रों की संख्या, जिन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की एम.फिल./ पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया (सीएस)	1000 नए जेआरएफ+लगभग 2000-2200 जेआरएफ+एसआरएफ आवेदक	1. आधार वर्ष की तुलना में अध्ययन पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए छात्रों की संख्या में वृद्धि, जिन्होंने फैलोशिप का लाभ उठाया	1.1 उद्देश्य विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा वैज्ञानिक संस्थानों में एम.फिल. तथा पीएच.डी. जैसी गुणवत्ता की उच्च शिक्षा प्राप्त करने में ओबीसी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इससे न केवल वे विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में प्राध्यापक के खाली पड़े पदों के लिएसक्षम होंगे, बल्कि राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे अवसरों का फायदा उठाने के लिए प्रभावशाली रूप से कुशल भी होंगे।	1000 नए जेआरएफ+लगभग 2000-2200 जेआरएफ+एसआरएफ आवेदक

[1] *ओबीसी के पात्र छात्रों को बजट उपलब्ध होने के आधार पर फैलोशिप प्रदान की जाती है।*

16. ओबीसी (सीएस) के लिए राष्ट्रीय ओवरसीज़ छात्रवृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15	1. विदेश में अध्ययन करने के लिए ओबीसी के पात्र छात्रों को प्रदान की गई ब्याज सब्सिडी	1.1 विदेश में अध्ययन करने के लिए ओबीसी के पात्र विद्यार्थियों की संख्या जिन्हें ब्याज सब्सिडी प्रदान की गई	लगभग 1600 नए छात्र + लगभग 3000 मौजूदा लाभार्थी	1. आधार वर्ष की तुलना में अध्ययन पाठ्यक्रम पूर्ण करने के लिए ब्याज सब्सिडी का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 अपना अध्ययन पूरा करने के लिए लिए ऋण पर ब्याज सब्सिडी का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या	लगभग 1600 नए छात्र + लगभग 3000 मौजूदा लाभार्थी

17. ईबीसी के विकास के लिए योजना (शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
23.00	1. केंद्रीयकृत प्रायोजित योजना, जहां केंद्रीय सहायता, पहले आओ - पहले पाओ के आधार पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को प्रदान की जाती है।	1.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले ईबीसी छात्रों की संख्या में वृद्धि तथा मैट्रिकोत्तर शिक्षा (12वीं, स्नातक तथा स्नातकोत्तर) में उनकी पासिंग दर	2.00 लाख लाभार्थी	1. छात्रों, जिन्होंने आधार वर्ष की तुलना में अपना अध्ययन पाठ्यक्रम पूर्ण करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की, की संख्या में वृद्धि	1.1 ईबीसी छात्रों को अपनी शिक्षा पूरी करने में सक्षम बनाने के लिए मैट्रिकोत्तर अथवा माध्यमिकोत्तर स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करना।	2.00 लाख लाभार्थी

18. पिछड़ा वर्ग – ओबीसी बालक और बालिकाओं के लिए छात्रावास (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30.00	1. छात्रावासों के निर्माण हेतु राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार/केंद्रीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों को निधियां जारी का जाती हैं।	1.1 निर्मित छात्रावासों तथा लाभार्थी छात्रों की संख्या में वृद्धि	लगभग 1200-1500 सहवासी	1. छात्रों, जिन्होंने आधार वर्ष की तुलना में अपना अध्ययन पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए छात्रावास सुविधा का लाभ उठाया, की संख्या में वृद्धि	1.1 विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों से संबंधित छात्रों को उनकी माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के लिए सक्षम बनाने हेतु छात्रावास की सुविधाएं प्रदान करना।	लगभग 1200 – 1500 सहवासी

19. पिछड़ा वर्ग विमुक्त घुमन्तू जनजातियों के शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
10.00	1. केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना, जिसमे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारो को विमुक्त-घुमंतु जनजातियों के कल्याण के लिए केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है	1.1 मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिकोत्तर शिक्षा पूरी करने वाले और सहायता के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू करने वाले विमुक्त-घुमंतु जनजातियों के छात्रों की संख्या में वृद्धि।	लगभग 20000-25000 लाभार्थी	1. आधार वर्ष में अपने अध्ययन पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि।	1.1 विमुक्त घुमंतु जनजातियों पर ध्यान केंद्रित हस्तक्षेप किया जाता है ताकि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त हों और उनके जीवन में भी सुधार हो।	लगभग 20000-25000 लाभार्थी

20. अन्य कमजोर वर्गो के लिए योजना – मद्यपान और नशीले पदार्थ (दवा) दुरुपयोग निवारण (सीएस)

वित्तीय परिव्यव (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
135.00	1. नशीले पदार्थों पर निर्भर व्यक्तियों का पुनर्वास	1.1 एकीकृत व्यसनी पुनर्वास केंद्रों (आईआरसीए) द्वारा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या	80,000	1. इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित व्यसनियों का पुनर्वास	1.1 इस योजना के अंतर्गत शामिल लाभार्थियों की संख्या	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

मांग सं. 92

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

1. सहायक यंत्रों/उपकरणों की खरीद / फिटिंग के लिए दिव्यांगजनों को सहायता (एडिप) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
230.00	1. विभिन्न प्रकार के दिव्यांगताओं के लिए उपलब्ध वहनीय सहायक	1.1 वितरित किए गए सहायक यंत्रों और उपकरणों के प्रकार की संख्या ^	35 प्रकार	1. दिव्यांगजन जिन्हें सहायक यंत्र और उपकरण उपलब्ध कराए गए	1.1 लाभार्थियों की संख्या	3,00,000
	2. सहायक यंत्रों और उपकरणों के वितरण हेतु वित्तीय परिव्यय	2.1 वितरित निधियों की राशि *	230.00 करोड़ रु	2. महिला लाभार्थियों के लिए आरक्षण	2.1 महिला लाभार्थियों की संख्या	82,000
	3. सहायक यंत्रों और उपकरणों के लिए वितरण शिविर आयोजित करना	3.1 आयोजित शिविरों की संख्या *	1500	3. अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए आरक्षण	3.1 अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की संख्या	52,480
	4. योजना के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना	4.1 योजना के विज्ञापनों की संख्या *	40	4. अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों के लिए आरक्षण	4.1 अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों की संख्या	26,240
				5. पूरे भारत में योजना की कवरेज	5.1 पिछले तीन वर्षों के दौरान कवर नहीं किए गए जिलों की संख्या #	**
				6. सामान्य जीवन जीने के लिए दिव्यांगता के	6.1 कॉलेजों / विश्वविद्यालयों में भाग लेने	**

वित्तीय परिव्यय (रु.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
				प्रभाव को कम करना	वाले उन छात्रों की प्रतिशतता जिन्हें सहायक यंत्र और उपकरण प्रदान किए गए थे	
				7. सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में बेहतर भागीदारी	7.1 सहायक यंत्र /उपकरण प्रदान किए जाने के बाद रोजगार गतिविधियों में भाग लेने वाली महिलाओं की प्रतिशतता (15-59 वर्ष के उपयोगी आयु समूह में) #	**

*** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

2. सूचना और जन शिक्षा प्रकोष्ठ (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
28.00	1. दिव्यांगजनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लक्ष्य सहित सूचना और जन शिक्षा का कार्यान्वयन	1.1 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियानों के लिए जारी की गई निधियां (अभियान चलाने के लिए)	6 करोड़ रू.	1. दिव्यांगजनों की संवृद्धि और विकास के लिए समान अवसरों को प्रोत्साहित करने वाला एक समावेशी	1.1 शुरू किए गए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभियानों की संख्या	5
		1.2 प्रिंट मीडिया अभियानों के लिए जारी की गई निधियां (प्रकाशन के लिए)	7 करोड़ रू		1.2 शुरू किए गए प्रिंट मीडिया अभियानों (प्रकाशित किए जाने वाले विज्ञापन) की संख्या	50
		1.3 आउटडोर मीडिया	5 करोड़ रू		1.3 आउटडोर मीडिया अभियानों में	50

	करना	अभियान के लिए जारी की गई निधियां		समाज	स्क्रीन की संख्या	
		1.4 कार्यक्रम / मेला / प्रशिक्षण / प्रदर्शनियों के लिए जारी की गई निधियां	2.5 करोड़ रू		1.4 सोशल मीडिया पद की संख्या	500
		1.5 क्रिएटिव (सृजनात्मक) / डिजाइनिंग के लिए जारी की गई निधियां	1 करोड़ रू		1.5 कार्यक्रमों / मेलों में भाग लिया	10
					1.6 डिजाइन की गई क्रिएटिव (सृजनात्मक) की संख्या (डॉक्यूमेंट्री, टीवीसी, माइक्रोडोक, रेडियो जिंगल्स, ऑडियोस्पॉट, आदि सहित)	8

3. दीनदयाल दिव्यांगजन पुनर्वास योजना (डीडीआरएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019 -20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
75.00	1. गैर सरकारी संगठनों / परियोजनाओं को सहायता	1.1 सहायता प्रदान किए गए गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की संख्या	700	1. दिव्यांगजनों के लिए सहायता सेवाओं की बेहतर उपलब्धता	1.1 लाभार्थियों की संख्या (सामान्य श्रेणी)	30,375
	2. अनुदानों का वितरण	2.1 वितरित अनुदानों की राशि	75.00 करोड़ रु		1.2 अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की संख्या	6750
	3. परियोजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों की बेहतर कवरेज	3.1 शुरू की गई परियोजनाओं के प्रकार की संख्या	9		1.3 अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों की संख्या	3375
		3.2 शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	50		1.4 पूर्वोत्तर लाभार्थियों की संख्या	4500

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					1.5 स्कूल (ड्रॉपआउट) करने वाले दिव्यांगजनों छात्रों की प्रतिशतता	6%
				2. देश भर में बेहतर भौगोलिक कवरेज	2.1 कवर किए गए जिलों की संख्या	250
				3. दिव्यांगता-वार कवरेज	3.1 बौद्धिक दिव्यांगता वाले लाभार्थी	27000
					3.2 मानसिक रूग्णता वाले लाभार्थी	200
					3.3 श्रवण बाधित लाभार्थी	11000
					3.4 दृष्टिबाधित लाभार्थी	5000
					3.5 कुष्ठ रोग मुक्त लाभार्थी	800
					3.6 प्रमस्तिष्क घात लाभाथी	900
					1.7 वाक् एवं भाषा दिव्यांगता वाले लाभार्थी	100

4. ब्रेल प्रेसों की स्थापना / आधुनिकीकरण / क्षमता वृद्धि के लिए सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
8.00	1. राज्यों में नई ब्रेल प्रेसों की स्थापना	1.1 राज्यों में स्थापित की गई ब्रेल प्रेसों की संख्या	5	1. स्कूल जाने वाले दृष्टिबाधित बच्चों की ब्रेल पुस्तकों की आवश्यकता पूरा करना	1.1 प्रिंट किए गए ब्रेल पृष्ठों की संख्या	1.5 करोड़ पृष्ठ
	2. संघ राज्य क्षेत्रों में ब्रेल प्रेस की छोटी इकाइयों की स्थापना	2.1 संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित की गई नई ब्रेल प्रेसों की संख्या	3			
	3. विद्यमान ब्रेल प्रेसों को सहायता जारी रखना	3.1 विद्यमान ब्रेल प्रेसों को जारी की गई अनावर्ती अनुदान की राशि	3.00 करोड़ रू.			

5. राष्ट्रीय न्यास को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
20.00	1. स्वलीनता (ऑटिज्म), परमस्तिष्क घात, बौद्धिक दिव्यांगता और बहु दिव्यांगता ग्रस्त व्यक्तियों को लाभान्वित करना	1.1 लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	1,10,000	1.दिव्यांगजनों के लिए बेहतर सहायता सेवाएँ	1.1 स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा उपलब्ध करवाए गए दिव्यांगजनों की संख्या	1,00,000
					1.2 'दिशा' और 'विकास' केन्द्रों के सहवासियों हेतु दिवसीय देखभाल सेवाएं	6000
					1.3 'समर्थ' और 'घरौंदा' केंद्रों सहवासियों के लिए आवासीय सेवाएं	3000
					1.4 स्कूल शिक्षा को मुख्यधारा में लाना	1,000

6. राज्य में स्पाइनल इंजरी सेंटर की स्थापना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
5.00	1. नि:शुल्क इलाज और स्पाइनल इंजरी प्रबंधन के लिए केन्द्रों की स्थापना	1.1 विभिन्न राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में प्रत्येक में समर्पित 12 बिस्तरों के साथ स्थापित किए जाने वाले केन्द्रों की संख्या	2 केंद्र	1. आर्थिक रूप से कमजोर स्पाइनल इंजरी के मरीजों के सहायता प्रदान करना	1.1 पुनर्वासित मरीजों की संख्या	73

7. भारतीय स्पाइनल इंजरी सेंटर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
4.00	1. उपचार और प्रबंधन पर व्यय में वृद्धि करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के स्पाइनल इंजरी व्यक्तियों को लाभान्वित करना	1.1 गरीब रोगियों को उपलब्ध कराए गए नि:शुल्क बिस्तरों की संख्या	5714	1. 3,00,000 / रू. तक की परिवारिक आय वाले आर्थिक रूप से कमजोर स्पाइनल इंजरी के मरीजों को सहायता प्रदान करना	1.1 पुनर्वासित मरीजों की संख्या	95

8. बधिरों के लिए कॉलेजों की स्थापना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-

			20			**20**
3	1. पाँच क्षेत्रों में बधिर और मूक छात्रों हेतु कॉलेजों की संवर्धित क्षमता	1.1 उन कॉलेजों की संख्या, जिनके लिए निधि वितरित की गई है	3 कॉलेज	1. शिक्षा के माध्यम से श्रवण बाधित छात्रों का सशक्तिकरण	1.1 स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए कॉलेजों में नामांकित श्रवण बाधित छात्रों की संख्या	60
		1.2 संवितरित की जाने वाली कुल निधियां	3.00		1.2 श्रवण बाधित छात्रों को प्रदान की गई डिग्रियों की संख्या	**
		1.3 वर्धित छात्रों के संदर्भ में अतिरिक्त क्षमता	30	2. श्रवण बाधित छात्रों के लिए रोजगार के बेहतर अवसर और जीवन की बेहतर गुणवत्ता	2.1 पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद रोजगार प्रदान किए गए छात्रों की संख्या	**
					2.2 पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद रोजगार प्रदान किए गए छात्रों का औसत पारिश्रमिक	**

***ये 2019-20 से शुरू होने वाले स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम हैं। पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद अर्थात पाठ्यक्रम शुरू होने के तीन वर्ष बाद डिग्री / रोजगार / पारिश्रमिक प्रगति प्रदान की जाएगी। इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

9. दिव्यांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
125.00	1. महिला दिव्यांग छात्रों का सशक्तिकरण	1.1 महिला छात्रों के लिए आरक्षण प्रतिशतता^	30%	1. दिव्यांग छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना (वार्षिक लक्ष्य 2019-20 चूंकि छात्रवृत्तियां राशि पूरे वर्ष के लिए वितरित की जाती हैं न कि त्रैमासिक)	1.1 छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराए गए छात्रों की संख्या (सामान्य श्रेणी)	23,100
	2. विभिन्न स्टेकहोल्डर के बीच जागरूकता सृजन और जागरूकता	2.1 जागरूकता सृजन और संवेदीकरण कार्यक्रमों की संख्या (कार्यशालाओं, सेमिनारों, विज्ञापनों, वीडियो सम्मेलनों, आदि सहित)	15		1.2 छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराए गए अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या	5600
	3. निधियों का समय पर संवितरण	3.1 राज्यों द्वारा अनुमोदित उन आवेदनों का प्रतिशत जिनके लिए निधियां जारी की जाती हैं	45%		1.3 छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराए गए अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या	2800
		3.2 प्राप्त आवेदनों में से आवेदनों का प्रतिशत जिनके लिए धनराशि लंबित है	55%		1.4 छात्रवृत्तियांउपलब्ध कराए गए पूर्वोत्तर छात्रों की संख्या	3500
					1.5 छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराए गए महिला छात्रों की संख्या	10500
					1.6 प्रदान की गई प्री मैट्रिक छात्रवृत्तियों की संख्या	14000
					1.7 प्रदान की गई पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्तियों की संख्या	20075
					1.8 प्रदान की गई उच्च श्रेणी छात्रवृत्तियों की संख्या	220

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					1.9 प्रदान की गई राष्ट्रीय ओवरसीज छात्रवृत्तियों की संख्या	5
					1.10 प्रदान की गई फैलोशिप छात्रवृत्तियों की संख्या	200
					1.11 प्रदान की गई नि: शुल्क कोचिंग छात्रवृत्तियों की संख्या	500
				2. शिक्षा में ड्रापआउट में कमी और सुधार निरंतरता में सुधार	2.1 ड्रापआउट करने वाले लाभार्थियों की प्रतिशतता (एनएसपी और / या एमएचआरडी से उपलब्धता के अध्यधीन प्रदान किया जाएगा)	**

*** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

10. दिव्यांगजन अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
क)	**सुगम्य भारत अभियान**					
315	1. सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने के लिए दिव्यांगजनों हेतु सार्वजनिक भवनों को सुगम्य बनाया गया	1.1 उन भवनों की संख्या जिनके लिए प्रथम किस्त जारी की जाएगी	300	1. सार्वजनिक भवनों के लिए दिव्यांगजनों की संवर्धित दौरे	1.1 सुगम्य बनाए जाने वाले सार्वजनिक भवनों की प्रतिशतता (कुल 1662 भवनों में से)	** 15% अर्थात लगभग 200 भवन
		1.2 उन भवनों की संख्या जिनके लिए दूसरी और अंतिम किस्त जारी की जाएगी	300			
	2. सूचना तक सहज पहुंच को आसान बनाने के लिए दिव्यांगजनों हेतु सुगम्य बनाई गई वेबसाइटें	2.1 डीईपीडब्ल्यूडी द्वारा इरनेट के माध्यम से सुगम्य बनाई गई राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों कीवेबसाइटों की संख्या	130	2. वेबसाइटों के लिए दिव्यांगजनों के संवर्धित दौरे	2.1 इरनेट के माध्यम से सुगम्य बनाई जाने वाली वेबसाइटों की प्रतिशतता (917 वेबसाइटों में से)	** 45% अर्थात लगभग 400 वेबसाइटे
*** अब तक की गई कार्य प्रगति के पैटर्न को देखते हुए और वर्ष 2019-20 में भवनों को पूरी तरह से सुगम्य बनाने के लिए राज्य की प्रतिसंवेदिता लक्ष्यों के साथ-साथ वास्तविक (जमीनी) स्थिति को महसूस करते हुए 200 भवनों के रूप में लक्ष्य स्थापित किया गया है और राज्य सरकार की वेबसाइटों को सुगम्य बनाने के लिए राज्य सरकार की 400 वेबसाइटें के रूप में लक्ष्य निर्धारित किया गया है। **लक्ष्य को पूरा करना कार्यान्वयन एजेंसियों अर्थात राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों की प्रतिसंवेदिता के अधीन है।***						
ख) कौशल प्रशिक्षण						
	1. गुणवत्ता कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना	1.1 नामांकित लाभार्थियों की संख्या	50,000	1. दिव्यांगजनों के रोजगार के अवसरों में वृद्धि	1.1 नियुक्त / नियोजित लाभार्थियों की संख्या	21,000

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.2 सफलतापूर्वक प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या	35,000 (यह इस तथ्य के मद्देनजर है कि आमतौर पर लगभग 70% लाभार्थी प्रशिक्षण के बाद मूल्यांकन पास करते हैं)		1.2 प्लेसमेंट में भाग लेने वाले नियोक्ताओं की संख्या में वृद्धि	65
	2. दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्त नई नौकरी भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की पहचान	2.1 एनएसक्यूएफ के अनुरूप दिव्यांगजनों के कौशल प्रशिक्षण के लिए तैयार किए जाने वाले किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या	45			
	3. दिव्यांग महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि	3.1 कौशल प्रशिक्षण के लिए नामांकित दिव्यांग महिलाओं की कुल संख्या	15,000			
	4. कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत दिव्यांगजनों की वर्धित गतिशीलता एवं निष्पादन	4.1 सहायक यंत्रों और उपकरणों के लिए सहायता अनुदान उपलब्ध कराए गए दिव्यांगजनों की संख्या	50,000			
ग) जागरूकता सृजन और प्रचार						
	1. दिव्यांगजनों के लिए योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता और संवेदीकरण पैदा करना	1.1 जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	30	1. दिव्यांगजनों के अधिकारों और हकदारियों और विभाग की योजनाओं के बारे में सार्वजनिक	1.1 सरकारी एजेंसियों के माध्यम से संवेदीकरण कार्यक्रमों की संख्या	10

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.2 पूर्वोत्तर राज्यों में कार्यक्रमों की संख्या	03	अधिकारियों और दिव्यांगजनों को संवेदी बनाया गया ।	1.2 गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के माध्यम से संवेदीकरण कार्यक्रमों की संख्या	20
		1.3 कवर किए गए राज्यों की संख्या	15		1.2 प्रत्याशित प्रतिभागियों की संख्या	5000
घ) सेवा-कालीन प्रशिक्षण और संवेदीकरण						
	1. दिव्यांगजनों की योजना और प्रावधान के बारे में केन्द्रीय / राज्य सरकारों में मुख्य पदाधिकारियों के प्रशिक्षण और संवेदीकरण के लिए अनुदान जारी करना।	1.1 प्रशिक्षित प्रमुख पदाधिकारियों की संख्या	4000	1. दिव्यांगताओं को समझने के लिए अधिकारियेां को उनके प्रति संवेदी बनाना ओर उनके सोच में सुधार लाना	1.1 लाभार्थियों की संख्या	4000
		1.2 प्रशिक्षित बैचों की संख्या	75			
		1.3 कवर किए गए बैचों की संख्या	28			

अंतिरक्ष विभाग

1. **अंतरिक्ष विज्ञान (सी.एस.)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
285.8	1 अंतरिक्ष विज्ञान मिशनों तथा अंतर ग्रहीय अभियानों का आयोजन	1.1 भारतीय चंद्र मिशन/चंद्रयान-II को पूरा करना	1	1 ब्रह्मांड की बेहतर समझ हेतु अंतरिक्ष अवसंरचना के डिजाइन तथा विकास के लिए स्वदेशी क्षमता का विकास	1.1 शुरू गए वैज्ञानिक मिशनों की संख्या	3
		1.2 आदित्य एल-1 मिशन का प्रमोचन	1		1.2 वैज्ञानिक प्रेक्षणों के लिए अंतरिक्ष प्लेटफार्म की उपलब्धता	5
		1.3 अंतरिक्ष विज्ञान मिशनों के प्रकाशनों की संख्या	24			
		1.4 जन सामान्य के उपयोग हेतु अंतरिक्ष विज्ञान संबंधी आँकड़ा जारी करना	1.5 टी.बी.			
		1.5 शैक्षणिक जगत में इसरो कार्यक्रमों द्वारा सहायता प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	345			

1. **लोहा एवं इस्पात क्षेत्र (सीएस) में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15.00	1. लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) परियोजनाओंका संचालन करना	1.1. अनुमोदित की जाने वाली आर एंड डी परियोजनाओं की संख्या	1	1. लोहा एवं इस्पात क्षेत्र में आरएंडडी के माध्यम से उत्पादों एवं प्रक्रियाओं से उत्पादों एवं प्रक्रियाओं हेतु नवीन और ऊर्जा दक्ष स्वदेशी प्रौद्योगिकियोंका विकास	1.1. लोहा एवं इस्पात उद्योग द्वारा वाणिज्यिक/ग्रहण की परियोजनाओं की संख्या	1
		1.2 चालू 21 आरएंडडी परियोजनाओं (क्र.सं. 1.3 एवं 1.5 में शामिल परियोजनाएं) में से पूरी की गई निर्धारित आरएंडडी परियोजनाओं की संख्या	9		1.2 विकसित नए उत्पादों की संख्या	1
		1.3. निर्धारित समय-सीमा में जो आरएंडडी परीयोजनाएं पूरी होने की (अन्य पूरी नहीं होने वाली है) संभावनाएं हैं, उनकी संख्या	3		1.3. विकसित नई प्रक्रियाओं की संख्या	1
		1.4. उन चालू आरएंडडी परियोजनाओं की संख्या	15			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		जो निर्धारित समय-सारणी का पालन कर रहे हैं (क्र.सं. 1.3 पर उल्लिखित परियोजनाएं शामिल हैं) की संख्या				
		1.5. अत्यधिक लागत के कारण विलंब हो रही चालू आरएंडडी परियोजनाओं की संख्या	6[11]			
		1.6. योजना के तहत वित्तपोषित आरएंडडी परियोजनाओं के जरिए आरएंडडी एजेंसियों द्वारा पेटेंट, प्रकाशन, चयनित/प्रयुक्त कार्यपत्रों की संख्या	1			

[11] *संभावित विलंब, लक्ष्य नहीं।*

1. राष्ट्रीय हथकरधा विकास कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
135	1. हथकरघा कलस्टर निर्माण और प्रबंधन प्रौद्योगिकी उन्नयन, हथकरघा विपणन और रियायती ऋण	1.1. शुरू किए गए नए हथकरघा कलस्टरों की कुल संख्या	70	1. औसत कार्य दिवसों में वृद्धि और संवर्धन	1.1. वर्ष में बुनकरों की औसत कमाई में प्रतिशत वृद्धि	15%[12]
		1.2. करघा उन्नयन के लिए शामिल किए गए बुनकरों की कुल संख्या	3,500		1.2. वर्ष में बुनकरों के कार्य दिवसों की औसत संख्या में वृद्धि	15
		1.3. कौशल उन्नयन कार्यक्रम के अधीन बुनकरों की कुल संख्या	2,000	2. विपणन सुविधाओं के लिए बेहतर पहुंच और संवर्धित प्रतिस्पर्धात्मकता	2.1. हथकरघा उत्पादों की बिक्री में प्रतिशत वृद्धि	15%
		1.4.आयोजित की गई प्रदर्शनियों/मेलों की संख्या	250			
		1.5. हथकरघा उत्पादों की बिक्री (करोड़ रुपए में)	300			
		1.6. योजना से लाभांवित हथकरघा बुनकरों की संख्या	50,000	3. स्वरोजगार में वृद्धि	3.1. बुनकरों की संख्या जिन्हें स्वरोजगार प्राप्त हुआ	50,000

[12] *12वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत मूल्यांकन रिपोर्ट पर आधारित अनुमान*

2. हथकरघा बुनकर व्यापक कल्याण योजना (एचडब्ल्यूसीडब्लयूएस)[13] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)	परिणाम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)
20.00	1. बीमा के लिए हथकरघा बुनकरों का पंजीकरण	1.1 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई)/प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) एवं विस्तारित महात्मा गांधी बुनकर बीमा योजना (एमजीबीबीवाई) के अंतर्गत पंजीकृत बुनकरों की संख्या	6.65लाख	1. हथकरघा बुनकर को जीवन और दुर्घटना बीमा सुरक्षा प्रदान करना।	1.1. फाइल किए गए बीमा के दावों की कुल संख्या के प्रति निपटान किए गए बीमा के दावों का अनुपात	100%

[13] *इस योजना में स्वास्थ्य बीमा योजना (एचआईएस) और महात्मा गांधी बुनकर बीमा योजना (एमजीबीबीवाई) शामिल है*

3. यार्न आपूर्ति योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
195.00	1. बुनकरों और संगठन को यार्न प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 यार्न के ढुलाई के भाड़े की प्रतिपूर्ति की राशि + डिपो के शुल्क की राशि (करोड़ रुपए में)	40.00	1. देशभर के हथकरघा बुनकरों को यार्न की नियमित आपूर्ति की सुविधा प्रदान करना।	1.1 यार्न की आपूर्ति प्राप्त करने वाले हथकरघा बुनकरों की संख्या (लाख में)	5.15
		1.2 वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले बुनकरों की संख्या	5.15		1.2. यार्न की आपूर्ति प्राप्त करने वाले हथकरघा बुनकरों का प्रतिशत (यार्न आपूर्ति के साथ हथकरघा बुनकरों की संख्या/बुनकरों की संख्या)	24%
		1.3 सफलतापूर्वक क्रियान्वित शिकायतों की संख्या	100%			

4. व्यापार सुविधा केंद्र और शिल्प संग्रहालय (सीएस)

यह योजना वित्त वर्ष 2019-20 के लिए प्रचालनशील नहीं है। 3 करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय।

5. हथकरघा कलस्टर विकास कार्यक्रम – हथकरघा मेगा कलस्टर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	1. प्रौद्योगिकी उन्नयन,	1.1. शुरू किए गए नए ब्लॉक स्तरीय कलस्टरों की कुल	6	1. आय में सुधार	1.1. औसत आय में प्रतिशत वृद्धि	15%

40.00	कौशल उन्नयन, डिजाइन विकास आदि सहित कलस्टर का विकास	संख्या				
		1.2. करघा उन्नयन के लिए शामिल बुनकरों की कुल संख्या	1000			
		1.3. कौशल उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत बुनकरों की कुल संख्या	400			

6. बुनकर सेवा केंद्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)	परिणाम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)
42.00	1. राज्य सरकारों के साथ संपर्क करके हथकरघा बुनकरों को कौशल, उन्नयन, डिजाइन और प्रौद्योगिकीय सहायता प्रदान करना	1.1. योजना के अंतर्गत कुशल बनाए गए बुनकरों की संख्या	14,500	1. आय में सुधार	1.1. औसत आय में प्रतिशत वृद्धि	15%

7. अन्य हथकरघा योजनाएं (सीएस)

यह योजना कार्यालय व्यय से संबंधित है और इसलिए आओएमएफ लागू नहीं है। वित्तीय परिव्यय 21.8 करोड़ रुपए है।

8. प्रशिक्षण और विस्तार (सीएस)

इस विशिष्ट योजना में केवल नोशनल आबंटन शामिल है और ऐसा कोई वास्तविक क्रियाकलाप नहीं है जिसके विशिष्ट लक्ष्य हों और वित्त वर्ष 2019-20 के लिए योजना बनाई जा रही है। अत: इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है।

9. डिजाइन और तकनीकी उन्नयन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)	परिणाम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)

70.00	1. डिजाइन और अवसंरचना उन्नयन के लिए अवसंरचना तथा समर्थकारी परिवेश तैयार करना	1.1. आयोजित डिजाइन विकास कार्यशालाओं की संख्या	100	1. उत्पादन में वृद्धि करने के लिए नई तकनीको और प्रैद्योगिकियों की शुरुआत के साथ परम्परागत कौशल का प्रयोग करके समकालीन बाजार की अधिमानता और रूचि का पूरा करना।	1.1 विकसित की गई नई प्रौद्योगिगिकी/ प्रोटो टाइप की संख्या	3000
		1.2. आयोजित एकीकृत डिजाइन विकास कार्यशालाओं की संख्या	40			
	2. ज्ञान की वृद्धि के साथ समकालीन बाजार की आवश्यकता को पूरा करने के लिए डिजाइन के पहलू के अनुरूप परिवेशतैयार करने के लिए डिजाइन कार्यक्रमों का क्रियान्वयन और टूल किटों की वितरण	2.1. वितरित टूल किटों की संख्या	2000			
		2.2 लाभांवित होने वाले कारीगरों की संख्या	6600			

10. अम्बेडकर हस्तशिल्प विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम (2019-20)**			**परिणाम (2019-20)**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**2019-20 (लक्ष्य)**	**परिणाम**	**संकेतक**	**2019-20 (लक्ष्य)**
6.00	1. प्रत्येक कारीगर का सर्वेक्षण कराना	1.1. कलस्टरों की संख्या जिनमें सर्वेक्षण किया गया	120	1. कारीगरों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण जिससे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की वृद्धि	1.1 गुणवत्ता में वृद्धि: उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि करने वाले कारीगरों की संख्या	4000
		1.2 सर्वेक्षण किए जाने वाले कारीगरों की संख्या	60,000			

	2. कारीगारों के समूहों का गठन करना/कार्यालय प्रभारी के साथ एसएचजी का गठन और एएबीवाई के अंतर्गत शामिल करना	2.1. एएबीवाई के अंतर्गत शामिल किए जाने वाले कारीगरों की संख्यां	40,000	2. गठित स्वयं सहायता समूह	2.1 गठित किए जाने वाले स्वयं सहायता समूहों की संख्या	2000

11. विपणन सहायता और सेवा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)	परिणाम	संकेतक	2019-20 (लक्ष्य)
45.00	1. हस्तशिल्प कारीगरों/स्वयं सहायता समूहों/उद्यमियों को सीधे विपणन प्लेटफॉर्म प्रदान करना	1.1. आयोजित विपणन कार्यक्रमों अर्थात गांधी शिल्प बाजार/शिल्प बाजार/प्रदर्शनी की संख्या	190	1. कारीगरों को विपणन प्लेटफॉर्म मुहैया कराने के उद्देश्य से विपणन कार्यक्रमों में अर्जित राजस्व	1.1 हस्तशिल्प उत्पादों की अनुमानित बिक्री (रुपए)	83 करोड़
		1.2 विपणन कार्यक्रमों में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले कारीगरों की संख्या	18000			
		1.3 विपणन कार्यक्रमों में लाभांवित कारीगरों की संख्या	16000			

12. हस्तशिल्प कारीगर व्यापक कल्याण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
26.00	1. **फोटो पहचान पत्र जारी करना:** हस्तशिल्प कारीगरों के पंजीकरण के लिए देशभर में शिविर लगाना और फील्ड सर्वेक्षण करना	1.1. कारीगरों को जारी किए गए पहचान पत्रों की संख्या	5,00,000	1. हस्तशिल्प कारीगरों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना	1.1. प्रतिकूल परिस्थितियों में कारीगरों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता की संख्या	350
	1. **ब्याज आर्थिक सहायता:** एलआईसी द्वारा पीएमजेजेबीवाई/ पीएमएसबीवाई एवं विस्तारित आम आदमी बीमा योजना के अंतर्गत मुद्रा ऋण का लाभ उठाने वाले हस्तशिल्प कारीगरों को ब्याज आर्थिक सहायात प्रदान करने वाले बैंकों को मुद्रा ऋण की सिफारिश करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा कारीगरों से आवेदन पत्र का संग्रहण	2.1 प्राप्त आवेदनों की संख्या	2,00,000		1.2. ऋण की राशि के लिए 6% की दर से ब्याज आर्थिक सहायता प्रदान किए गए कारीगरों की संख्या	1,00,000
		2.2 वित्तीय सहायता/ सहयोग (अर्थात मुद्रा ऋण) के लाभार्थियों की संख्या	1,00,000			
		2.3 ब्याज आर्थिक सहायता की राशि रुपए में	4,00,00,000		1.3. 10,000 रुपए की सीमा तक मार्जिन मनी प्रदान किए गए कारीगरों की संख्या	4,000
		2.4 एलआईसी द्वारा पंजीकृत कारीगरों की संख्या	1,50,000			
	प्रतिकूल परिस्थिति में वित्तीय	3.1 प्रतिकूल	300			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	सहायता: 60 वर्ष की आयु वाले शिल्प गुरूओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना	परिस्थिति में वित्तीय सहायता के लिए घटक के अंतर्गत लाभांवित कारीगरों की संख्या				

13. अनुसंधान एवं विकास – हस्तशिल्प (सीएस) (आरएंडडी)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20	*परिणाम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20
9.50	1. अध्ययन/ सर्वेक्षण करना और शिल्प जागरूकता का सृजन करना तथा जीआई अधिनियम के अंतर्गत शिल्प का पंजीकरण (संख्या)	1.1 आयोजित किए गए कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों की संख्या	50	1. कारीगरों को कौशल उन्नयन के लाभ	1.1. लाभांवित कारीगरों की संख्या	2650
		1.2 किए गए सर्वेक्षण एवं अध्ययन की संख्या	10			
		1.3 आयोजित ब्रांड निर्माण कार्यशालाओं की संख्या	10			
		1.4. शिल्पों के जीआई पंजीकरण की संख्या	6			

14. मानव संसाधन विकास – हस्तशिल्प (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
26.15	1. नई पीढ़ी को कौशल उन्नयन और परंपरागत शिल्प का ज्ञान प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	1.1 आयोजित किए गए कार्यक्रमों "स्थापित के माध्यम से प्रशिक्षण" की संख्या	02	1. हस्तशिल्प क्षेत्र को योग्य और प्रशिक्षित कार्यबल प्रदान करना	1.1 प्रशिक्षित कारीगरों की संख्या	6100
		1.2 आयोजित हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम की संख्या	100		1.2 गुरू शिष्य परंपरा के अंतर्गत प्रशिक्षित कारीगरों की संख्या	1500
		1.3 आयोजित सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	100			
		1.4 आयोजित गुरू शिष्य परंपरा प्रशिक्षण की संख्या	100			
		1.5 आयोजित प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण की संख्या	05			
		1.6 डिजाइन मेंटरशिप और अप्रेंटिस कार्यक्रम की संख्या	02			

15. अवसंरचना और प्रौद्योगिकी विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
11.71	1. हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए अवसंरचनात्मक सुविधा प्रदान करने के लिए कच्ची सामग्री डिपो, सामान्य सुविधा केंद्र, डिजाइन बैंक आदि की स्थापना	1.1 स्थापित कच्ची सामग्री डिपो की संख्या	1	1. हस्तशिल्प कारीगरों को विपणन प्लेटफॉर्म मुहैया कराने के लिए अवसंरचनात्मक परियोजना की स्थापना	1.1 लाभांभित कारीगरों की संख्या	2400
		1.2 स्थापित सामान्य सुविधा केंद्रों की संख्या	1		1.2 हस्तशिल्प उत्पाद की मात्रा में प्रतिशत वृद्धि	15%
		1.3 स्थापित डिजाइन बैंकों की संख्या	1			
		1.4 स्थापित शहरी हाट, मिनी शहरी हाट की संख्या	2			
		1.5 स्थापित अन्य अवसंरचना (अर्थात एम्पोरिया, शिल्प विद्यालय, शिल्प ग्राम, संसाधन केंद्र आदि) की संख्या	6			

16. जम्मू एवं कश्मीर मेगा कलस्टर में अन्य शिल्पों का विकास

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम (2019-20)			परिणाम (2019-20)		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20	*परिणाम*	*संकेतक*	लक्ष्य 2019-20
0.01	1. कारीगरों के लाभ के लिए सॉफ्ट इंटरवेंशन – टूल किटों की आपूर्ति और हार्ड इंटरवेंशन- सीएफसी/डिजाइन विकास केंद्र/कच्ची सामग्री बैंक की स्थापना करना	1.1 सामान्य सुविधा केंद्र जैसे हार्ड इंटरवेंशन की संख्या	12	1. बढ़े उत्पादन और बढ़ा उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए चयनित कलस्टर की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि करना।	1.1 जेएंडके में हस्तशिल्प उत्पाद की मात्रा में प्रतिशत वृद्धि	20-25%
		1.2 तकनीकी सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमं, डिजाइन विकास कार्यशाला आदि जैसे सॉफ्ट इंटरवेंशन की संख्या	64			
		1.3 सभी प्रशिक्षित कारीगरों को वितरित टूल किट/करघों की संख्या	1700		1.2 नए टूलों एवं तकनीक को शामिल करके दक्षता में प्रतिशत वृद्धि	20-25%
		1.4 लाभांवित कारीगरों की संख्या (प्रत्यक्ष रूप से टूल किटों के माध्यम से, अप्रत्यक्ष रूप से कार्यशाला के माध्यम से)	3130	2. अतिरिक्त जीविकोपार्जन के अवसर सृजित करना	2.1 हस्तशिल्प क्षेत्र में (जेएंडके में) लगे कारीगरों की औसत आय	15-25%

17. हस्तशिल्प कलस्टर विकास कार्यक्रम – हस्तशिल्प मेगाकलस्टर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए	निर्गम (2019-20)	परिणाम (2019-20)

में)						
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
30.00	1. सॉफ्ट इंटरवेंशन (तकनीकी प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शनी, डिजाइन कार्यशाला आदि) और हार्ड इंटरवेंशन (सीएफसी/डिजाइन विकास केंद्र/कच्ची सामग्री बैंक आदि) की व्यवस्था करना।	1.1 स्थापित नए मेगा कलस्टर की संख्या	9	1. बढ़े उत्पादन और बढ़ा उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए चयनित कलस्टर की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि करना।	1.1 हस्तशिल्प उत्पाद की मात्रा में प्रतिशत वृद्धि	15-25%
		1.2 स्थापित नई आईडीपीएच परियोजनाओं की संख्या	8			
		1.3 सभी प्रशिक्षित कारीगरों को वितरित टूल किटों और करघों की संख्या	70691	2. अतिरिक्त जीविकोपार्जन के अवसर सृजित करना	1.2 नए टूलों एवं तकनीक को शामिल करके दक्षता में प्रतिशत वृद्धि	20-25%
		1.4 लाभांवित कारीगरों की संख्या (प्रत्यक्ष रूप से टूल किटों के माध्यम से, अप्रत्यक्ष रूप से कार्यशाला के माध्यम से)	84463		2.1 हस्तशिल्प क्षेत्र में लगे कारीगरों की औसत आय	15-20%

18. अन्य हस्तशिल्प योजनाएं (सीएस)

इस विशिष्ट योजना में प्रशासनिक व्यय के लिए नोशनल आबंटन शामिल है और ऐसा कोई वास्तविक क्रियाकलाप नहीं है जिसके विशिष्ट लक्ष्य हों और वित्त वर्ष 2019-20 के लिए योजना बनाई जा रही है। अत: इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है। वित्तीय परिव्यय 41.3 करोड़ रुपए।

19. हस्तकला अकादमी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम (2019-20)**			**परिणाम (2019-20)**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	1. हस्तकला अकादमी की	1.1 परियोजना की प्रतिशत प्रगति	100%	1. दिल्ली में हैंड विविंग	1.1 संग्रहालय में अनुमानित आगंतुक	30,000

2.00	स्थापना करना (हस्तकला अकादमी में हस्तशिल्प संग्रहालय का उन्नयन)	1.2 शुरू किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या	6	और हस्तशिल्प का संरक्षण, पुनरूद्धार और दस्तावेजीकरण		
		1.3 पाठ्यक्रमों में नामांकित लोगों की संख्या	300			

20. एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम (आईडब्ल्यूडीपीप) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
29.00	**(क) ऊन उद्योग योजना**					
	1. राज्यों में ऊन उत्पादक समितियों के गठन के लिए वित्तीय सहायता / प्रोत्साहन और मौजूदा ऊन मंडियों / ग्रेडिंग केंद्रों में ऊन विपणन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना.	1.1 अवसरंचना उन्नयन के अंतर्गत शामिल मंडियों की संख्या	1	1. ऊन की खरीद में वृद्धि	1.1 अवसंरचना के विकास के तहत शामिल केंद्रों की संख्या	1 केंद्र
		2.2 गठित ऊन उत्पादक सोसायटियों की संख्या	1 सोसायटी			
	2. रिवाल्विंग फंड के तहत भेड़ प्रजनक से सीधे ऊन की खरीद	2.1 रिवॉल्विंग फंड से लाभ उठाने वाले भेड़ पालकों की संख्या	10,000		1.2 ऊन की खरीद (किलो)	2.23 लाख किलोग्राम ऊन की खरीद
	3. ऊन के लिए ई-मार्केट का विकास	3.1 एमआईएस के माध्यम से ऊन के लिए ई-मार्केट के विकास और ई-नीलामी के लिए सुविधा की प्रतिशत प्रगति	100%			
	(ख) ऊन प्रसंस्करण योजना (डब्ल्यूपीएस) (सीएस)					
	1. ऊन प्रसंस्करण मशीनों के लिए सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) स्थापित करना	1.1 स्थापित सीएफसी की संख्या	1 सीएफसी की स्थापना	1. ऊन की गुणवत्ता और ऊन की उत्पादकता में	1.1 अधिक फाइबर लंबाई के संदर्भ में ऊन की गुणवत्ता (किलो में)	प्रति दिन 500 किलोग्राम ऊन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	2. शीप शियरिंग मशीनों के लिए वित्तीय सहायता	1.2 उपलब्ध कराई गई शियरिंग मशीनों और उपकरणों की संख्या	12	सुधार और सीएफसी से खरीद	1.2 मशीन की कतरन के माध्यम से ऊन की उपज / पशु में वृद्धि	लगभग. 10%
	(ग) मानव संसाधन विकास और संवर्द्धनात्मक क्रियाकलाप योजना (सीएस)					
	1. बुनाई, कालीन निर्माण या ऊनी वस्तुओं के निर्माण में प्रशिक्षण	1.1 प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	40	1. नए उत्पादों के विकास, नई प्रक्रिया और उत्पादों के विविधीकरण के लिए अनुसंधान गतिविधियां करना	1.1 आरएंडडी परियोजनाओं की संख्या का व्यवसायीकरण किया गया	1
		1.2 प्रशिक्षण की संख्या	1			
	2. उत्पाद विविधता, नई प्रक्रिया, उत्पादों के विकास के लिए अनुसंधान और विकास परियोजना	2.1 एक आर एंड डी परियोजना की प्रतिशत प्रगति	100%	2. स्वदेशी ऊन का मानकीकरण – वूल मार्क, ब्रांडिंग और लेबलिंग	2.1 स्वदेशी ऊन मानकीकृत (किलोग्राम में)	*
	3. ऊन परीक्षण केंद्रों का संचालन	3.1 परीक्षण के लिए प्राप्त नमूनों की संख्या	1000	3. ऊन क्षेत्र में रोजगार सृजन	3.1 ऊन उद्योग में सृजित मानव-रोजगार की संख्या	40
	(घ) सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएस)					
	1. भेड़ों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना	1.1 जीवन बीमा प्राप्त करने वाले भेड़ पालकों की संख्या	2500	1. जीवन बीमा के तहत भेड़ प्रजनकों की बढ़ती संख्या	1.1 कवरेज: शामिल भेड़ प्रजनक / कुल भेड़ पालकों की जनसंख्या	5000 भेड़ ब्रीडर

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
					1.2 निपटान: निपटाए गए दावों की संख्या/ कुल बीमा दावों की संख्या	100%
	(ड) ऊन विकास योजना (डब्ल्यूडीएस) (सीएस)					
	1. भेड़ों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना	1.1 स्वास्थ्य देखभाल और गुणवत्ता वाले मेढ़ों वितरण के अंतर्गत शामिल भेड़ों की संख्या	15.40 लाख भेड़ें शामिल हैं	1. भेड़ों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार और मृत्यु दर में कमी	1.1 भेड़ों की मृत्यु दर में कमी	लगभग 10%
					1.2 भेड़ जनसंख्या (अनुमान)	7,00,000
				2. ऊन उत्पादन में वृद्धि	2.1 ऊन उत्पादन (किलोग्राम में)	कवर क्षेत्रों में ऊन उत्पादन में 10% की वृद्धि
	(च) अंगोरा ऊन विकास योजना (एडब्ल्यूडीएस) (सीएस)					
	1. जर्मप्लाज्म और मिनी अंगोरा रैबिट फार्म की स्थापना	1.1 जर्मप्लाज्म सैट अप की संख्या	1 (100 खरगोश)	1. खरगोश की आबादी में वृद्धि	1.1 अंगोरा खरगोशों की जनसंख्या में वृद्धि	1 (1 साल के बाद 200 खरगोश)
		1.2 मिनी अंगोरा फार्म की संख्या	1 (10 परिवारों पर 200 खरगोश)			
		1.3 अंगोरा संख्या का अनुपात / कुल संख्या	5%	ऊन उत्पादन में वृद्धि	2.1 ऊन उत्पादन (किलोग्राम में)	140 किग्रा. परियोजना क्षेत्र में
	(छ) जम्मू-कश्मीर के लिए पुनर्निर्माण योजना (पश्मीना संवर्धन योजना) (सीएस)					
	1. चारागाह खेतों का	1.1 स्थापित स्टॉक	200 (प्रति यूनिट 20	1. पश्मीना	1.1 पश्मीना ऊन	50 मीट्रिक टन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	विकास, खानाबदोशों और बकरियों के लिए आश्रय का निर्माण, टेंट, पश्मीना बकरियों का वितरण, पश्मीना ऊन की खरीद, ऊन प्रसंस्करण मशीनों की स्थापना, क्षमता निर्माण, पश्मीना उत्पादों का प्रचार और विपणन	इकाइयों की संख्या	बकरियां)	उत्पादन में वृद्धि	का उत्पादन (किलो / मीट्रिक टन)	
		1.2 विकसित चारा बैंकों की संख्या	3	2. पश्मीना बकरी की आबादी में वृद्धि	2.1 पश्मीना बकरी आबादी	2.60 लाख
		1.3 निर्मित आश्रय शेड की संख्या	80	3. पश्मीना फाइबर वृद्धि दर और उपज में वृद्धि	3.1 पश्मीना फाइबर उत्पादन	50 मीट्रिक टन
					3.2 प्रति पशु औसत उत्पादन (ग्राम में)	250 ग्राम
		1.4 स्थापित मिनी पश्मीना फार्म की संख्या	200	4. रोजगार सृजन और आजीविका में सुधार	4.1 रोजगार सृजन मानव दिनों की संख्या	मिनी पश्मीना फार्म सेटअप के लिए 200
					4.2 लाभार्थियों की संख्या	लगभग 4803 पश्मीना खानाबदोश परिवार
		1.5 टीका भंडारण केंद्रों की संख्या	3	5. पश्मीना ऊन की खरीद में वृद्धि	5.1 पश्मीना ऊन की खरीद (मैट्रिक टन में)	लगभग 6 मीट्रिक टन
		1.6 पश्मीना बकरियों का वितरण	4000			
		1.7 स्थापित प्रसंस्करण केंद्र की संख्या	1			
		1.8 कार्यशालाओं की संख्या (क्षमता	**			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		निर्माण, उत्पाद विविधता और डिजाइन विकास कार्यशालाएं, उद्यमिता विकास कार्यक्रम) और भाग लेने वाले लोगों की संख्या				
	2. शिकारी प्रूफ कोरल और एलईडी रोशनी का प्रावधान	2.1 प्रीडेटर वार्मिंग लाइट की खरीद की संख्या	100			
	3. चांगरा नस्ल के आनुवांशिक अध्ययन और अनुसंधान का प्रावधान	3.1 शोध अध्ययनों की संख्या	1			
	4. सरकार पर जागरूकता कार्यक्रम और वित्तीय योजनाएं	4.1 संचालित विज्ञापन अभियानों की संख्या (रेडियो / राष्ट्रीय समाचार पत्र / जीवन शैली पत्रिका / बैनर)	5 राष्ट्रीय अभियान			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

*** संकेतक मांग आधारित हैं।*

21. सिल्क मेगा क्लस्टर, मैसूर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
10.00[14]	1. रेशम ट्विस्टिंग, बुनाई और प्रसंस्करण के लिए सामान्य सुविधा प्रदान करना	1.1. रेशम की बुनाई, रेशम के धागों की रंगाई, रेशम के कपड़े के प्रसंस्करण, कढ़ाई आदि के लिए सामान्य सुविधा का निर्माण	1	1. वर्कशेड का निर्माण	1.1. वर्कशेडों की संख्या	25
		1.2. रेशम बुनाई के लिए स्थापित औद्योगिक इकाइयों की संख्या	एक एसपीवी में 25 उद्योग	2. रोजगार सृजन	2.1 प्रत्यक्ष रोजगार में संलग्न लोगों की संख्या	200 व्यक्ति

[14] *राज्य सरकार से एसपीवीओ भूमि हस्तांतरण के अधीन*

22. पटसन क्षेत्र (सीएस) के विकास के लिए योजना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
25.00	1. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पटसन और पटसन उत्पादों की खेती, निर्माण और विपणन के विकास के संबंध में अनुमोदित कार्यकलापों और प्रचार योजनाओं का कार्यान्वयन।	1.1 एमएसपी ऑपरेशन को लागू करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों की संख्या	14 करोड़ रुपए	1. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पटसन और पटसन उत्पादों की खेती, निर्माण और विपणन के विकास के संबंध में अनुमोदित कार्यकलापों और प्रचार योजनाओं का कार्यान्वयन।	1.1 आईएसएपीएम-आधुनिकीकरण और निवेश: देयताओं की राशि[15]	1.03 करोड़ रुपए

[15] *निधि जारी होने के अधीन*

23. बाजार संचालन (सीएस) के लिए भारतीय पटसन निगम को सब्सिडी

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
8.00	1. आवश्यकता के आधार पर आगामी एमएसपी अभियानों में छह राज्यों (पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और त्रिपुरा) में आधारभूत संरचना का रख-रखाव	1.1. एमएसपी अभियान को लागू करने के लिए विभागीय केंद्र की संख्या	141	1. आवश्यकता पड़ने पर कच्चे पटसन के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) अभियान का संचालन करना.	1.1 आवश्यकता पड़ने पर पटसन राज्य-वार उत्पादकों / किसानों, खरीद की मात्रा	5.50 लाख क्विंटल
		1.2. एमएसपी ऑपरेशन को लागू करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों की संख्या	14			

24. अन्य-आईजेआईआरए, सीओपी, जेसी (सीएस)

विशेष योजना में प्रशासनिक व्यय के लिए काल्पनिक आवंटन होता है और वित्त वर्ष 19-20 के लिए किसी भी ऐसी वास्तविक गतिविधि की योजना नहीं बनाई जा रही है जिसमें विशिष्ट लक्ष्य हों. इसलिए, इसे निर्गम परिणाम बजट से बाहर रखा जा सकता है। वित्तीय परिव्यय 1.55 करोड़ रुपए।

25. पॉवर टेक्स (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
129.08	1. योजना के घटक:			1. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए सक्षम बनाने वाले कपड़ों की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार करना ।	1.1. उत्पादन: विद्युत करघा पर उत्पादित कपड़ों की उत्पादन मात्रा	1152,000 मिलियन वर्ग मीटर
	(i) साधारण विद्युत करघों का स्व-सथाने उन्नयन	1.1. विद्युतकरघा उन्नयन योजना के तहत उन्नत किए गए विद्युत करघों की संख्या	63000 करघे			
	(ii) समूह वर्कशेड योजना	1.2. स्थापित वर्कशेड की संख्या *(प्रत्येक वर्कशेड में 230 से.मी. तक की चौडाई वाले शटल रहित 24 करघे (या) 230 सें.मी. की चौड़ाई वाले शटल रहित 16 करघे)*	9855 -			
	(iii) यार्न बैंक योजना	1.3. स्थापित यार्न बैंकों की संख्या	6 (निटिंग और निटवियर)			
	(iv) सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी)	1.4. स्थापित सामान्य सुविधा केंद्रों की संख्या	13 परियोजनाएं			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	(v) विद्युत करघा बुनकरों के लिए प्रधानमंत्री क्रेडिट योजना - मुद्रा /स्टैंड-अप	1.5. प्रधानमंत्री ऋण योजना के तहत ऋण सुविधा प्रदान किए जाने वाले एमएसएमई की संख्या	135 (45 पीएमएमवाई + 90 स्टैंड-अप इंडिया) - विद्युतकरघा 90 (36 पीएमएमवाई + 54 स्टैंड अप) -निटिंग और निटवियर			
	(vi) सौर ऊर्जा योजना	1.6. लघु विद्युतकरघा इकाइयों के लिए स्थापित सोलर फोटो वोल्टेक पैनलों की संख्या	90 विद्युत करघा			
	(vii) सुविधा, आईटी, जागरूकता, बाजार विकास और प्रचार	1.7. क्रेता विक्रेता बैठकें (बीएसएम), संगोष्ठी कार्यशालाएं, अनुभव दौरे	9 बीएसएम 30 सेमिनार/ कार्यशालाएं 18 अनुभव दौरे			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	(viii) आर्थिक रूप से कमजोर निम्न विद्युत करघा इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान करने और बुनियादी सुविधाओं का उन्नयन करने के लिए 32 गैर-टीएक्ससी पीएससी के लिए अनुदान सहायता	1.8. अनुदान सहायता के अंतर्गत आने वाले विद्युत करघा सेवा केंद्रों की संख्या	58			
	(ix) सभी पीएससी का आधुनिकीकरण।	1.9. आधुनिकीकरण करने वाले निटवियर केंद्रों की संख्या	8 (निटिंग और निटवियर क्लस्टर)			

26. व्यापक विद्युतकरघा कलस्टर विकास योजना (सीएस)

वित्तीय वर्ष (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
25.00	2. ऐसे समूहों का विकास जिसमें अवसंरचना, सामान्य सुविधाओं, नवाचारों, प्रौद्योगिकी उन्नयन और कौशल विकास के लिए सहायता द्वारा विकेन्द्रीकृत विद्युतकरघा अधिक हों।	2.1. पूर्ण किए गए समूहों की संख्या	1	1. क्लस्टर के तहत विद्युतकरघा में वृद्धि	1.1. व्यापक विद्युत करघा क्लस्टर विकास योजना के तहत लाए गए विद्युतकरघों की संख्या	5000 (अनुमानित)
		2.2. स्वीकृत क्लस्टरों की संख्या	1			

27. समूह बीमा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
5.00	1. जीवन बीमा के लिए श्रमिकों का नामांकन	1.1. विद्युतकरघा श्रमिकों की संख्याजिन्हें बीमा कवरेज योजना में नामांकित किया गया है	2,00,000	1. विद्युतकरघा श्रमिकों को प्राकृतिक मृत्यु, आकस्मिक मृत्यु के साथ-साथ दुर्घटना के कारण आंशिक और स्थायी विकलांगता के लिए बीमा कवर प्रदान करना.	1.1. दावों का प्रतिशत (जीओआई योगदान) तय हुआ	80% (एलआईसी के नियमों और शर्तों को पूरा करना)

28. एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना (आईपीडीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
3.50	1. आईपीडीएस नए प्रसंस्करण पार्कों का सृजन करने के साथ-साथ मौजूदा प्रसंस्करण कलस्टरों, विशेष रूप से पानी और अपशिष्ट जलप्रबंधन के क्षेत्र में उन्नयन करने में सहायता करेगा।	1.1 मौजूदा वस्त्र/कलस्टरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुमोदित और पूरी की गई परियोजना की संख्या।	2 परियोजनाएं	1. वस्त्र उद्योग को पर्यावरण के अनुकूल प्रसंस्करण मानकों और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना	1.1 जेडएलडी प्रणाली समर्थित प्रसंस्करण इकाइयों की संख्या	855 इकाइयां
		1.2 परियोजनाओं के लिए भारतसरकार द्वारा मंजूर की गई राशि	32.50 करोड़ रुपए	2. प्रसंस्करण के क्षेत्र में स्वच्छ प्रौद्योगिकी के अनुसंधान और विकास का संवर्धन	2.1. जेडएलडी – ईटीपीसेप्राप्त जल (प्रतिदिन मिलियनलीटर) (यानीजेडएलडी द्वारा प्रसंस्करण के बाद शोधित संयंत्र)	14.8 एमएलडी

29. एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एसआईटीपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
20.00	1. वस्त्र पार्कों की मंजूरी और उन्हें	1.1 चालू परियोजनाओं की संख्या अर्थात जो कार्य कर रही है।	6	1. संभावित विकास केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के नए पार्कों	1.1 स्थापित की गई वस्त्र इकाइयों की संख्या	366 इकाइयां

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	पूरा करना	1.2 मंजूर की गई परियोजनाओं की संख्या	1 (इस समय 7 पद **रिक्त** हैं और यह योजना मांग आधारित है)	का सृजन	1.2 रोजगार सृजन: सृजित नौकरियों/रोजगार प्राप्त लोगों की संख्या	40658 व्यक्ति
					1.3 वस्त्र पार्कों में निवेश का कुल मूल्य	1706.54 करोड़ रुपए

30. कामगार छात्रावास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1.00	1. कामगारों के छात्रावास की स्वीकृति	2.3. स्वीकृत किए गए कामगारों के छात्रावासों की संख्या और कुल क्षमता	1	1. कर्मचारियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना	1.1. छात्रावास सुविधाओं का उपयोग करने वाले कामगारों की संख्या	815 कामगार

31. वस्त्र समिति को सहायता (सीएस)

इस विशेष योजना में प्रशासनिक व्यय के लिए नोशनल आवंटन शामिल है और कोई ऐसा वास्तविक क्रियाकलाप जिनके कोई विशिष्टि लक्ष्य हो, की वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए योजना नहीं बनाई जा रही है। इस प्रकार इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है। वित्तीय परिव्यय 30 करोड़ रुपए।

32. फ्लैटेड फैक्ट्री और इनक्युबेशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
4.00	1. इन्क्यूबेशन केंद्रों का निर्माण	1.1 निर्मित इन्क्यूबेशन केंद्रों की संख्या और इन्क्यूबेट किए गए केंद्रों की संख्या	3 इन्क्यूबेट्स के साथ कम से कम 1 इन्क्यूबेशन केंद्र पूरा करना	1. वस्त्र विनिर्माण में उद्यमशीलता का संवर्धन करना	1.1 इन्क्यूबेशन के बाद उद्यमियों/ यूनिट धारकों की संख्या	20-25
	2. कामगारों का कौशल विकास	2. आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या और प्रशिक्षित लोगों की संख्या	3 इन्क्यूबेट्स के साथ कम से कम 1 इन्क्यूबेशन केंद्र पूरा करना जो 600 कामगारों (अधिकतम) को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।	2. रोजगार के अतिरिक्त अवसरों का सृजन	21. इन्क्यूबेट द्वारा वस्त्र विनिर्माण में सृजित नौकरियों की संख्या (अनुमान)	250
	3. इन्क्यूबेट केंद्रों के लिए सक्षम बाजार संपर्क	3.1 आयोजित घरेलू/ विदेशी प्रदर्शनियों की संख्या और उनमें भाग लेने वालों की अनुमानित संख्या	1 घरेलू/विदेशी 200 (अधिकतम)			

33. राज्य लेवियों की छूट (आरओएससीटीएल) (सीएस)

मंत्रिमंडल ने दिनांक 07.03.2019 को राज्य और केंद्रीय करों तथा लेवियों में छूट की नई योजना (आरओएससीटीएल) को अनुमोदन दिया। चूंकि

डीजीएफटी द्वारा शुल्क छूट सिद्धांत के आधार पर तैयार की गई आईटी आधारित योजना के माध्यम से करों/लेवियों में छूट दी गई है, इसलिए आरओएससीटीएल योजना में कोई बजट संबंधी निहितार्थ नहीं है।

34. प्रधानमंत्री परिधान रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमपीआरपीवाई) (सीएस)

इस योजना को दिनांक 1.4.2018 से श्रम मंत्रालय की प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पीएमआरपीवाई) में मिला दिया गया है।

35. निर्यात संवर्धन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
1.00	1. वस्त्र उत्पादन और निर्यात में सुधार के लिए नीति तैयार करने **के उद्देश्य से** वस्त्र क्षेत्र की बेहतर समझ विकसित करने के लिए क्षेत्र विशेष में अनुसंधान अध्ययन करना	1.1. किए गए अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	2	1. इससे नीति बनाने और निर्णय लेने में सहायता मिलेगी	1.1 अध्ययनों की संख्या जिनसे नीति बनाने/ वाणिज्यिक उत्पादन करने में सहायता मिली	2

36. वस्त्र श्रमिक पुनर्वास योजना (सीएस)

यह योजना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को हस्तांतरित कर दी गई है। मौजूदा राशि पूर्ववर्ती दावों के निपटान के लिए है। इस प्रकार इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग रखा जा सकता है। वित्तीय परिव्यय 1.5 करोड़ रुपए है।

37. अन्य – (टीआरए, सीओपी) (सीएस)

इस विशेष योजना में केवल नोशनल आबंटन है और कोई ऐसा वास्तविक क्रियाकलाप शामिल नहीं है जिनके वित्त वर्ष 2019-20 कोई विशिष्टि लक्ष्य हों। इस प्रकार इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है। वित्तीय परिव्यय 10.2 करोड़ रुपए है।

38. कौशल विकास के लिए एकीकृत योजना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100.50	1. वस्त्र क्षेत्र में प्रशिक्षित किए जा रहे और नौकरी प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या बढ़ाना	1.1. प्रशिक्षित लोगों की संख्या	4.00 लाख व्यक्ति	1. वस्त्र क्षेत्र में लक्ष्यगत क्षेत्रों में लक्ष्य समूहों के रोजगार के आंकड़ों में सुधार करना	1.1. संगत क्षेत्र में लाभप्रद रोजगार प्राप्त कुशल लोगों की संख्या और प्रतिशत	2.80 लाख व्यक्ति (70% प्रशिक्षित व्यक्ति सवेतन रोजगार में)

39. वस्त्र अनुसंधान एवं विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम *2019-20*			परिणाम *2019-20*		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
0.01	1. आरएंडडी योजना के तहत परियोजनाओं का सुदृढ़ीकरण	1.1 पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	15	1. प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा वस्त्र और पटसन क्षेत्र के क्रियाकलापों का विस्तार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं का समर्थन करना	1.1. दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	*
					1.2 वाणिज्यिक बनाई गई परियोजनाओं की संख्या	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

40. राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
29.00	1. एनआईएफटी, रायबरेली	1.1. पूरा किए गए कैम्पस की प्रगति की प्रतिशत	100%	1. कैम्पस का प्रभावी प्रचालन	1.1. पाठ्यक्रमों की संख्या	5 पाठ्यक्रम
					1.2. छात्रों की संख्या	481 छात्र
	2. जम्मू और कश्मीर में एनआईएफटी कैम्पस की स्थापना	2.1. पूरा किए गए कैम्पस की प्रगति की प्रतिशत	60%	2. कैम्पस का प्रभावी प्रचालन	2.1. होस्टल सुविधा से लाभान्वित होने वाले छात्रों की संख्या	740
	3. एनआईएफटी डिजाइन नवाचार इन्क्यूबेटर की स्थापना	3.1. अपेक्षित उपकरणों के साथ स्थापित इन्क्यूबेटर की संख्या	4 [दिल्ली (1), मुंबई(1) और बंगलुरू (2)] में इन्क्यूबेटर स्थापित किए जाएंगे।	3. इनरॉलिंग इन्क्यूबेट्स	3.1.इन्क्यूबेशन केंद्रों में पंजीकृत लोगों की संख्या	वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 300 वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1500
	4. शिलांग में एनआईएफटी कैम्पस की स्थापना	4.1. पूरा किए गए कैम्पस की प्रगति की प्रतिशत	100%	4. कैम्पस का प्रभावी प्रचालन	4.1.पाठ्यक्रमों की संख्या	3 पाठ्यक्रम
					4.2. छात्रों की संख्या	

41. कपास संबंधी प्रौद्योगिकी मिशन (सीएस)

इस विशेष योजना में केवल नोशनल आबंटन है और वित्त वर्ष 2019-20 के लिए किसी वास्तविक क्रियाकलाप की योजना नहीं है जिनके कोई विशिष्टि लक्ष्य हों। इस प्रकार इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है। वित्तय परिव्यय 0.01 करोड़ रुपए है।

42. निटवियर संबंधी प्रौद्योगिकी मिशन (सीएस)

इस विशेष योजना में केवल नोशनल आबंटन है और वित्त वर्ष 2019-20 के लिए किसी वास्तविक क्रियाकलाप की योजना नहीं है जिनके कोई विशिष्टि

लक्ष्य हों। इस प्रकार इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है। वित्तय परिव्यय 0.01 करोड़ रुपए है।

43. तकनीकी वस्त्र संबंधी प्रौद्योगिकी मिशन (सीएस)

इस विशेष योजना में केवल नोशनल आबंटन है और वित्त वर्ष 2019-20 के लिए किसी वास्तविक क्रियाकलाप की योजना नहीं है जिनके कोई विशिष्टि लक्ष्य हों। इस प्रकार इसे निर्गम परिणाम बजट से अलग किया जा सकता है। वित्तय परिव्यय 0.01 करोड़ रुपए है।

44. पूर्वोत्तर क्षेत्र वस्त्र संवर्धन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
124.98						
			क) विद्युतकरघा			
	1. मणिपुर में वर्कशेड का निर्माण करके और अर्द्ध-स्वचालित विद्युतकरघों को स्थापित करके विद्युतकरघा इकाइयों की स्थापना।	1.1 स्थापित विद्युतकरघा इकाइयों की संख्या	41	1. क्लॉद के उत्पादन में वृद्धि	1.1 वस्त्र की उत्पादन मात्रा में वृद्धि	339.22 मीटर
					1.2. वस्त्र के उत्पादन मूल्य में वृद्धि	831 लाख
			ख) हथकरघा			
	1. कलस्टर विकास परियोजना (सीडीपी) और प्रौद्योगिकी उन्नयन परियोजना (टीयूपी)[16]	1.1. कुल परियोजनाओं की संख्या जिनके लिए प्रतिबद्ध देयता का निपटारा किया गया है।	180 सीडीपी और 01 टीयूपी परियोजना चल रही है।	1. औसत मजदूरी में वृद्धि	1.1. वर्ष में बुनकरों की औसत आय में प्रतिशत वृद्धि	15%
	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र हथकरघा उत्पादों का विपणन संवर्धन: एनईआर के हथकरघा उत्पादकों और बुनकरों	2.1 कार्यक्रम के तहत आयोजित विपणन कार्यक्रमों की संख्या	34	2. हथकरघा उत्पादों की बिक्री में वृद्धि	2.1 हथकरघा उत्पादों की बिक्री में प्रतिशत वृद्धि	15%

[16] *287 सीडीपी में से अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और त्रिपुरा की 180 सीडीपी (असम के 92 और नागालैंड के 15 को छोड़कर जिन्हें बंद कर दिया गया है) और सिक्किम में 01 टीओपी पूरा किया जाएगा।*

	को विपणन प्लेटफार्म प्रदान करना					
ग) वस्त्र और परिधान निर्माण						
	1. उद्यमियों का विकास, रोजगार सृजन	1.1 प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कामगारों की संख्या	200 कामगार			
		1.2. कार्यक्रमों (घरेलू/ विदेशी) की संख्या जिनमें भाग लिया	3 घरेलू और 1 अंतर्राष्ट्रीय			
घ) हस्तशिल्प क्षेत्र						
	1. नागालैंड के लिए बांस, प्राकृतिक फाइबर और वस्त्र आधारित हस्तशिल्प कलस्टरों का विकास – नागालैंड सरकार (उद्योग निदेशालय) कोहिमा	1.1 प्रशिक्षित कारीगरों की संख्या	250	1. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय बढ़ाई जाएगी।में वृद्धि होगी	1.1. उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि	10%
		1.3.कलस्टरों की संख्या जहां कौशल मैंपिंग और बेसलाइन सर्वेक्षण किया गया है।	6 कलस्टर			
		1.4. निर्मित सीएफसी की संख्या	1		1.2 आय में प्रतिशत वृद्धि	6%
	2. मणिपुर में टैरीकोटा शिल्प का व्यापक विकास– मणिपुर सरकार (एमएचएचडीसी लि. इंफाल)	2.1 स्थापित सीएफसी की संख्या	1	2. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	2.1 उत्पादन में % वृद्धि	10%
		2.2.लाभार्थियों की संख्या	150 लाभार्थी		2.2 आय में % वृद्धि	6%

	3. त्रिपुरा में टैरीकोटा शिल्प का व्यापक विकास- त्रिपुरा सरकार (निदेशक, उद्योग, अगरतला, त्रिपुरा)	3.1 स्थापित सीएफसी की संख्या	1	3. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	3.1. उत्पादन में % वृद्धि	10%
		3.2.लाभार्थियों की संख्या	150 लाभार्थी		3.2. आय में % वृद्धि	6%
	4. नॉंगपोह, मेघालय में एकीकृत वस्त्र पर्यटन कॉंप्लेक्स की स्थापना करना (रेशम उत्पादन और बुनाई निदेशालय)	4.1. स्थापित शिल्प ग्रामों की संख्या	1	4. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	4.1. उत्पादन में % वृद्धि	10%
		4.2 स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या	1			
		4.3. स्थापित उत्पादन केंद्रों की संख्या	1		4.2. आय में % वृद्धि	6%
	5. विपणन संपर्क के साथ एकीकृत डिजाइन विकास परियोजना- (सीसीआईसी, नई दिल्ली)	5.1 एकीकृत डिजाइन विकास परियोजनाओं की संख्या	10	5. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	5.1. उत्पादन में % वृद्धि	10%
		5.2 लाभार्थियों की संख्या	300		5.2.आय में % वृद्धि	10%
	6. असम (एआरटीएफईडी), गुवाहाटी के 7 कलस्टरों में बांस, प्राकृतिक फाइबर और वस्त्र के हस्तनिर्मित शिल्प की एकीकृत विकास परियोजना	6.1.स्थापित सीएफसी की संख्या	7	6. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	6.1 रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष)	2450
					6.2 कार्य दिवसों में वृद्धि	125 से 225
					6.3 उत्पादन में वृद्धि	60%

					6.4 आय में वृद्धि	3500/- रुपए से 5000/- रुपए
	7. एनसीडीपीडी, नई दिल्ली द्वारा बीसीडीआई, अगरतला में संपोषणीय आधार पर बांस और केन हस्तशिल्प की बांस और केन विकास संवर्धन संस्थान का सुदृढ़ीकरण	7.1 स्थापित परीक्षण सुविधाओं की संख्या	1	7. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	7.1 लाभांवित कारीगरों की संख्या	5000
		7.2 ज्ञान दौरा कार्यक्रमों की संख्या	2		7.2. कारीगरों के आय में प्रतिशत वृद्धि	कम से कम 25%
	8.एमएचएचडीसी, इंफाल द्वारा मणिपुर में एकीकृत हस्तशिल्प विकास और संवर्धन	8.1 आयोजित डिजाइन और तकनीकी कार्यशालाओं की संख्या	17	8. उत्पादन, बिक्री और कारीगरों की आय में वृद्धि होगी	8.1 सृजित रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष)	4000
		8.2. विपणन प्रदर्शनियों की संख्या	10		8.2 कार्य दिवसों में वृद्धि	155 से 225
		8.3 लाभांवित कारीगरों की संख्या	510		8.3 उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि	20%
		8.4 स्थापित की गई सीएफसी की संख्या	5		8.4 आय में प्रतिशत वृद्धि	25%
		8.5 संवितरित की गई टूलकिट की संख्या	3,000			
ङ) रेशम उत्पादन क्षेत्र						
	1. रेशम उत्पादन में वृद्धि और कौशल विकास	1.1 चल रही परियोजनाएं	24	1. उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि करना और रेशम उत्पादन और रोजगार में वृद्धि करना। मुख्य जोर बाइवोल्टाइन	1.1 उत्पादकता में सुधार	मल्बरी वृक्षा रोपण का प्रति हेक्टेयर कच्ची रेशम का 80 कि.ग्रा.

				रेशम और वान्या रेशम विकल्प अर्थात एड़ी और मूगा के उत्पादन पर है ताकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रेशम की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।		
		1.2 नई परियोजनाएं	14		1.2 अपेक्षित रेनडिटा	1 कि.ग्रा. कच्ची रेशम का उत्पादन करने के लिए 7.9 कि.ग्रा. कोकून अपेक्षित- बाइवोल्टाइन
		1.3 कुल परियोजनाएं	38		1.3 कच्ची रेशम के उत्पादन में वृद्धि (एमटी)	1500
		1.4 वृक्षारोपण (एकड़)	38,170		1.4 रोजगार सृजन (लाख)	3.16
		1.5 कच्ची रेशम का उत्पादन (एमटी)	1,500			
		1.6 इनमें से आयात विकल्प कच्ची रेशम का उत्पादन (एमटी)	614			
		1.7 क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन: कुल लाभार्थी	63,235			

1. पर्यटन अवसंरचना: तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रशाद) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
160.50	1. प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना	1.1 स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या	39	1. मूल्यवर्धित सेवा के साथ पर्यटन संवर्धन के लिए सृजित रोजगार; संवर्धित पर्यटक आगमन/कौशल एवं क्षमता निर्माण	1.1 प्रशाद के तहत धार्मिक स्थलों में सीधे कार्यरत लोगों की संख्या	5,850
	2. तीर्थों / विरासत स्थलों के आस-पास बुनियादी सुविधाओं का विकास/ उन्नयन	2.1 31.03.19 तक पूरी की गई स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	15		1.2 प्रति वर्ष इन स्थलों की यात्रा करने वाले पर्यटकों/ तीर्थ यात्रियों की संख्या	14,00,00,000
	3. पर्यटक सूचना केंद्र (टीआईसी), पर्यटन सुविधा केन्द्र (टीएफसी), प्रकाश एवं ध्वनि संबंधी जानकारी क्लॉकरूम, पेयजल आउटलेट, पार्किंग आदि जैसे घटकों के रूप में अवसंरचना विकास	3.1 उक्त परियोजनाओं में से चालू शेष परियोजनाओं को पूरा किए जाने का %	45%			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. प्रत्येक परियोजना के लिए तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)	4.1 नियोजित अवधारणाओं (प्रत्येक स्थल के लिए) की संख्या	10			
		4.2 परियोजनाओं के लिए तैयार डीपीआर की संख्या	10			
	5. डीपीआर मूल्यांकन	5.1 वित्त वर्ष 2018 में पूरे किए गए डीपीआर मूल्यांकन	10			
	6. आवधिक परियोजना निगरानी रिपोर्ट	6.1 वित्त वर्ष 2018 में तैयार परियोजनाओं की निगरानी रिपोर्ट की संख्या	240			

2. संवर्धन एवं प्रचार: बाजार विकास सहायता सहित विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
446.2	1. संयुक्त संवर्धन, संवर्धनात्मक समारोह/ आयोजन, इंडिया इवनिंग्स, खाद्य महोत्सव (एकल तथा अन्य संगठनों के साथ मिलकर)	1.1 संयुक्त संवर्धन, संवर्धनात्मक समारोह/ आयोजन, इंडिया इवनिंग्स, खाद्य महोत्सव (एकल तथा अन्य संगठनों के साथ मिलकर)	120	1. विदेशी पर्यटक आगमन बढ़ाने के लिए	1.1 प्रतिवर्ष विदेशी पर्यटकों के आगमन में % वृद्धि	*
	2. व्यापार मेले और प्रदर्शनियां	2.1 व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों की संख्या जिनमें भाग लिया	80	1. विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए	2.1 पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय की वार्षिक वृद्धि दर में वृद्धि	*
	3. भारत को जानें सेमिनार / रोड शो	आयोजित भारत को जाने सेमिनार / रोड शो की संख्या	50			
	4. प्रिंट/ इलेक्ट्रॉनिक/ ऑनलाइन/डिजिटल मीडिया, आउटडोर में विज्ञापन	4.1 प्रकाशनों/टीवी/ चैनलों/ऑनलाइन/ डिजिटल साइटों तथा आउटडोर यूनिटों की संख्या जिनमें विज्ञापन जारी किए गए	240			
	5. ब्रोशर का मुद्रण / ब्रोशर सहायता	5.1 मुद्रित ब्रोशरों /दी गई ब्रोशर सहायता की संख्या	70			
	6. आतिथ्य कार्यक्रम	6.1 आतिथि मेहमानों की संख्या	400			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	7. विपणन विकास सहायता	7.1 सेवा प्रदाताओं की संख्या जिन्हें विपणन विकास सहायता प्राप्त हुई	100			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

3. संवर्धन एवं प्रचार: आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
129.50	1. क्षेत्र विशिष्ट अभियान और सामान्य अभियान	1.1 क्षेत्र विशिष्ट अभियानों की संख्या	**4**	1. घरेलू पर्यटन के विकास के लिए सामान्य जागरूकता लाना	1.1 समग्र घरेलू पर्यटक आगमन (डीटीवी) में % वृद्धि	*
	2. टीवी, रेडियो, अखबार एवं पत्रिकाओं जैसे मास मीडिया के जरिए अभियान	2.1 सोशल मीडिया अभियानों सहित सामान्य/अखिल भारतीय अभियानों की संख्या	**8**			
	3. संवर्धन और प्रचार प्रयोजनों से आयोजित समारोह	3.1 संवर्धन और प्रचार प्रयोजनों से आयोजित समारोहों की संख्या	**4**			
	4. अन्य संस्थानों द्वारा मांग के अनुसार आयोजित कार्यक्रम	3.1 कार्यक्रमों की संख्या जिनके लिए अन्य एजेंसियों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है	**30**			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

4. आईएचएम/ एफसीआई/ आईआईटीटीएम आदि को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
82.89	होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन (आईएचएम), खाद्य क्राफ्ट संस्थान (एफसीदआई), भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) / भारतीय पाककला संस्थान (आईसीआई) आदि की स्थापना एवं प्रचालन	1.1 नव सृजित अवसंरचना से प्रचालन शुरू कर रहे संस्थानों की संख्या	4	1. सीटों की संख्या में वृद्धि	1.1 संस्थानों में सीटों की संख्या में वृद्धि	120 पूर्व स्नातक सीटें 240 – डिप्लोमा पाठ्यक्रम
		1.2 उन जारी परियोजनाओं की संख्या जिन्हें वित्तीय सहायता दी जानी है	14	2. पर्यटन और उसके संबद्ध क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित एवं कुशल कार्मिक प्रदान करना।	2.1 आतिथ्य उद्योग में इन संस्थानों से नियोजित प्रशिक्षित एवं कुशल कार्मिकों की संख्या।	100%
		1.3 मौजूदा संस्थानों की संख्या जिन्हें सुदृढ़ किया जाना है ।	6			

5. प्रशिक्षण एवं कौशल विकासः सेवा प्रदाताओं हेतु क्षमता निर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
38.00	1. प्रशिक्षित नए सेवा प्रदाता	1.1 कौशल विकास श्रेणी के अंतर्गत प्रशिक्षित नए सेवा प्रदाताओं की संख्या	21175	1. ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए	1.1 सफलता पूर्वक प्रमाणित प्रशिक्षुओं के प्लेसमेंट या स्व-रोजगार का %	70%
	2. प्रशिक्षित मौजूदा सेवा प्रदाता	2.1 पुन:कौशल निर्माण श्रेणी के अंतर्गत प्रशिक्षित मौजूदा सेवा प्रदाताओं की संख्या	10780	2. मौजूदा सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करना	2.1 सेवा प्रदाताओं की संख्या में % वृद्धि	10%
	3. पर्यटन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन	3.1 आयेजित पर्यटन जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	875			

6. पर्यटन अवसंरचना हेतु अन्य सहायता: बाजार अनुसंधान संबंधी व्यावसायिक सेवाएं (एमआरपीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
5.00	1. नीति निर्माण और नियोजन के प्रयोजन से पर्यटन संबंधी सर्वेक्षण, अध्ययन, योजना, बाजार शोध/ व्यवहार्यता अध्ययन आदि करना।	1.1 योजना स्कीम से समर्थित पर्यटन संबंधी सर्वेक्षण, अध्ययन, योजनाओं, बाजार शोध/ व्यवहार्यता अध्ययन की संख्या।	7	1. नीति र्माण और नियोजन के उद्देश्य से मंत्रालय को संगत डाटा / सूचना/रिपोर्ट / इनपुट उपलब्ध कराना	1.1 पूरे किए गए सर्वेक्षणों, अध्ययनों, योजनाओं, बाजार शोध/ व्यवहार्यता अध्ययनों की संख्या जिनके आधार पर कार्रवाई योग्य (अर्थात् स्वीकृत) सिफारिशें आगे की कार्रवाई के लिए तैयार की गईं	7
	2. पर्यटन संबंधी मास्टर योजनाओं / संकल्पना योजनाओं / व्यवहार्यता अध्ययन और सांख्यिकीय सर्वेक्षण और अध्ययन के लिए राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करना।	2.1 मास्टर योजनाओं/ संकल्पना योजनाओं/ व्यवहार्यता अध्ययन और सांख्यिकीय सर्वेक्षण और अध्ययन की संख्या जिनके लिए राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता दी गई	2	2. नीति निर्माण और योजना के उद्देश्य से राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों को संगत डाटा/सूचना/ रिपोर्ट/इनपुट उपलब्ध कराना	2.1 सीएफए प्राप्त परियोजनाओं की संख्या जिनकी रिपोर्ट संबंधित राज्य / संघशासित क्षेत्र द्वारा स्वीकार कर ली गई ।	2
	3. पर्यटन के क्षेत्र में सम्मेलन / कार्यशालाएं / सेमिनार आदि आयोजित करने के लिए प्रतिष्ठित अनुसंधान / शैक्षणिक संस्थानों को सहायता प्रदान	3.1 सहायता प्राप्त कार्यशालाओं / सेमिनारों की संख्या	12	4 पर्यटन के क्षेत्र में शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा देना।	4.1 ऐसे प्रतिभागियों की संख्या जिन्हें सम्मेलनों / कार्यशालाओं / सेमिनारों की चर्चा उपयोगी लगी ।	1200
		3.2 सहायता प्राप्त	3		4.2 वित्त वर्ष 2019-	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	करना।	शोध पत्रिकाओं की संख्या			20 में प्रकाशित शैक्षिक पत्रों/ पुस्तकों आदि की संख्या	

जनजातीय कार्य मंत्रालय

मांग सं. 98

1. अनुसूचित जाति के छात्रों की उच्चतर शिक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति तथा छात्रवृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100.00	1. देश में न्यूनतम साक्षरता स्तर वाले अजजा के छात्रों को उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए अध्येतावृत्ति के रूप में प्रोत्साहित करना शिक्षकों/पेशेवरों तथा रोज़गार के अन्य उच्च स्तरीय पदों पर नियुक्ति के लिए अर्हता प्राप्त पेशेवर तैयार करना	1.1 अ.ज.जा. के छात्रों की संख्या जिन्हें उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।	1000	1. उच्चतर शिक्षा पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अजजा के छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 उच्चतर शिक्षा पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अजजा के छात्रों की संख्या	*
		1.2 अ.ज.जा. के छात्रों की संख्या जिन्हें उच्चतर शिक्षा के लिए अध्येतावृत्ति प्रदान की गयी।	750			
		1.3 स्कीम के तहत शामिल उच्चतर शिक्षा संस्थानों की संख्या	*		1.2 वर्ष के दौरान पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अ.ज.जा. के छात्रों की संख्या जिन्होंने अध्येतावृत्ति (एमफिल तथा पीएचडी) का लाभ उठाया है	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

2. अ.ज.जा. के छात्रों को विदेशों में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

2.00	1. अ.ज.जा. के छात्रों को स्नात-कोत्तर स्तर तथा उच्चतर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना	1.1 अ.ज.जा. के छात्रों की संख्या जिन्हें विदेश में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति दी गई	20	1. विदेश में उच्चतर शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करने वाले अजजा के छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1. पाठ्यक्रम [स्नातकोत्तर, डॉक्टर, डॉक्टरोत्तर] पूरा करने वाले अजजा के छात्रों की संख्या	*
		1.2 स्कीम के लिए राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों कोदी गई धनराशि	*		1.2. वर्ष के दौरान पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अजजा के छात्रों की संख्या	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

3. राष्ट्रीय / राज्य अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
80.00	1. अ.ज.जा. के परिवारों की पहचान तथा आर्थिक विकास कार्य **शुरू** करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना	अ.ज.जा. के लोगों की संख्या जिन्हें इस स्कीम में सहायता दी गई	1,00,000 **(लगभग)**	**1.** अ.ज.जा. परिवारों ने आर्थिक विकास कार्य सफलता पूर्वक शुरू किए	1.1 परिवारों की संख्या जिनकी आमदनी इस हस्तक्षेप से काफी बढ़ी।	20000
	2. अदायगी दायित्व को कम करने के लिए कम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता	1.1. स्कीम के तहत राज्यों को दी गई वित्तीय सहायता की मात्रा (करोड़ रु.)	270 करोड़			
	3. अन्य गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के साथ संपर्क/ सहयोग	1.3 सहयोग के लिए चिह्नित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की संख्या	*			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

4. जनजातीय उत्पाद के विकास एवं विपणन के लिए जनजातीय संस्थागत सहायता (ट्राइफेड आदि) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
83	1. उत्पादन, उत्पाद विकास, वन एवं कृषि उत्पादों के लिए सहायता के क्षेत्रों में विभिन्न जनजातियों के लोगों को व्यापक सहायता और सतत विपणन के लिए सरकारी एजेंसियां	1.1 व्यापक सहायता स्कीम के तहत सहायता प्रदत्त कार्यों/उत्सवों की संख्या	88	1. जनजातीय समूहों के लिए अधिक से अधिक आर्थिक कार्यकलाप तथा आजीविका सृजन	1.1 परिवारों की संख्या जिनकी वित्तीय आय उक्त सहायता से बढ़ी	75,000
		1.2. इस सहायता से लाभान्वित अजजा के कारीगरों/ शिल्पकारों की संख्या	1900		1.2 स्मारक/विषय परक कार्य योजना के अनुसार परियोजनाओं के पूरा होने का प्रतिशत	100%
					1.3 जारी कार्यवृत्त/ रिपोर्टों की संख्या	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

5. अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
110.00	1. कार्यक्रम के तहत सहायता प्राप्त संगठन/व्यक्ति	1.1. शिक्षा के क्षेत्र में लाभार्थियों की संख्या	65,000	1. छात्रों की शिक्षा पूरी करने की दर जिन्होंने आवासीय/ गैर-आवासीय विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की और जिन्होंने दी गई शिक्षा का लाभ उठाया।	1.1 अगली कक्षा में भेजे गए छात्रों की संख्या	*
		1.2. स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाभार्थियों की संख्या	8,50,000	10 बिस्तर वाले अस्पतालों/सेवारत चल चिकित्सालयों की संख्या	1.2 अस्पतालों/चल चिकित्सालयों में उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

6. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20

0.31	1. नए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना	1.1 स्थापित किए गए ईएमआरएस की संख्या	150	1. अजजा के छात्रों के दाखिले में वृद्धि	1.1 ईएमआरएस में अजजा के छात्रों के दाखिलों में वृद्धि	8973

7. वनबंधु कल्याण योजना (सीएसएस) – लघु वन उत्पाद का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी से एमएफपी)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
130	1. एमएसपी स्कीम में यथा निर्दिष्ट विभिन्न कार्य	1.1. एमएफपी के लिए एमएसपी से लाभान्वितों की संख्या	2,50,000/-	1. बाजार मूल्य में स्थिरता तथा प्राप्त बढ़े हुए मूल्य	1.1 जिले/जीपी की संख्या जहां सहकारी समितियां/लैंप कार्यरत हैं और सेवा प्रदान कर रहीं हैं	**
					1.2. बाजार मूल्य की स्थिरता बाजार मूल्य में अंतर से मापी जाती है	*
					1.3. मूल्य वर्धित एमएफपी की गुणवत्ता- बेची गई	*
		1.2. लाभार्थियों की संख्या जो हाट बाजारों में खरीद के माध्यम से लाभान्वित हुए	80,000		1.4. प्राप्त औसत मूल्य वृद्धि	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.3. स्व-सहायता समूहों की संख्या जो मूल्य संवर्धन तथा विपणन सुविधाओं से लाभान्वित हुए	2,660 एसएचजी[17]			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

*** संकेतक मांग से संचालित होते हैं।*

8. जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100.00	1. अनुसंधान अध्ययन, संग्रहालय/ स्मारक संगोष्ठियां	1.1 प्राप्त अनुसंधान तथा मूल्यांकन अध्ययनों की संख्या	45	1. समस्याओं और कमियों की पहचान	1.1 कार्य योजना के अनुसार पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	**

[17] *प्रत्येक एसएचजी में 30 व्यक्ति होते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.2 संग्रहालयों/स्मारकों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	6	2. सांस्कृतिक पहलुओं का संरक्षण	1.2 विषयगत कार्य योजना के अनुसार पूरे किए गए संग्रहालयों की संख्या	6
		1.3 संगोष्ठियों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	4	3. समस्या क्षेत्र की पहचान	1.3 जारी कार्यवृत्तों/ रिपोर्टों की संख्या	**

** संकेतक मांग आधारित हैं।*

1. **एकीकृत बाल विकास सेवाएं- किशोरियों के लिए स्कीम (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
300	1. पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक पदार्थों का प्रावधान, किशोरियों को मुख्य धारा में लाना तथा उनकी दक्षता बढ़ाना	1.1 दिए गए आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत किशोरियों की संख्या	12.5 लाख	1. किशोरियों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार	1.1 18.52 के नियत स्तर से कम बीएमआई वाली किशोरियों का प्रतिशत	एनएफएचएस-4 के स्तर से 2 प्रतिशत की कमी
		क) पूरक पोषाहार	12.5 लाख		1.2 एसएजी के माध्यम से खून की कमी वाली किशोरियों का प्रतिशत	लक्ष्य का 53.5 प्रतिशत (अर्थात 6.7 लाख)
		आईएफए टेबलेट	12.5 लाख		1.3 खून की कमी की समस्या से बाहर आने वाली किशोरियों का प्रतिशत	3 प्रतिशत प्रति वर्ष (पोषण अभियान का लक्ष्य)
		ग) स्वास्थ्य जांच	12.5 लाख	2. स्कूल छोड चुकी किशोरियों को स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है	2.1 एसएजी के साथ पंजीकृत दोबारा से स्कूल जाने वाली स्कूल छोड चुकी किशोरियों की संख्या	4 लाख
		घ) पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा	10 लाख	3. देश भर में एसएजी की कवरेज सुधारना	3.1 किशोरी समूह में पंजीकृत किशोरियों की कुल संख्या	12.5 लाख
		ड.) गृह प्रबंधन पर परामर्श	10 लाख			
		औपचारिक /	4 लाख			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		अनौपचारिक/शिक्षा / कौशल प्रशिक्षण द्वारा मुख्य धारा में लाना।				
		झ) जीवन कौशल शिक्षा	10			
		ज़) जन सेवाओं तक पहुंच के लिए सहायता	10			
	2. किशोरियों को पोषण और गैर पोषण सेवाएं प्रदान करने के लिए समारोहों का आयोजन।	2.1 आयोजित किशोरी दिवस समारोहों की संख्या।	12 समारोह (महीने में एक बार)			

2. एकीकृत बाल विकास सेवा - राष्ट्रीय क्रेच स्कीम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. प्रचालन-रत क्रेचों की संख्या	1.1 प्रचालनरत क्रेचों की संख्या	8000	1. क्रेच योजना में शामिल किए गए बच्चे	1.1 राष्ट्रीय क्रेच स्कीम में शामिल बच्चों की संख्या	200000
		1.2 क्रेच कार्यकर्ता और क्रेच सहायक के स्तर पर रिक्तियों का प्रतिशत	0%	2. कामकाजी माता-पिता को दिन के समय देखभाल की सुविधाएं प्रदान की गई जिससे वे कार्य कर सकें ।	2.1 दिन के समय की देखभाल सुविधाओं वाले माता-पिताओं (माता या पिता) की संख्या ।	200000
		1.3 चालू शोचालय	8000			

		युक्त क्रेचों की संख्या				
		1.4 पेयजल आपूर्ति युक्त क्रेचों की संख्या	8000			

3. महिला सशक्तीकरण मिशन- महिला शक्ति केंद्र (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
150	1. राष्ट्रीय महिला सशक्तीकरण मिशन के लिए अवसंरचना का सृजन	1.1 सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में संबंधित राजयों/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के अंतर्गत स्थापित राज्य महिला संसाधन केंद्र (एसआरसीडब्ल्यू)	36 राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	1. भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की स्कीमों/ कार्यक्रमों के अभिसरण के माध्यम से समग्र महिला सशक्तीकरण हासिल करना।	1.1 एमएसके की जागरूकता और संपर्क गतिविधियों के माध्यम से चयनित ब्लाकों में शामिल महिलाओं का प्रतिशत	100%
		1.2 स्थापित महिला जिला स्तरीय केंद्र (सीएलसीडब्ल्यू) की संख्या	640 जिले		1.2 सेवाओं का लाभ प्राप्त करने वाली महिलाओं में से सेवाओं की मांग करने वाली महिलाओं का प्रतिशत	100% महिलाओं की सेवाओं की मांग करने वाली महिलाएं पहुंच गईं
		1.3 महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए एमएसके अभिसरण सेवाएं प्रदान करने वाले चयनित 65 जिलों में ब्लाकों की संख्या	115 महत्वाकांक्षी/ पिछड़े जिले (छह माह के लिए)		1.3 मांग करने वाली कुल महिलाओं में से सरकारी स्कीम का लाभ/सेवा प्राप्त करने वाली महिलाओं का प्रतिशत ।	50% महिलाएं सेवाओं की मांग कर रही है ।

4. महिला सशक्तीकरण मिशन- स्वधारगृह (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. स्वाधार गृहों की	1.1 प्रचालनीकृत (सभी सेवाएं प्रदान करने वाले) स्वाधार	65	1. महिलाओं का सफल पुनर्वास	1.1 स्वाधार गृह में दाखिल कुल महिलाओं में से (क) वेतन/स्व रोजगार (ख)	3000

	स्थापना के माध्यम से सेवाओं का प्रावधान	गृहों की अतिरिक्त संख्या ।			सोसायटी/ परिवार में मुख्य धारा के माध्यम से पुर्नवासित महिलाओं की संख्या	
		1.2 निम्नलिलिखत स्थिति में रिक्तियों की संख्या निवासी अधीक्षक, परामर्शक तथा चिकित्सक ।	195			
		1.3 2019-20 में लाभार्थियों की कुल संख्या ।	16500			

5. महिला सशक्तीकरण मिशन – उज्ज्वला (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30	1. मानव तस्करी का निवारण, तस्करी के पीडितों को बचाना एवं पुर्नवास पुर्नवापसी तथा प्रत्यावर्तन	1.1 उज्जवला (संरक्षणात्मक एवं पुर्नवासिक गृहों सहित उज्जवला परियोजनाओं की अतिरिक्त संख्या	25	1. तस्करी की शिकार महिलाओं को समाज में रहने और सहायता प्राप्त करने का अवसर देना	1.1 पुर्नवासित महिलाओं की संख्या	2500
		1.2 2019-20 में लाभार्थियों की कुल संख्या	5800 (लाभार्थी)		1.2 पुर्नवासित महिलाओं में से समाज में मिलने वाली महिलाओं की संख्या	1155
					1.3 प्रत्यावर्तित पीडितों की संख्या	25

6. महिला सशक्तिकरण मिशन - कामकाजी महिला छात्रावास (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
165	1. कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित तथा सुविधाजनक स्थान और आवास की उपलब्धता को प्रोत्साहित करना	1.1 मंजूर किए गए नए छात्रावासों की संख्या	80 75 - निर्माण 5 - किराया आधार	1. छात्रावासों की सफलतापूर्वक स्थापना	1.1 प्रचलित/ प्रचालनरत छात्रावासों की संख्या।	25

7. वृंदावन (सीएसएस) में विधवा गृह (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15	1. विधवाओं के लिए गृहों की स्थापना के माध्यम से सेवाओं का प्रावधान	1.1 विधवाओं के लिए रहने का एक सुरक्षित एवं संरक्षित स्थान, स्वास्थ्य सेवाएं, पोष्टिक भोजन, कानूनी तथा परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए 1000 विधवाओं के रहने की क्षमता वाला गृह । 1.2 निम्नलिखित पदों के लिए रिक्तियों की संख्या - निवासी अधीक्षक, परामर्शक तथा चिकित्सक।	162 लाभार्थी 00	लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि	2019-20 के दौरान लाभार्थियों की कुल संख्या ।	200

8. महिला सशक्तीकरण मिशन- लैंगिक बजट एवं अनुसंधान, प्रकाशन एवं निगरानी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
7	1. मुख्य हितधारकों के साथ	1.1 केंद्र सरकार के अधिकारियों के माध्य	कुल प्रशिक्षित भागीदारों का 50%	1. केंद्रीय मंत्रालयों/ विभागों में लैंगिक	1.1 लैंगिक प्रतिक्रिया हस्तक्षेप वाले मंत्रालयों	कम से कम 5 मंत्रालयों/ विभागों

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	लैंगिक बजट पर केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के अधिकारियों का प्रशिक्षण	लैंगिक प्रतिक्रियावादी बजट से संबंधित ज्ञान वाले कुल भागीदारों की संख्या ।		प्रतिक्रिया हस्तक्षेपों में वृद्धि	विभागों की संख्या	ने लैंगिक प्रतिक्रिया हस्तक्षेप में वृद्धि की है
	2. लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों/विभाग में लैंगिक प्रतिक्रिया हस्तक्षेप बढाने के लिए अधिक क्षमता निर्माण।	2.1 लैंगिक प्रतिक्रिया हस्तक्षेप बढाने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों/ विभागों में सुदृढ/ स्थापित किए गए लैंगिक बजट प्रकोष्ठों की संख्या	5 मंत्रालय/विभाग			
	3. महिला एवं बाल केंद्रित मुद्दों पर उपर्युक्त एक बेहतर अनुसंधान अध्ययन और सेमिनारों/संमेलनों का आयोजन करना जिससे कि वे निति एवं कार्यक्रम सुधार और महिला एवं बाल विकास पर नई नीतियां बनाने के लिए मददगार साबित हो।	3.1 निष्कर्षों तथा सिफारिशों के साथ अध्ययन रिपोर्ट का अंतिम प्रस्तुतिकरण.	04	2. देश में सूचना के अंतर को दूर करने और चालू मध्यक्षेपों तथा नीति बनाने में सुधार में मदद करने के लिए महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित मामलों पर अनुसंधान/ मूल्यांकन कार्यों को सहायता देना।	2.1 कई अनुसंधान परियोजनाएं जो नीति और कार्यक्रम सुधार करती हो और महिला एवं बाल विकास से संबंधित नई नीतियां तैयार करती हों ।	02
		3.2 चालू अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	26		2.2 जागरूकता/सृजित करने के लिए आयोजित सेमिनार/ कार्यशालाओं की संख्या	
		3.3 नई परियोजनाओं	04			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		की संख्या				
	4. इन्टर्नशिप कार्यक्रम	4.1 इन्टर्नशिप कार्यक्रम को पूरा करने वाले विद्यार्थियां विद्वानों की संख्या	100	3. युवा छात्रों विद्वानों को अनुकूलन प्रशिक्षण दिया जाएगा।	3.1 विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले इन्टर्न की संख्या	100

9. महिला सशक्तीकरण मिशन – सूचना एवं मास शिक्षा (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
130	1. प्राथामिक गतिविधियों में प्रिंट मीडिया इलैक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया, बाहरी प्रदर्शनी आयोजन पुस्तिका का प्रकाशन तथा अन्य प्रकार की सूचना का प्रसार के द्वारा सूचना प्रसार किया जाना शामिल है ताकि सूचना देश की कुल जनसंख्या के 67 प्रतिशत लोगों तक पहुंच सके ।	1.1 निम्नलिखित की संख्या i) प्रिंट मीडिया ii) टीवी स्पोट के माध्यम से अभियान iii) रेडियो विज्ञापन के माध्यम से अभियान (सार्वजनिक एवं निजी) (iv) एसएमएस के माध्यम से अभियान v) बाहरी अभियान	10 5 3 1 8	1. महिलाओं एवं बालकों के बारे में लोगों की सोच को बदलने तथा उनसे जुडी नीतियों/ कार्यक्रमों/ गतिविधियों के बारे में जागरूकता सृजन करने/ सुचना का प्रसार करने के लक्ष्य से देश की महिलाओं एवं बच्चों को सशक्त बनाना। प्रिंट मीडिया, इलैकट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया, बाहरी गतिविधियों, प्रदर्शनी के आयोजन, पुस्तिकाओं	1.1 पहुंचे लोगों की अनुमानित संख्या : मीडिया गतिविधियां कबर पान इंडिया	84,75,98,483 (कुल जनसंख्या का 70%)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
				का प्रकाशान तथा सूचना के प्रसार के अन्य तरीकों के माध्यम से सामान्य जनता के मध्य कल्याण, विधायी हस्तक्षेपतथा योजना संबंधी हस्तक्षेप		

10. महिला सशक्तीकरण मिशन – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
280	1. चयनित जिलों, बहु-क्षेत्रीय हस्तक्षेपों में राष्ट्रव्यापी जागरूकता	1.1 राष्ट्रीय रूप से मास मीडिया के माध्यम से पहुंचे लोगों की प्रतिशत संख्या	75%	1. लिंग आधारित लिंग चयनित समाप्ति का निवारित करना	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी- 929) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालयके एचएमआईएस डेटा के अनुसार। 2017-18*	जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार (SRB) प्रति वर्ष 2 अंक

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	और वकालत अभियान	1.2 चयनित जिलों में पहुंचे लोगों की प्रतिशत संख्या	80%		1.2 बाल लैंगिक अनुपात	सीएसआर- 918 (जनगणना 2011 के अनुसार) बाल लैंगिक अनुपात दस साल में एक बार भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा गिना जाता है। अगली जनगणना 2021 में होगी
				2. बालिकाओं के संरक्षण और पुनरूद्धार को सुनिश्चित करना	2.1 राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम त्रैमासिक एएनसी पंजीकरण की संख्या (एएनसी, 1,85,85,260) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एचएमआईएस डेटा के अनुसार। 2017-18*[18] 2.2 राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत प्रसव का प्रतिशत	पहली तिमाही ए.एन.सी.पंजीकरण के प्रति वर्ष कम से कम 1% की वृद्धि। (एएनसी-1,87,71113) संस्थागत प्रसव के प्रति वर्ष कम से कम 1.5% की वृद्धि
				3. बालिका की शिक्षा और भागीदारी को सुनिश्चित करना	3.1 माध्यमिक स्तर पर महिला छात्र का जीईआर - 80.51** (यू-डीआईएसई 2017-18 के अनुसार)	सैकंडरी स्तर पर लडकियों की जीईआर केा यू-डाईस के माध्यम से वार्षिक आधार पर मापा जाता है । इसमें स्कूल छोडने और बने रहने का समग्र प्रभाव शामिल है । वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए माध्यमिक स्तर के लक्ष्य के लिए जीईआर को एमएचआरडी द्वारा साझा नहीं किया गयाहै।[19]

[18]* *वित्त वर्ष 2018-19 के लिए डेटा का इंतजार है।*

11. महिला सशक्तीकरण मिशन – महिला हैल्प लाइन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
17.78	1. 36 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में डब्ल्यूएचएल का व्यापक कार्यान्वयन	1.1 36 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में डब्ल्यू-एचएल का व्यापक कार्यान्वयन	महिला हेल्पलाइन (181) का हर राज्य / केन्द्र शासित प्रदेशों में संचालन	1. समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा हिंसा को दूर करने के लिए हिंसा प्रभावित महिलाओं को शीघ्र प्रतिक्रिया देना ।	1.1 प्राप्त होने वाली प्रभावी कालों की संख्या	40000 कॉल (10000 कॉल प्रति तिमाही*)[20]
					1.2 ओएससी को भेजी गई कालों का प्रतिशत	*
					1.3 ओएससी से अन्य प्राधिकरणों को भेजी कालों का प्रतिशत	*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

12. महिला सशक्तीकरण मिशन – वन स्टाप केंद्र (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
274	1. ओएससी का प्रचालनीकरण	1.1 स्कीकृत ओएससी के विरूद्ध	728 स्वीकृत ओएससी (वर्तमान में 506 ओएससी) का संचालन	1. महिलाओं एवं लडकियों के खिलाफ होने वाली हिंसा के	1.1 पंजीकृत मामलों की संख्या	10000 मामला (2500 मामला प्रति तिमाही*)[21]

[19]** *(यू-डीआईएसई 2017-18* के प्रावधान के अनुसार) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से वित्त वर्ष *2017-18* के लिए अंतिम डेटा अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

[20]*टिप्पणियाँ: * महिला हैल्प लाइन (में कॉल ज्यादातर जरूरत केआधार परसंकट में महिलाओं द्वारा होतीहैं। डब्ल्यूएचएल में कॉल की एक लक्षित संख्या को प्रस्तुत करने के लिए यानी संकट में महिलाएं या हिंसा से प्रभावित महिलाएं न तो उचित हैं और नही वांछनीय। हालांकि, लक्ष्य को अब तक पंजीकृत कॉल के आधार पर अनुमानित किया गया है – विशेषकर तिमाही डेटा।*

[21]*ओएससी में मामले ज्यादातर आवश्यकता के आधार पर संकटग्रस्त महिलाओं के होते हैं। ओएससी और डब्लूएचएल में दर्ज मामलों की लक्षित संख्या प्रस्तुत करने के लिए यानी संकट में पीड़ित महिलाएं या हिंसा से प्रभावित महिलाएं न तो उचित हैं और न ही वांछनीय है। तथापि, अब तक दर्ज किए गए मामलों के आधार पर लक्ष्य का अनुमान लगाया गया है – जो विशेषकर तिमाही डेटा आधारित है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		प्रचालनीकृत ओएससी की संख्या	किया गया है और शेष 222 (728-506) ओएससी को परिचालन में लाने का लक्ष्य रखा गया है।	मामलों को निपटाना और समुदाय आधारित तंत्र का सृजन करना जो निजी और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा को सुनिश्चित करें ।		
	2. ओएससी का अतिरिक्त जिलों में विस्तार	2.1 उन जिलों की संख्या जहां ओएससी का विस्तार हुआ	प्रति जिले एक ओएससी की स्वीकृति पहले ही हो चुकी है और इसलिए, लक्ष्य की संतृप्ति प्राप्त की गई है। हालांकि राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों से मांग के आधार पर संख्या बढ़ाई जा सकती है		1.2 मामले दर्ज करवाने वाली महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्हें सेवाएं प्रदान की गई ।	25%

13. महिला पुलिस स्वंयसेवक (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
7.01	1. सभी राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल करते हुए 65 जिलों में महिला पुलिस स्वंय सेवकों (एमपीवी) की सेवाएं	1.1 एमपीवी के अंतर्गत शामिल जिलों कि संख्या	65 जिले	1. संकटावस्था वाली महिलाओं को सुविधा प्रदान करना	1.1 महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों की रिपोर्टों की संख्या	*[22]

[22] *चूंकि योजना कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है, इसलिए इस स्तर पर लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है। चूंकि डेटा बेस उपलब्ध नहीं है, इसलिए इस स्तर पर अपेक्षित / अनुमानित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए जा सकते हैं।*

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय — मांग संख्या 100

1. राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
160	1. विभिन्न कार्यकलापों में प्रतिभागिता के अवसर	1.1. प्रतिभागी स्वयंसेवकों/ शुरू किए गए कार्यकलापों की संख्या	एनएसएस स्वयंसेवकों का पंजीकरण: 36 लाख • गांवों/मलिन बस्तियों को अपनाना: 17500 • अपनाए गए गांवों/ मलिन बस्तियों में विशेष शिविर: 17500 • एनएसएस पुरस्कार: 52 • राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एनआईसी) : 15 • पूर्वोत्तर एनएसएस युवा महोत्स : 03 • साहस कार्यकलाप: 1200 स्वयंसेवक • स्वतंत्रता दिवस परेड शिविर: 200 स्वयंसेवक	1. समुदाय सहभागिता और स्वैच्छिक कार्य करने के लिए युवाओं को लामबंद करना	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में एनएसएस कार्यकलापों में प्रतिभागिता का स्तर	इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि एनएसएस यूनिटों की संख्या 40,000 निश्चित है और प्रति स्वयंसेवक लागत भी 250 रु. निश्चित है तथा एक स्वयंसेवक केवल 2 वर्ष के लिए एनएसएस में सक्रिय रहता है (स्वैच्छिक सेवा के 240 घंटे), प्रतिभागिता के स्तर को बनाए रखना
	2. एनएसएस यूनिटों की स्थापना के	2.1 स्थापित एनएसएस यूनिटों की संख्या	36000 यूनिट	1. और अधिक संस्थानों में एनएसएस कार्यकलापों	1.1 संस्थागत कवरेज में परिवर्तन का प्रतिशत	*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	लिए स्कूल/ कॉलेजों से भागीदारी	2.2 स्थापित स्व-वित्तपोषित यूनिटों की संख्या	4000 स्व-वित्तपोषित यूनिट	का विस्तार		
	3. निधियों का उपयोग	3.1 प्रयुक्त धनराशि का प्रतिशत	आरई में संस्वीकृत धनराशि में से 80 प्रतिशत का उपयोग			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

2. राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रमः राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
12	1. नेबरहुड युवा संसद कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर	1.1 नेबरहुड युवा संसद कार्यक्रमों की संख्या	4,500 कार्यक्रम	1. युवाओं को कारगर मंच प्रदान करना ताकि वे समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श कर सकें और अपनी राय प्रकट कर सकें	1.1 कार्यक्रमों के स्तर को बनाए रखना	4,500 कार्यक्रम
		1.2 स्कीम के अंतर्गत कुल युवा प्रतिभागिता संख्या	3.0 लाख युवा		1.2 स्वयंसेवकोंकी प्रतिभागितास्तर को बनाए रखना	3.0 लाख युवा प्रतिभागी
	2. राष्ट्रीय युवा विकास निधि को सुदृढ़ करना	2.1 स्रोत अतिरिक्त निधियन	वित्तवर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए प्रत्येक 5 करोड़ का स्रोत निधियन	2. निधियन के माध्यम से अतिरिक्त कार्यकलापों में सहायता प्रदान करना	2.1 अतिरिक्त निधियन	10 करोड़ अतिरिक्त निधियन

3. **राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रमः राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
21	1. सांस्कृतिक कार्यकलापों, युवा महोत्सवों, साहस और राष्ट्रीय एकीकरण कार्यकलापों में किशोरों सहित युवाओं की सहभागिता के अवसर प्रदान करना	1.1 इस स्कीम में प्रयुक्त धनराशि	≥ 19 करोड़	1.'निर्गम ''कॉलम में उल्लिखित बहु-आयामी कार्यकलापों के माध्यम सेयुवाओं का समग्र विकास	1.1 प्रतिभागी युवाओं में राष्ट्रवाद, साहस और जागरूकता आदि की भावना विकसित करना	*
		1.2 युवा और किशोर विकास कार्यक्रमों के लिए सहायता प्राप्त कार्यकलापों की संख्या	≥ 400 नं.			
		1.3 युवा प्रतिभागियों की संख्या	25000 युवा			
		1.4 राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों की संख्या	23 शिविर			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

4. राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम: राष्ट्रीय युवा कोर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
80	1. एनवाईकेएस में जमीनी स्तर पर स्वयंसेवकों की सहभागिता	1.1 एनवाईवी के रूप में चयनित युवाओं की संख्या	9500 एनवाईसी	1. शासन में सहभागिता के लिए युवाओं को प्रेरित करना	1.1 नियुक्त एनवाईवी की संख्या	9500 एनवाईवी
		1.2 इस स्कीम के तहत एनवाईवी को जारी मानदेय की राशि	≥ 70करोड़		1.2 प्रशिक्षित एनवाईवी की संख्या	9500 एनवाई
		1.3 नव भर्ती कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना/ बनाना तथा उनका प्रशिक्षण आयोजित करना	सभी नव नियुक्त एनवाईवी को प्रशिक्षितकरना: 9500	2. उन्हें इस तरह तैयार करना जिससे वे प्रभावी सेवा प्रदान कर सकें	2.1 नए स्वयंसेवकों द्वारा प्रभावी कार्यक्रम निष्पादन	सभी नव नियुक्त एनवाईवी का प्रशिक्षण पूरा करना

5. राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रमः अंतराष्ट्रीय सहयोग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
21	1. युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों आदि के माध्यम से भारतीय युवाओं को वैश्विक परिप्रेक्ष्य और अनुभव प्रदान करना।	1.1 आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भारतीय युवा प्रतिभागियों की संख्या	≥ 500	1. युवाओं में अंतरराष्ट्रीय समझ का विकास	1.1 युवाओं की संख्या जिन्हें वैश्विक परिप्रेक्ष्य की जानकारी दी गई	500
		1.2 आदान-प्रदान कार्यक्रमों से इतर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भारतीय युवा प्रतिभागियों की संख्या	≥ 10		1.2 गत वर्ष की तुलना में वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदत्त युवाओं की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	10
		1.3 उन देशों की संख्या जिनके साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम किए गए हैं	≥ 10			
		1.4 प्रयुक्त धनराशि	≥ 20 करोड़			
	2. यूएनवी के माध्यम से 'युवा एडवोकेट'' पायलट परियोजना शुरू करना	2.1 जिलों की संख्या	5	2. स्वयंसेवी यात्रा का पर्यवेक्षण	2.1 एक वर्ष के बाद सामाजिक उपाय/ कार्रवाई के परिणाम का मूल्यांकन	*
		2.2 स्वयं सेवकों की संख्या	150			

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

6. राष्ट्रीय युवा सशक्ति करण कार्यक्रम: स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1.50	1. स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	1.1 इन संगठनों को उनके कार्यक्रमों के लिए प्रदत्त सहायता धनराशि	≥75 लाख	2. इस स्कीम के अंतर्गत संस्वीकृत सहायता के कार्यक्रमों से युवाओं को लाभ	2.1 सहायता प्रदत्त संगठनों के विभिन्न कार्यक्रमों से लाभांवित/ इनमें भाग लेने वाले युवाओं की कुलसंख्या	≥7000 युवा

7. राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम: युवा छात्रावास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2.50	1. युवा छात्रावासों का प्रबंधन	1.1 डीन और छात्रावास प्रबंधकों को दिए गए मानदेय की राशि	≥ 60 लाख	1. उपयुक्त दरों पर अच्छा आवास उपलब्ध कराना	1.1 आईएसओ प्रमाणन युक्त छात्रावासों काप्रतिशत	कुल युवा छात्रावासों का 5 प्रतिशत
		1.2 त्रावासों के नवीकरण के लिए दिया गया विशेष अनुदान	≥ 80 लाख			
		1.3 छात्रावास सुविधा प्रदत्त युवाओं की संख्या	≥ 2 लाख			
		1.4 बढ़ाई गई सीटों की संख्या	40 सीट			

8. खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार: खेल उत्कृष्टता के संवर्धन को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता					
250	1. राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करना	1.1 आयोजित राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की कुल संख्या	130	1. खेलों का संवर्धन तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उत्कृष्टता प्राप्त करना	1.1. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों की प्रतिभागिता में वृद्धि का प्रतिशत	10 प्रतिशत
		1.2 भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या जिसके लिए सहायता प्रदान की गई	15		1.2. मान्यताप्राप्त एनएसएफ की संख्या	52
	2. उच्च कोटि के कोच/ ट्रेनर /खेल सामग्री	2.1. एनएसएफ में नियुक्त विदेशी कोचों/ विशेष कार्मिकों की संख्या	44	2. प्रबंधन पद्धतियों का स्तरोन्नयन और पेशेवर बनाना	2.1 अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रत्यायित तथा मान्यताप्राप्त अधिकारियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	10 प्रतिशत
		2.2. अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त खिलाड़ियों की संख्या	3100			
		2.3. आयोजित कोचिंग शिविरों की संख्या	300			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	3. खिलाड़ियों के कल्याणार्थ उनके हितों और संबंधित उपायों का संवर्धन	3.1. उन एनएसएफ की संख्या जिनमें खिलाड़ियों के कल्याणार्थ खिलाड़ियों की शिकायत निवारण यूनिट स्थापित की गई	0			
	ख. खेलों में मानव संसाधन विकास की स्कीम					
	1. सेमिनार/ सम्मेलन आयोजित करने और उनमें भाग लेने के लिए फैलोशिप वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 प्रदत्त फैलोशिप की संख्या (मास्टर और डाक्टरल)	6	1. खेल विज्ञान और खेल औषधि में मानव संसाधन विकास	1.1. स्कीम के तहत विभिन्न कार्यकलापों में प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	100 प्रतिशत
		1.2 खेल विशेषज्ञों/ कोचों /सहायक कार्मिकों तथा मैच अधिकारियों को उनके विशेष अध्ययन के लिए प्रदान की गई फैलोशिप की संख्या	15		1.2. कुल आवेदनों से फैलोशिप प्राप्त व्यक्तियों का प्रतिशत	20प्रतिशत
		1.3 आयोजित कार्यशालाओं/ सेमिनारों/ सम्मेलनों की संख्या	15		1.4 स्कीम के तहत विशेष प्रशिक्षित मैच अधिकारियों/ कोचों /सहायक कार्मिकों की संख्या	30

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
		1.4 विभिन्न कार्यशालाओं/ सेमिनारों/ सम्मेलनों में प्रतिभागियों की संख्या	500		1.5 पियर पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध दस्तावेजों की संख्या	5
		1.5 आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों / पाठ्यक्रमों की संख्या	10		1.6 पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	6
		1.7 वित्तीय सहायता प्राप्त मैच अधिकारियों/कोचों/ सहायक कार्मिकों की संख्या	50			
		1.8 शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	6			
		1.9 अंतराष्ट्रीय सेमीनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रदत्त धनराशि	20 लाख			
		1.10 अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त व्यक्तियों की संख्या	10			

9. खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार: खिलाड़ियों को प्रोत्साहन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
89	1 खिलाड़ियों को प्रोत्साहन	2.1 नकद पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों/ कोचों की संख्या	500	1. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्टता का संवर्धन	1.1 सब जूनियर, जूनियर और सीनियर स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं (ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित खेल विधाओं में ओलंपिक खेल, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेल चैंपियनशिप) में जीते गए पदकों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	5 प्रतिशत
		1.2 नकद पुरस्कार राशि	66 करोड़ रु.			
		1.3 खिलाड़ियों की संख्या जिन्हें पेंशन दी गई	25			

10. खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार: राष्ट्रीय खेल विकास निधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
70	1. वित्तीय सहायता और संसाधन जुटाना	1.1 देश और विदेश में सहायता प्रदत्त खिलाड़ियों की संख्या	150	1. खेलों का संवर्धन और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए खिलाड़ियों को सहायता	1.1 प्रशिक्षित खिलाड़ियों की संख्या	150
		1.2 खेल अवसंरचना परियोजनाओं के निर्माण/ अनुरक्षण के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता की धनराशि	11 करोड़ रु.		1.1 खेल अवसंरचना सेटअप की अतिरिक्त संख्या	6
		1.3 खेल उपकरण की खरीद के लिए प्रदत्त सहायता की धनराशि	1 करोड़ रु.			

11. खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार: राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20	परिणाम 2019-20

2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2	1. चोटग्रस्त/ अशक्त/ विपत्ति ग्रस्त उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उपयुक्त सहायता	1.1 स्कीम के अंतर्गत लाभांवित खिलाड़ियों की संख्या	25	1. खिलाड़ियों के कल्याण को प्रोत्साहन	1.1 इस स्कीम के अंतर्गत उपयोग की गई निधियों का प्रतिशत	80 प्रतिशत
		1.2 प्राप्त आवेदनों की संख्या	100			
		1.3 खिलाड़ियों को प्रदत्त सहायता/ धनराशि	160 लाख रु.			

12. जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं में वृद्धि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30	1. जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं का विकास	1.1 जम्मू और कश्मीर में उन्नत की गई खेल अवसंरचना सुविधाओं की संख्या	7	1. खेल कार्यकलापों में प्रतिभाग करने के लिएदेश के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराना	2.1 विशेष सुविधाओं के अंतर्गत युवाओं की प्रतिभागिता में वृद्धि का प्रतिशत	10 प्रतिशत
		1.2 नव सृजित खेल अवसंरचना सुविधाओं की संख्या	23		3.1 विशेष सुविधाओं के अंतर्गत खेल कार्यकलापों में वृद्धि का प्रतिशत	10 प्रतिशत
		1.3 स्कीम के अंतर्गत उपयोग की गई निधियों का प्रतिशत	100 प्रतिशत			